

श्राधिकार से श्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

संo 51]

मई विल्ली, शनिवार, विसम्बर 18, 1982/प्रप्रहायण 27, 1904

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या यो जाती है जिससे कि यह अलग संख्या के क्य में रका का सकी Beparate peging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—वाद 3—जन-वाद (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) णारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक धावेश और धिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विक्त संज्ञालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1982

आय-कर

का. आ. 4172.—सर्व साधारण की जानकारी के लिए अधिमूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उप-धारा (1) के खण्ड (2) के प्रयोजनों के लिए प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में 'संगम'' प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित करों पर अनुगीदित किया है, अर्थात् :—

(1) यह कि कृष्णमृ ित फाउ छेशन इण्डिया, मन्नास प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त (कृषि/पश्-पालन/मात्स्यकी कौर औषि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का प्रथक सेखा रखेगा और जैसा कि उनके पत्र स. 11/2/81 के एफ आई तारीख 13-3-1982 से निर्देशित है, उनको केवल सूक्ष्म संसाधित के अनुप्रयोग के लिए केन्द्र में अनुसंधान के लिए ही उपयोजन किया जाएगा।

(2) यह कि ज्ञत फाउं छेशन प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंभान सम्बन्धी कियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तृत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाए और उसे स्कित किए जाए ।

REGISTERED No. D.

(3) यह कि उक्त फाउंडेशन प्रत्येक वर्ष के लिए प्रवर्ग लेखाओं का वार्षिक सम्परीक्षित विवरण अपनी कुल अगय और व्यय तथा अपनी तुलन-पत्र आस्तियों/ दायित्थों को दिशात करते हुए, विहित प्राधिकारी को प्रतिवर्ष 30 जून तक प्रस्तृत करेगा और इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक प्रति सम्बद्ध आय-कर आयक्त को भेजेगा।

संस्था

क्षुष्णम्रित फाउ बेशन इण्डिया, मन्नास ।

यह अधिसूचना 8-6-1982 से 7-6-1984 तक दो वर्ष की अविध के लिए प्रभावी है।

[सं. 4788/पत्र सं. 203/169/80-वाई. टी. ए. (2)]

एम. जी. सी. गोयल, अवर समित्र

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Now Delhi, the 7th July, 1982

INCOME TAX

- S.O. 4172.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the area of other natural and applied sciences, subject to the following conditions:—
 - (i) That the Krishnamurti Foundation India, Madras will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences and solely apply them for research in Centre for Application of Micro processors as outlined in their letter No. 11/2/81-KFI dated 13-3-1982.
 - (ii) That the said Foundation will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
 - (iii) That the said Foundation will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy each of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

INSTITUTION

Krishnamurti Foundation India, Madras.

This notification is effective for a period of two years from 8-6-82 to 7-6-84.

[No. 4788[F. No. 203]169[80-ITA(II)]

M. G. C. GOYAL, Under Secy.

नर्ष (धल्ली, 2 सिलम्बर, 1982

जाधकर

का का 4173.—के की य सरकार, प्राय कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2)(ख) द्वारा प्रवक्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री मार्तेण्ड देव संस्थान, जेजुरी" को महाराष्ट्र राज्य में सर्वेत्र विक्यात लोक पूजा का स्थान श्रिधसूचित करती है।

[सं॰ 4920/मा॰ सं॰ 176/48/82-मा॰ मा॰ (ए-!)]

New Delhi, the 21st September, 1982

(INCOME-TAX)

\$.0. 4173.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Martand Deo Stasthan, Jejuri" to be a place of public worship of renown throughout the State of Maharashtra.

[No. 4920/F. No. 176/48[82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1982

नामकर

का॰ जा॰ 4174.--केमीय सरकार, ग्राय-कर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 क की उपधारा (2) (ख) ब्रारा प्रवस्त बक्तियों का प्रयोग करते हुए "भी कश्मी वेस्कडेयवर स्वामी मंदिर, देवृती कुड्डापाह्" को, भ्राप्त्र प्रदेश राज्य में सर्वत्न विक्यान शोक पूजा का स्थान व्यथिभूचित करती है।

 यह प्रधिसूचना निर्धारण वर्ष 1981-82 से 1985-86 के भारतगंत भाने वाली भवाध के लिए प्रभावी होगी !

[स॰ 4921/का॰ स॰ 176/45/81-भा॰क॰ (ए-I)]

New Delhi the 22nd September, 1982

INCOME-TAX

- 5.0. 4174.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Iakshmi Venkateswaraswamy Temple, Devuni-Cuddapah" to be a place of public workship of remown throughout the State of Andhra Pradesh.
- 2. This notification shall have effect from the period covered by Assessment Year 1981-82 to 1985-86.

[No. 4921|F. No. 176|45|81-IT(AI)]

आयकर

का॰ आ॰ 4175---केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 80छ की उपधारा (2) (क्ष) हारा प्रवक्त शिक्तों का प्रवेग करने हुए "अरुलॉमगु काशी दिश्वनाथ स्वामी विश्वेगक्त, इन्कासी जिला निक्नेलवेरी (तिमल नाडु)" की निमलनाडु राज्य में सर्वेद्ध विख्यात लोक पूजा का स्थान ग्राप्तिस्वित करती है।

[सं॰ 4922/फा॰ सं॰ 176/26/82 भा॰ कः (ए-I)]

(INCOME-TAX)

S.O. 4175.—In exercise of the powers conferred by subsection (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmigu Kasiviswanathaswamy Thirukoil, Tenkasi, Tirunelveli Distt, (Tamil Nadu)" to be a place of public workship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 4922|F. No. 176|26|82-IT(AI)]

क्षीनदीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई बिल्ली, 7 जुलाई, 1982

(आध्कर)

का० आ० 4176.—केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बीर्ब, प्रायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय समय पर यथासंगीविन घिनिस्ताना सं० 679 तारीख 20-7-74 का निम्नलिखित संगोधन करता है।

क्रम सं० 5-ठ के सामने विद्यमान प्रविष्टियों ने स्थान पर निम्नलिकिल प्रविष्टियां रखी जाएंगी, श्रमीत् :---

भायकर भायुक्त	मुख्यालय	स्रधिकारिता
5-छ (ग्रान्थेषण), मृम्बई नगर।	मृत्यर्	 सर्वेकण सकिल-I सर्वेकण सकिल-III निर्धारण सकिल-XI निर्धारण सकिल-XIII

मह प्रधिमुचना 12 जुलाई, 1982 से जनानी होगी।

[सं॰ 4786/फा॰ सं॰ 185/123/82-II (ए.• मार्घ०)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 7th July, 1982

(INCOMF-TAX)

S. O. 4176.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to its Notification No. 679 dated 20-7-74 as amended from time to time.

The existing entries against Sl. No. 5-L shall be substituted as follows:—

Commissioner of Income Tax	Headquarters	Jurisdiction
5-L (Investigation) Boinbay Clty.	Bombay	1. Survey Circle-L 2. Survey Circle-II. 3. Assessment Circle XI. 4. Assessment Circle XII.

This notification shall take effect from 12th July, 1982

[No. 4786 /F. No. 185/123/82—IT(AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

(उप मुख्य नियंत्रक भाषात-नियक्ति का कामलिय)

निरस्त-भादेश

जयपूर, 25 मगस्त, 1982

का०आ० 4177. — मैससं गोयल कोल्ड रीलिंग मिन्, ए-95(वी) इण्डस्ट्रियल एरिया भीवाजी (जि० धलवर) राज को बायान ला० सं० पी।एस। 1865035/सी] xx/78/Q|80 दि० 12-3-81 वास्ते 500,000/- ६० माल बाल में ग्रेड्ल मैं क्ल में इल/डिफ्यक्टिव/कोटम्स।संकेलस, बनकाटेंड कन्डी बास्स् माल बाल बोड्ल पेड्ल कार्यन स्टील प्लेट्स/भीट्स |स्ट्रिप्त/कांयलस किसी भी प्रकार की/जबल को बनैल-मार्च-81 की बायातनीति के अनुमार, कृषि उपकरणों के स्टाब हुन जारी किया गया था।

मानेवक ने एक गायम-पक्ष मायात-नियात की कार्य विधि पुस्तिका 1982-83 के पैरा 358 के प्रन्तर्गन इस माधार पर प्रस्तुत किया है कि उनके लाइसेंस स॰ पी/एस/1865035 वि॰ 12-3-81 बास्ते 5,00,000 रू॰ भान भगैल-नार्च-81 मन्निया के लिए की मूल एक्सचेंन हेतु कापी खो बिका कियी कास्टम पर पंजीकृत किए या इस्तेमाल किए ही, खोई गई है।

में सन्तुष्ट हू कि उक्त लाइमेंन की मूल एक्सकेंज हेतु कापी खो गई है।

मतः सायान-व्यापार नियंत्रण मादेण, 1955 दि० 7-12-55 (यथा समोधित) की धारा 9(cc) में प्रदन्त मधिकारों का प्रयोग करते हुए ला॰ स॰ पी॰/एस/1865035 दि० 12-3-82 वास्ते 5,00,000 द० की एक्सचेज हेतु कापी निरस्त की जाती है।

भावेदक की शब लॉ॰ स॰ पं/एस/1865035 दि॰ 12-3-82 बास्ते 500000 द॰ मात्र की एकवर्षेत्र हेन् कापी की सानुलिपि (इ.संकेट कापी) आधात-नियान की कार्य विशिष्ट्रीस्तका 1982-83 के पैरा 352 से 354 के मन्सर्गन आरीकी जा रही है।

[सं॰ एस/एस/आई/एन / 10/ ए एस-81/सेका/राज/कोसीसीमाई एण्ड ही

MINISTRY OF COMMERCE Office of the Deputy Chief Controller of Imports & Exports

CANCELLATION ORDER

Jaipur, the 25th August, 1982

S.O. 4177.—M/s. Goel Cold Rolling Mill, A-95(B), Industrial Area, Bhiwadi, Distt.: Alwar (Raj.), were granted Import licence No. P|S|1865035|C|XX|78|80 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 only for import of All Seconds/Second Goods|Defective|Quittings|Circles in|Uncoated Condition of All grade of Carbon Steel Plates|Sheets|Stripg coils in Any Form|Shape of Policy Book for AM 81 required for the manufacture of Agriculture Implements.

The applicant has filed an affidavit as required under para 358 of Hand Book of Import Export Procedure 1982-83 wherein they have stated that original Exchange Purposes Copy of Licence No. P/S/1865035 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 only for AM 81 period has been misplaced/lost without having registered with any Customs House and utilised partly for Rs. Nil.

I am satisfied that the original Exchange Purpose Copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercises of the powers conferred on me under section 9(cc) of import Trade Control order, 1955 dated 7th Dec. 1955 as amended upto date the Exchange Purpose Copy of the Licence No. P/S/1865035 dated 12-3-1982 for Rs. 5,00,000 only is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Exchange Purpose Copy of Import Licence No. P/S/1865035 dated 12-3-1982 for the CIF value of Re. 5,00,000 only in accordance with the provision of para 352 to 354 of Hand Book of Import Export Procedures 1982-83.

[F. No. SSI/N/10]AM. 81|Sec. I|Raj|DCCI&E]

निरस्त मादेश

का॰ आ॰ 4178. — मैसर्स जे॰ जी॰ हम्भीनियरिंग एण्ड मेडल इन्डस्ट्रीज, प्लाट सं॰ ए-95 (ए) इन्डस्ट्रियल एरिया भिवाडी धलवर (राज) की एक धायात लाइसेंस सं॰ / पी / एस 1865036/सी/xx/78/वय/80 वि॰ 12381 वास्ते 5,00,000 व॰ सभी सेकेंग्ड्स/सिकंग्ड गुड्स/डिफोक्टिस्स/कटिंग्स/सिकंग्स/बिना कोट किए हालत में सभी ग्रेडों के कार्बन/स्टील प्लास्ट्स/शिद्स/स्ट्रिय कायल्स किसी भी किस्म या गक्ल में ग्रेडैल-मार्च-81 की आयत नीति के अर्थमत कृषि उपरक्षणों के उस्पाद के हेनू जारी किया गया था।

अतः आयात निर्मात निर्मात पायेषा, 1955 दि॰ 7-12-55 (यबा संशोधित) की घारा 9(cc) में अरत्त प्रधिकारी का प्रयोग करते हुए लाइमैंस संख्या पी/एस/1865036 दि॰ 12-3-81 वास्ते 5,00,000 रू॰ मात्र की एक्सचेज कन्द्रोल हेतु कापी निरस्त की जाती है।

भावेशक को भव ला॰ सं॰ पो/एम/1865036 वि॰ 12-3-81 वास्ते 5,00,000 की एक्सबेंज हेतु कापी की भनुलिपि (बुष्तिकेट कापी) जारी की जा रही है जिसे भायात-निर्मात की कार्यविधि पुस्तिका 1982-83 के पैरा 352 के अस्तौत किया जा रहा है।

> [एसएसआई/एन-11/ए एस-81/सेनस-I/को/सीसीआई एवा ई/राज] एस० के० दत्ता, उप मुख्य नियंत्रक ग्रायात-निर्यात

CANCELLATION ORDER

S.O. 4178.—M/s. J. G. Engineering & Metal Industries, Plot No. A95 (A) Industrial Area, Bhiwadi-Alwar (Raj.) were granted Import Licence No. P/S/1865036|C|XX|78|Q| 80 dated 12-3-1981, for Rs. 5,00,000 only for import of All seconds|Second goods|Defectives|Quttings|Cirecles| un-coated condition of all grades of Carbon Steel Plates/Sheets/Strips Coils in any form/Shape of Policy Book for AM 81 required for the manufacture of Agriculture Implements.

The applicant has filed an affidavit as required under para 352 of Hand Book of Import Export Procedure 1982-83, wherein they have stated that original Exchange purposes copy of Licence No. P/S/1865036 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 only for AM 81 period has been misplaced/lost without having been registered with any Customs House and utilised partly for Rs. Nil.

I am satisfied that the original Exchange Purpose Copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(cc) of Import Trade Control Order 1955 dated 7th Dec., 1955 as amended upto date, the Exchange Purpose Copy of the licence No. P/S/1865036 dated 12-3-1981 for Rs. 5,00,000 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Exchange Purpose Copy of Import Licence No. P/S/1865036 dated 12-3-1981 for the CIF value of Rs. 5,00,000 only in accordance with the provision of para 352 to 354 of Hand Book of Import-Exprt Procedure 1982-83.

[F. No. SSI/N/11]AM. 81]Sec. I|DCCI&E|RAJ]

S. K. DUTTA, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

उद्योग मंत्रालय

(जीकोणिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 10 नवम्बर्, 1982

का. बा. 4179 : किन्द्रीय सरकार, पेटेन्ट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) की धारा 152 द्वारा प्रदक्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2), सारीख 30 अगस्त, 1975 के पृष्ठ संख्या 3100 से 3162 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पृत्ति मंत्रालय (अधिगिक विकास विभाग) की अधिस्थना सं. का. जा. 2819 तारीख 29 जुलाई, 1975 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

खक्त अभिस्चना में :--

"2 असम" शौर्षक के नीचे शिलांग से सम्बन्धित प्रविष्ट के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

''द**ही—कुलपति, पूर्वोत्तर पहाडी विद**विद्यालय, लोजर लहोमियर, दिलाग, असम-793001 ।''

[फा. सं. 8(13)/81-पी पी एंड सी]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 19th November, 1982

S.O. 4179.—In exercise of the powers conferred by Section 152 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial, Development) S.O. No. 2819, dated the 29th July, 1975, published in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (ii), dated the 30th August, 1975 at pages 3160 to 3162; namely:—

In the said notification, under the heading "2. Assam"—after the existing entries relating to Shillong, the following shall be inserted, namely:—

"-do- The Vice Chanceller, North Eastern Hill University, Lower Lachaumiere, Shillong, Assam-793001.

[File No. 8(13)/81-PP&C]

का. आ. 4180: केन्द्रीय सरकार, पेटेन्ट अभिनियम, 1970 (1970 का 39) की भारा 152 द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2) तारीख 30 अगस्त, 1975 को पृष्ठ सं. 3160 से 3162 पर प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पृष्ति मंत्रालय (अौद्योगिक विकास विभाग) की अभिस्चना सर्वा का. आ. 2819 तारीख 29 जुलाई, 1975 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्: —

उक्त अधिस्चना में :--

''8 करेल'' शीर्षक के नीचे—श्रिवेन्द्रम से सम्यन्धित विद्य-मान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

''कोचीन विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, कोचीन विश्वविद्यालय पुस्तकालय, कोचीन-682022 ।''

[फा. सं. 8(13)/81-पी. पी. एण्ड सी]

पौ. भार. चन्द्रन, उप सचिव

S.O. 4180.—In exercise of the powers conferred by Section 152 of the Patents Act, 1970 (30 of 1970), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies, (Department of Industrial Development) S. O. No. 2819, dated the 29th July, 1975, published in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (ii) dated the 30th August, 1975 at pages 3160 to 3162; namely:—

In the said notification, under the heading "8 Kerala" after the existing entries relating to Trivandrum, the following shall be inserted, namely:—

"Cochin.—University Librarian, Cochin University Library, Cochin-682022."

[File No. 8(13)/81-PP&C]

P. R. CHANDRAN, Dy. Secy.

तागरिक पर्ति मंत्रालय

भाएतीय मानक संस्था

म**ई दिल्ली**, 23-11 1982

का बार 4181-- गमय - समय पर संगोधित भारतीय मानक सस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपिरिन्यम 4 के प्रमुक्तार भारतीय मानक संस्था द्वाण रिक्षिमूचित किया जाता है कि लाइसेंस संका भी एम/एल०७४७७६ जिसके क्योरे निचे धनुसूची में दिए गए हैं भाइमेंसथारी के प्रमुखे पर 1982-07 01 से रहकर दिया गया है।

			धन ुष ्रभी			
कम संख्या	नाइसेस मध्या ग्रीर तिथि	लाइमेंसबारी का नाम व पता	रह किए गए लाइसेंप के श्रधीन बस्कु/ प्रतिका	तत्सबंघी भाग्मीय मोनक		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		
1. सी एम/एल ·0749765		मैयसं चित्रालय विन्यान में०, 55ग्, धरापुरम रोड, तिरुपुर 638604 (तमिललाडु)	इंटरलॉफ बुनाई वाली सूती बनियाने टाइप नोल गर्ने वाली और गोल गर्ने बाजू वाली माइज 75 से 100 से मी जाली 20 और 24	IS 4965 (भाग 2)1975 इन्टर लांक बुनाई वाली गुती बनियानों की विधाष्ट माग 2 बनियाने (पहला पुनरीक्षण) .		
				[सी एम ही/55 0749765]		

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1982-11-17

SCHEDULE

S. O. 4181.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks)
Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-0749765
particular of which are given below has been cancelled with effect from 82-07-01 at the request of the licensee:

3	4	5
Chitralaya Banian Co., 55-A, Dharapur vm Rovi, Tirupur-638604 (Tamil Nadu)	Interlock Knitted Cotton Vests Type: RN an I RNS Size: 75 to 100 cm Gauge: 20 and 24	IS: 4965 (Part II) -1975 Spect of cation for Interlook knitte cotton vests Part II Vests (First Revision)
•	Tirupur-638604	Tirupur-638604 Size: 75 to 100 cm

मई विस्ली, 1982-11-23

का॰ आ॰ 418 १० - समय-तमय पर सशीधित भारतीय मनिक संस्था (प्रमाणन विन्ह) यिनियम 1955 के विनिध्म 14 के उपविनियम 4 के भ्रषुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा ग्राधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-0767464 जिसके ब्योरेनिय भ्रनुसूची में विष् गए हैं लाइसेंसवारी के श्रनुपंध पर 1982-02-01 से रह कर दिया गया है क्योंकि फर्म भ्रव लाइसेस जारी रखने की इच्छक नहीं है।

			प्रनु ष ्ची		
कम संबदा	लाइसेंस सख्या झौर तिथि	लाइमेसधारी का नाम भीर पना	रद् फिए गए साइसेंस के प्रधीन अस्तु/ प्रक्रिया	तत्सबधी भारतीय मानक	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1. सी एम/एल-0767464 1979-03-30		मेंसमें बंगलीर वायर रांड मिल (ट्रामपंटिं कारपोरेशन प्राफ डेंडिया लि० की इकाई) हवाक्टफील्ड रोड महादेवपुरा डाकचर भगलीर 560048	गर्इ। वस्तुचो थे लिए कार्बन ६स्पात की छडे	IS 1975— 1978 गृही वस्तुमी के लिए फार्बन इस्पान के बिलेट ब्लूम मिल्लिया और छड़ो की विशिष्ट (क्सुयं पुनरीक्षण)	
				[सी एम डी/55 . 0767464]	

New Delhi, the -198211-23

S.O. 4182.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-0767464 particulars of which are given in the Schedule below has been cancelled with effect from 1982-02-01 as the firm is not interested to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and	Date Name & Address of the Licen	see Article/Proce Licence Cance		y the Relevant Indian Standards
1	2	3		4	5
	M/L-0767464 03-30	M/s. Bangalore Wire Rod Mill, (A unit of Transport Corpa of Indian Ltd)., Whitefield Road, Mahadevapura P.O., Bangalore-560048	Carbon steel forgings	bars for	IS: 1875-1978 Specification for carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings, (Fourth Revision)

[CMD/55 : 0767464]

नई दिल्ली, 1982-11-24

का का व 4183.--- भारत के राजपत भाग II, खंब 3, उपखंड (ii) दिनांग 1981-05-16 में प्रकाशित नागरिक पूर्ति मंश्वालय (भारतीय मानक संस्था) मधिसूचना संख्या एस भी 1499 दिनांक 1981-04-24 का भाषिक रूप में संगोधन करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि कटाई भीर बैल्डिंग के लिए वाव रेग्यूकेटरों भीर बली पाइप के मानक चिन्ह में कुछ परिवर्तन किया गया है। मानक चिन्ह को में मंगोधित विजाइन तस्तंबंधी भारतीय मानक के सीर्थक भीर विजाइन के गाब्दिक विवरण सहित नीचे अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक बंस्या (प्रमाणम विक्का) अधिनियम 1932, ग्रीर इसके ग्रधीम बने नियमों भौर विनियमों के कामों के लिये वे मानक विक्का 1980-12-18 से लाग कोंगी:

श्न<u>मु</u>षी

कम मामक विन्ह की संख्या डिजाइन	<i>उत्पाव/उत्पावन की भेषी</i>	तत्संबंधी भारतीय मानक की पद संख्या भौर शीर्षक	मानक विह्न के विवाधन का साज्यिक विदरण
(1) (2)	(3)	(4)	(5)
1.	वेश्विम, कटाई में प्रयुक्त गैस सिलैण्डरों के वाब रेग्युक्तेटर	IS: 69011973 वेल्डिंग, कटाई धौर सम्बद्ध प्रक्रियामों में प्रयुक्त गैस सिलैण्डरों के बाव रैग्युलेटरों की विक्रिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्सम्भ (2) में दिखाई गई में की ग्रीर भनुपात तें तैयार किया गमा है ग्रीर जैमा किजाइम में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ग्रीर भारतीय मानक की पद संख्या ही गई हैं।
	वेल्डिंग भीर कटाई में प्रमुक्त हाथ वाले क्यो पाइप	IS: 76531975 वैत्रिक्षम झीर कटाई में प्रयुक्त हाथ बाले ब्ली पाइप भी विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोप्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्म (2) में दिखाई गई शैली धीर प्रमुपात में नैयार किया गया है धीर जैका डिजाइन में दिखाया गवा है उक्ष मोनोप्राम के ऊपर की घोर धारतीय मानक की पद सक्या दी गई है।

[बं॰ सी एम डी/13.9]

New Delhi, the 1982-11-24

S.O. 4183.—In partial modification of the Ministry of Civil Supplies (Indian Standards Institution) notification number—S.O 1499 dated 1981-04-24, published in the Gazette of India, Part—II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1981-05-16, the Indian Standards Institution, horeby notifies that the standard marks for pressure regulators and manual blow pipes for cutting and—welding have been revised. The revised designs of the standard Marks together with the title of the relevant Indian Standards and verbal description of the designs are given in the following Schedule.

These Standard Marks, for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with offect from 1980-12-16;

		\$	SCHEDULE	
SI.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
	S: 6901	Pressure regulators for gas cy- linders used in welding, cutt- ing	IS: 6901—1973Specification for pressure regulators for gas cylinders used in welding, cutting and related processes	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated is Col. (2); the number of the Indian Standard being super cribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
	s : 7653	Manual blow pipes for welding and cutting	IS: 7653—1975 Specification for manual blowpipes for welding and cutting	
-		ومراكب ومعور فاست فالمهر ووسد ليبسد ومكاه يميانه الأنش أمانك أمانك المساد المساد المساد المساد	الك والمداردات ليستر والك والمساولين فينين والمدارك المساعدة والمدارك والمدارك والمدارك والمدارك والمدارك والم	

[No. CMD/13:9]

का॰ आ॰.4184.—भारत के राजपत माग II, बांड 3, उपकांड (ii) दिलांक 19-80-04-26 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिक्य एवं नागरिक पृति संकासव (भारतीय मानक संस्था) प्रधिसुचना संख्या एस को 1155 दिनांक 1980-04-09 का प्रांतिक रूप से संगोधन करते हुए बारतीय मानक संस्था हारा क्रांकि-सुचित किया जाता है कि व्यायलय टेप दिवरी और काबसे के लिए आर्सेनिकीय सांग्जे की छड़ों के भानक शिक्क में कुछ संशोधन किया गया है। नामक जिल्ल को संशोधित दिजाइव तरसंबंधी भारतीय मानक के शीर्षक भीर किलाइन के शाधिदक विवरण सहित नीचे धनुसूची में दिखा गया है।

भारतीय मातक संस्था (प्रमाणन चिक्क) अधिनियम, 1953 और उसके अधीन बने नियम और विनियम के कार्यों के लिए यह मानक विक्क 1982-02-01 से सागु होगी।

अमुसु ची

कम संख्या	मानक चिह्न की बजाइम	जलाव/ <i>उ</i> ल्पादन की भेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक	খিল	ik .	डिजाइन विवरण	का	शास्त्रिक
(1)	(2)	(3)	(4)				(5)		····
		*.tv		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,					

1. IS: 288-81

बार्सेनिकीय ताम्बे की छहें

ब्बायशर टेक दिवरी भीर कावलों के लिए IS: 288-1981 व्ययालर टेक्क दिवरी भीर कामलों की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)

मारतीय मानक संत्या के मोनोबास जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्ब (2) में विधाई गई शैली झौर झनुपात में सैयार की गई है धीर जैसा डिजाइन में विचासा गया है राज मोनोग्राम के ऊपर की छोर भारतीय मानक संस्था की पदसंख्या तथा वर्ष दिया गया 🕏 ।

[सं॰सी एम की/13:9]

S.O. 4184. -In partial modification of the then Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1155 dated 1980-04-09 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Subsection (ii) dated 1980-04-26, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the design of the Standard Mark for arseni cal copper rods for boiler stay bolts and rivets has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule:

This Standard Mark for the purposes of the Indian Stanlards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1982-02-01:

4	า	7	n
**	J	ŵ	v

			SCHEDULE	., ,	
SI. No.	Design of the Standard Mark	Product/class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Vebal Description of the Designof the Standard Mark	
1	2	3	4	5	
	5 : 288-81	Arsenical copper rot: for boiler stay bolts and rivets	IS: 288-1981 Specification for arsenical copper rods for boiler stay bolts and rivets (second revision)	The managram of the India- Standards Institution, consist- ing of latters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Cal. (2); the number of the Indian Stanlard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the managram as indicated in the design.	

[No. CMD/13:9]

कों आ 4185 --- भारत के राजपत्न भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) विनांक 1979-12-01 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिज्य एवं भागरिक पूर्ति मंजालक (नागरिक पूर्ति मंजालक प्रीत्ति मानक संस्था) प्रधिभूचना संख्या एस भी 3880 दिनांक 1979-11-08 का ग्राधिभूमण करते हुए भारतीय मानक संस्था हारा प्रधिभूचित किया जाता है कि एनुमिनो-लीहे का मानक चिह्न में कुछ संशोधन किया गया है मानक चिह्न की संशोधित विजाहन तत्संवंधी भारतीय मानक के बीचंक भीर विजाहन के शाब्दिक विवरण सहित नीचे मानुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन) चिल्ल भविनियम, 1952 तथा उसके शृश्चीन वने नियम और विनियम के कार्यों के लिए यह मानक चिल्ल 1981-06-01

से भागू होती।

			चन <u>ु</u> त्थी	
भम संख्या	सानक जिल्लु की विजाइन	उत्पाद/उत्पादन की मेवी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पद संख्या भीर शीर्षक	मानक विक्ल के डिजाइस का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS: 299-60		एशुमिनो लौह	IS: 299—1980 एलुमिनी शोह की विमिष्टि (तीत्तरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI मध्य होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई गैली और मनुपात में तैयार किया गया है भीर वैसा डिजाइंग में विखाया गया है मोनोग्राम के अपर की घोर मारतीय मानक की

[सी एम की/13:9]

पद संख्या तथा वर्ष दिया गया है।

5. O. 4185 .—In supersession of the then Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 3880 dated 1979-11-08 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Subsection (ii) dated 1979-12-01, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the design of the Standard Mark for aluminoferric has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule.

This Standard Mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and

Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-06-01;

THE SCHEDULE

St. Design of t	he Standard Product/Class of Product		No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark	
1	2	3	4 ,	5	
1. IS : 299—80		Alumino-ferric	IS: 299—1980 Specification for alumino-ferring (third revision)	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	

ा श्री राजारकीय र र र के पद्रस्ताः । हा जारकीय म नाइहा । नापका वार्षाः ा विवरण नारती नाम की माद गौरका पौर र्शन सङ्ग (4) (1)() (3) ---1 IS 74 1974 रा सार् क लिए उद S 7 \pm 1966 मट न लिए न द पूर अन सूखाव (तर के प्रीया ग्री रास न्तर पर्रतमा ग्रीन न कार। (प्रण की पर्ट' - (दिने य प्रतश्रीक्षण) पुनरी राग) 2 IS 101-1979 तेर दिशिव रामान वृत्य IS 104 1962 तेरण विश्वा गा रामि ब्र्ण से लाने नाना जिक कीम प्राइया देने की से नाते वाला जिस की बाइग दी पानिकी वि शन्ट (दिनीय पुनरीक्षण) †य 🖭 (पुनरीक्षण) 3 IS 71 1979 हमाई स्थान कार्या के ता IS 719 1962 हकाई जहाज व ।ला सूत सर्व प्रयता टेपाफी लिगिन्ट (।इतीन पुतरीक्षण) पत्रचन टाकी तमिष्ट (पुार क्षण) 4 IS 80९(मार 3)-- 1979 ताप बेल्तिर IS 80९ 1964 वेल्तिर इस्पा का धरती चैतर दस्प न की धरनी, चीति व कोण सेक्यत के सा ्रपौर कोण सेकान की नाक्ष्मट (पुनरक्षण) भाग 3 चै लि एस ती और एस मी जी श्रेगी (द्विनाय पनरीक्षण) 5 IS 1061-1980 कानज के अकारों की IS 1064-1961 कागज के नारारो की 1975 विशिष्ट (दिनीय पुनरेक्षण) (प्तरीक्षम) 6 IS 1109-1980 मुहा कि विभिष्ट (ब्रिनैप IS 1109-1968 मुहारे की विभिष्ट (प्रथन पु ररीक्षण) पुनरोक्षण) 7 IS 1376 1979 ह्याई स्थान के लिए IS 1376 1908 हवाई स्थान के वैद्यानिक के लिए सूरी सिनाई धा। व निशिष्ट सूती सिनाई धागो की विजिष्ट (द्वितीय पुनरीक्षण) (प्रथम पुत्ररीक्षण) 8 IS 14 ९ (भाग 3) - 1979 पेट्रा निदम और उसके उत्पादों वे परिक्षण ण्यति भाग 93 पेट्रोलियन मोम में हुई भेदन 9 IS 1651- 1979 मीमा तेनाब बाली वा IS 1651--1970 सीसा धम्ल वर्षा धनात्मक (धनात्मक नना प्नेट के साथ बैटरिया और स्थिर सेन क विशिष्ट (प्रथम पूनरीक्षण) स्थिर सैन की विणिष्ट (द्विधिय पुनरे क्षण) 10 IS 1852 - 1979 उष्न वेल्पित इम्पान IS 1852-1973 उष्म वेल्लिन इस्पान उप दो उत्पादों की वेल्लन और कटाई सम्बंधी छट का वेलन भ्रोर नटाई सम्बन्धे छट (हिसीय पुनरीक्षण) (ततीय पुनरीक्षण) 11 IS 2032 (WIT XXIII (1978) **ৰি**ছ্ব प्रौद्योगिको मे प्रयुक्त लेखी चिह्न भा XXIII प्रक्रम भाष व नियदण संदर्भ और र। 12 IS 2279 - 1980 अच्छी चार्ट की छड़े चादर IS 2279-1963 अच्छे चादी की छने, चादर नार कर्णा नया होना की जिल्लिक (प्रथा तर कर्मा ग्राँर तोका (मोहर प लागदी) की विभिष्टि 13 IS 2560 1979 टयूब के लिए न पक्ते IS 2560—1963 टायर व ट्यूव के लिए बाले रखर स बने चेप की विशिष्ट (प्रथम रबंड से बने न पकने वाले टेप की विशिष्टि पुनरीक्षण) 14 IS 2562--1979 टायर व ट्यूब के लिए IS 2562--1963 टायर व न्यूब के लिए रबड रबड से वने पकने वाले चेप की विशिष्ट (प्रथम से बने पत्रने वाले टेप की विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण) पुनरीक्षण) 15 IS 2417--1979 काचान मीना वर्तन और IS 2717--1964 काचान मीना वर्तन ज्योग मतिका शिल्प धातु प्रणानी से सम्बन्धित शब्दावती मे प्रयुक्त शब्दो वाली (प्रथम पुनरीक्षण) 16 IS 2347-(भाग 1,खड 2) -- 1979सामान्य IS 3347--(भाग 1 खण्ड 2)-- 1967 पोनिनेन ट्रामफार्मर बुगबर के माप भाग 1 और हल्के प्रद्विन वातावरण मे प्रयुक्त पोर्मलेन ट्रासफार्सर बुशबद के माप भाग 1 1 किवा । 1 कि का बुगबरे तक खण्ट 2 धातु के

भाग

तक खण्ड 3 धातु के भाग (प्रथम पुनरीक्षण)

(1) (2)	(3)	
17. IS : 3347 (भाग II खण्ड 2) 1979 IS		- <u>-</u>
सामान्य व हल्के प्रदूषित वातावरण में प्रमुक्त	ट्रोसफामंर नुमर्बर्धभाग 1 1.1 कियो बुमबंदी	
पोसिलेन ट्रांसफार्मर बुगबंदी के माप भाग	की खण्ड 2 धातुके भाग	
1. कि वो तक खण्ड 2 धातुर्क मार्ग (प्र		
18 IS: 36071979 रसायन उद्योग के लिए] मैरनीसाइट के विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	.S. 3607—1966) रसायन उद्याग के 1लए मैरनीसाइट की विभिष्टि	
19. IS 3607-1979 चिनाई वाले लैटराइट	IS: 3620⊶ 1966 चिनाई वाले लैंगडराइट	_
पत्चर के पौकों की विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	पत्थर के चौकों की विभिष्ट	
20. IS 4491-1979 उपन च्यानिय प्रवेश्यता		
वाली इस्पात की उन्ती वस्तुमी को विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	वाली इस्पात की उली वस्तुमीं की विशिष्टि	
21. IS: 4651 (भाग 4)→-1979 बन्दरगाहों भौ	र IS: 4651(भाग 4)1969 बन्दरगान्नों भौर	
गोवियों की डिजाइन व भायोजनः की रीति		•
संहिता भाग 4 सामान्य डिजाइन सम्बन्धी वार्ले (प्रथम पुनरीक्षण)	भाग 4 पाइल की चादर की प्रतिधारकदीवार	
22. IS: 46591980 भंत: स्पलीय जलयानों के	IS: 9659 1988 श्रंतः स्थलीय जलयाम के	
लिए तार की रील की विणिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)	•	
23. IS: 4738-~1980 ज्लास्टर घ्राफ पैरिस की		
पट्टी की विशिष्टि (प्रयम पुनरीक्षण) 24. IS: 49031979 चीनी उद्योग निःस्ताव के	पट्टीको विशिष्ट	
उपचार और निपटान की संदर्शका (प० पू०)		
25. IS: 5405—1980 सेमीटरी नैपीकन की		
विशिष्ट (प्रथम पुनरीक्षण)		
26 IS: 57331979 सेव की कलमो की	IS: 5733 1969 सेबों की कलमें	,
उत्पादन संहिता (प्रणम पुनरीक्षण)		
27 IS: 7022 (भाग 3)1979 मलुजल भौर भौदोगिक निःस्त्राव सम्बन्धी गब्दावली भाग 2		
28. IS: 7290-1979 छतों के जल रोक बनाने	IS: 72901973 छतों के जल रोक बनाने	
के लिए पोलीइयाइलीन फिल्म के प्रयोग संबंधी	के लिए पोलीइयाइलीन फिल्म के प्रयोग संबंधी	
सिफारिमें (प्रथम पुनरीक्षण)	सिफारिशें	
29. IS: 8252 (भाग 4)1980 विमान उपकरणों के वासावरणीय परीक्षण भाग 4 वर्फ निर्माण		
क वातावरणाय पराक्षण भाग के बका निर्माण 30. IS: 8252 (भाग 14)—1979 विभाग उप-		
करणों के बातारणीय परीक्षण भाग 14 झटका		
31. IS: 8886 (भाग 4) 1980 जलयान की	_	
साधारण, ग्रायताकार, खिक्कियों की विशिष्ट		
भाग 4 ढांचे पर मध्यों के कान, स्त्रिय कावलों		
भीर जड़ने के छेदों की स्थिति के ब्योरे		
32 IS:8886 (भाग 5)1980 जलयान की साधारण धायताकार खिड़कियों की विशिष्टि	_	<u>-</u>
सावारण श्रावतागार चिक्रानया का ावाशाच्य भाग 5 भीतर खुलने वाली बगल से कब्जे		
जड़ी ढांबे के फीम मारी प्रकार की काबलेबार		
खिड़िकयों के व्यीरे ।		
33. IS: 8886(भाग 6)— 1980का जलयान साधार	ण	profession.
भागताकार खिड़कियों की विशिष्टि भाग 6		
भीतर खुलने वाली बगल से कब्जे जड़ी हलकी प्रकार की कांबनेदार खिड़कियों के ढांचे के फ्रोम		
के स्योरे कु		
34 IS: 8896 (भाग 7)~- 1980 जनयान साधारण	τ	 ,
क्रायनाकार खिड़कियों की विभिष्ट माग 6		
भीतर खुलने वाली खगल से कब्बे जड़ी भारी		
व हल्की प्रकार की वेल्डकृत खिड़कियों केढांचे केक्यौरे		
71 **11.5		

[मान II-खण्ड 3(ii)] भारत का राजपन्न दिसम्बर 18, 1982 / श्रमहायण 27, 1904 (2) (1)(3) (4)35. IS: 8886 (माप 8)-- 1980 अल्यान की साधारण प्रायताकार खिड्कियों की विणिष्टि भाग 8 अन्दर का खुलने वाली ऊपर के कब्जे जड़ी भारी प्रकार की काबलेदार खिड़कियों के ढाँचे के ब्यौरे 36 IS: 8886 (भाग 9)-- 1980 साधारण ध्रायताकार खिइकियो की विशिष्टि भाग 9 अन्दर की मोर खुलने वाली ऊपर से कब्जे जडी हल्की प्रकार की बोस्ट दार खिडकियों के ढांचे के ध्यीरे 37 IS: 8886(भाग 10)-- 1980 साबारण, मायताकार खिड्कियों की विकिष्टि भाग 10 धन्यर की खुलने वाली ऊपर से कब्जे जड़ी भारी व हुल्की वेल्डकृत खिड़कियों के ढाँचे के व्योरे 38 IS: 8886(পাৰ্য 11)-- 1980 क्रायताकार खिङ्कियों की विणिष्टि माग 11 ब खुल में वाली भारी प्रकार की काबलेवार बिड़िकियों के उपि के ब्यौरे 39 IS: 8886 (भाग 12)---1980 साधारण, ग्रावताकार खिड़ कियो की विशिष्टि भाग 12 न खुलने वाली, हुल्की प्रकार की काबलेकार खिड़िक्यों के बाच के ब्योरे 40. IS: 8886 (भाग 13)-1980 साधारण भाषताकार खिड़ कियों की विशिष्टि भाग 13 न एं लॉन याली, भारी बेल्डकुल के डांचे के ध्यीरे 41. IS: 8886 (भाग 14)--1980 शाधारण भायताकार खिड़कियों की विशिष्ट भाग 14 बाहर को खुलने वाली एक ग्रोर करने जड़ी भारी प्रकार की खिड़िकियों के छाचे के स्थीरे 42 IS: 8886 (भाग 16)-1980 साधारण आयताकार विक्षियों की विशिष्ट भाग 16 बाचे का विस्तृत विवरण बाहर के खुलाने वाली एक तरफ हुल्की काबलेदार खिड़कियों के ढांचे के व्योरे 43. IS: 8886 (माग 18) साधारण प्रायताकार खिड़िभयों की विशिष्टि भाग 18 अन्दर खुलने वाली एक तरफ करने जड़ी भारी व हस्की बोस्टदार खिड़िकयों के कांच घारक के क्यीरे 44. IS: 8886 (भाग 19)---साधारण मायताकार खिब्कियों की विशिष्टि भाग 19 बाहर को ख्यने वाली एक तरफ कब्जे जड़ी भारी बहल्मी कावलेदार वेत्वकृत खिड़कियों के बीच कांच धररक के **ग्यो**रे 45. IS: 8886 (भाग 20)---1980 साधारण,

प्रायताकार विश्विषयों की विशिष्टि भाग 20 जपर से करूजे जड़ी भारी व हस्की करूजेवार व वेस्कृत विश्विका के काच धारक के व्यीरे 46. IS: 8886 (भाग 22)—1980 साधारण प्रायताकार विश्विकां की विशिष्टि भाग 22 स्थिग काबसा पौर विग विश्वि के व्यीरे 47. IS: 91363—1978 कैस्थियन मिश्रित पीज की

विशिष्टि

432 -	4 THE GAZE	ГТЕ OF INDIA : 1 	DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA	27, 1904	[PART II—SEC. 3(ii)]
(1)		(2)	(3)		(1)
48.		खेलों मे मृतिका रूपग्रेल का मापाक ज्ञान करने			
49	क् ^{यू म} की विशिष्टि भा	2)1979 अला बाल्टन त्म 2 श्रीद्यामिक उनयोग त्रा ले फ्यानीं की पूरक प्र पेकात्	्रIS 2208-—1962 650 वाल्ट तक के एव प्राप्तीकारनुस फ्यूज लिक को विशिष्टि		
	षहियों की परीक्षण पर	2)~1979 कालाई इति भाग 2 झटकारोडी			
51.	IS: 9259 1979 उपकरण की विणिटिट	मिट्टी के लिए सरल ग्रीमा			
5 2.	IS : 9328 1979 । शस्त्रावली	भिष्ठान्त उभोग से स बंधित			
53.	IS: 93501980 950) দী দিগিভিত	त _ा प रोघी सौँमेंट (उ .इप			
54.	IS: 93651980 ক	नीद्रार्थियान दामों की विशिष्टि	5		
	पदा र्थों की परीक्षण पर	तारकोस व बिट्यूमनी. इतियाँ, : विटसेन का क्रांस			
56	भंजन भ्रक IS: 93841979 संभेषित मांकका पट्टी	माल वाहक कटेनरों की को विजिल्हि			
5 7.	•	गैल फास्केंट की रसाय निक			
58.	IS : 9393 1979	यस्टेंड ग्रहें वस्टेंड पीर			
	उनी धारे बनामें की	साहता तथा ६८ सकतीकी रियार्ट के किए			
		की तैंथारी की मार्ज-			
60.		कने <mark>बेभर पड़े के बंधों (व</mark> ेंघ नण प ड िंस	ī		
	•	विद्यायनीकारी स्तम्मो को			
	रखारखात के भीर परि	श्वालन की रोति संहिता			
		वि यु त गृणधर्मी पर के पसर फिल्म ग्रोप			
	कलाक की विशि ष्टि				
		शकुनुभा फ्रीर ह,इपरकोशीय ल नॉव को डिजाइन व	Ţ		
प्रदूष है !	इत भागतीय मानकों ग्राबाय, बंगलीय, भाषाल,	की प्रतिया बारनाय मानक भूजीश्यट, बस्बई, कलकन	सस्या, मानक भवन, बहाबुरणाह जकर मार्ग, नई टि ा, चण्डीनड, हैरराबाब, अयपुर, मद्रास, पटना य ब्रिजेस्ट्रम	रेल्लो 110002	में श्रौर उसको शाखाओं में भी विलियों में शक्त की जासकती
S.					[स॰सी॰एम०डी०/13 : 2]
titut: Jardi	ion (Certification M	[arks] Rules and Regu	of Rule 3 and sub-regulations (2) and (3) of relations, 1955, the Indian Standards Lastitutes chedule hereto annexed, have been established SCHEDULE	natiereby not	ifies that the Indian Stan
SI. No.	No. and Title of the Standards Establish		No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Roma, k	s, if any
 (1)		(2)	(3)	-	(4)
1	S: 74-1979 Methest for drying oils for second revision)		IS: 74-1966 Methods of sampling and test for drying oils for paints (first revision)		The second secon

(1)	(2)	(3)	(4)
	aint, brushing, zinc chrome,	IS: 101—1962 Specification for ready mixel paint, brushing, zinc chrome, priming (revised)	
3. IS: 71	41979 Specification for cottoning tape aerospace purposes)	IS: 714—1962 Specification for cotton reinforcing tape for aircraft (revised)	
4. IS: 808 hotrolled sections MCP set	(Part III)—1979 Dimensions for steel beam, channel and angle; Part III Channel, MC and	IS: 808—1964 Specification for reited steel beam, channel and angle sections (revised)	
5. IS: 106 sizes (second)		IS: 1064-1961 Specification for paper sizes (revised)	_
6. IS: 1109 (second)	_	IS: 1109—1968 Specification for borax (first revision)	- val
7. IS: 1376 sewing t (second r	-1979 Specification for cotton hreads for aerospace purposes evision)	18:1376—1968 Specification for cotton sewing thread for aeronautical purposes (first revision)	
for petro	(P: 93) -1979 Methods of test leum and its products: P: 93	_	
9. IS: 165 tionary c	ells and batteries, lead-acid type ular positive plates)	IS: 1631—1970 Specialization for stationary cells and batteries, lead-axid type (with tubular positive plates) (first revision)	_
tolerance (third rev	s for hot-rolledsteel producti asion)	IS: 1852—1973 Rolling and cutting toleration for hot-rolled steel products (second revision)	·······
symbols XXIII In ment and	(Part XXIII)—1978 Graphical used in electrotechnology: Part astroments for process measured control	_	_
12. IS: 227 silver by (first lev	ar, sheet, wire, granules and token	IS: 2279—1963 Specification for fine silver bar, sheet, wire, granules and token (LAGDI or MOHUR)	
		IS: 53201969 Specification for fine silver ingot.	→
baked a (first re	1—1979 Specification for rubber- dhesives for tubes, non-curing vision)	is: 2560—1963 Specification for rubber- base alhesives for tyres on tubes non- curing	<u> </u>
14. IS : 2562 based ad (first rev	2—1979 Specification for rubber- hesives for tyres an tubes, curing vision)	IS: 2562-1963 Specification for rubber- base 1 adhesive for tyres and tubes, curing	*****
ing to ceramic n (first rev	vitreous enamelware and netal systems ision)	IS: 2717—1964 Glossary of terms used in vitreous enamelware industry	
for proc use in no pheres:	clain transformer bushing formal and lightly by polluted at no Part Lup to and including 1 kV 2 Metal pacts	93- up to 1.1 kV bushings; Section 2 Metal	~
cions for for use atmosph	r porcelain transformer bushing in normal and lightly polluted eres: Part II 3.6 kV bushings: 2 Metal parts	S: 3347 (Part II/Sec 2) -1967 Dimensions for porcelain transformer bushing: Part II 3.6 kV bushings, Section 2 Motal parts	

(1)	(2)	(3)	(4)
S	ite for chemical industry	IS: 3607—1966 Specification for magnesite for chemical industries	
19. I	tone block for masonry	IS: 3620—1966 Specification for laterite stone block for masonry	_
20. I	first revision) S: 4491—1979 Specification for steel astings of high magnetic permeability first revision)	IS: 4491—1968 Specification for steel castings of high magnetic permeability	-
21. Is	S: 4651. (Part IV)—1979 Code of practice for planning and design of ports and arbours: Part IV General design consitations	IS: 4651 (Part IV)—1969 Code of practice for planning and design of ports and harbours: Part IV Sheet pile retaining walls	_
22. I	ope reel for inland vessels	IS: 4659—1968 Specification for wire reel for inland vessels	
23. 19	f paris bandage	IS: 4738—1968 Specification for plaster of paris bandage	
24. I	isposal of effluents of cane sugar moustry	IS: 4903—1968 Guide for treatment of effluents of canesugar industry	
25. E	apkins	IS: 5405—1969 Specification for sanitary towels	
26. IS	irst revision) 3: 5733—1979 Code for production of rafts of apples	IS: 5733—1969 Grafts of apples	_
27. IS	irst revision) 5: 7022 (Part II)—1979 Glossar, of arms relating to water, sewage and indusial effluents Part II	~	_
28. IS u	s: 7290—1979 Recommendations for see of polyethylene film for waterproofing froofs	IS:7290—1973 Recommendation for use of polyethylene film for waterproofing of roofs	~-
29. IS te	irst revision) 5:8252 (Part IV)—1980 Environmental sts for aircraft equipment: Part IV Ice irmation	_	
³ 0. IS ta	3: 8252 (Part XVI)—1979 Environmen- l tests for aircraft equipment: Part XVI		
31. IS fo Pa hir	3: 8886 (Part IV)—1980 Specification r ship's ordinary rectangular windows art IV Details of position of lugs for negs and swing bolts and securing holes the frame		
32. IS shi	: 8886 (Part V)—1980 Specification for ps' ordinary rectangular windows Part Details of frame, inward opening, side nged, heavy type bolted windows		·
sh VI	: 8886 (Part VI)—1980 Specification for ips' ordinary rectangular windows Part Details of frame, inward opening, side nged, light type bolted windows		~
for Pa sid	: 8886 (Part VII)—1980 Specification r ships' ordinary rectangular windows: rt VII Deta is of frame, inward opening, he hinged heavy and light type welded windows		

(1) (2)	(2)	
35. IS: 8886 (Part VIII)—1980 Specification	(3)	(4)
for ships' ordinary rectangular windows:	- Andrews	
Part VIII Details of frame, inward		
opening, top hinged, heavy type bolted		
windows		
36. IS: 8886 (Part IX)—1980 Specification	-	
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part IX Details of frame, inward opening, top hinged, light type bolted windows		
37. IS: 8886 (Part X)—1980 Specification		
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part X Details of frame, inward opening,		
top hinged, heavy and light type welded		
windows		
38. IS: 8886 (Part XI)—1980 Specification		******
for ships' ordinary rectangular windows: Part XI Details of frame, non-opening		
heavy type bolted windows		
39. IS: 8886 (Part XII)—1980 Specification		
for ships' ordinary rectangular windows:		~
Part XII Details of frame, non-opening,		
light type bolted windows		
40. IS: 8886 (Part XIII)—1980 Specification		******
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XIII Details of frame, non-opening		
heavy type welded windows		
41. IS: 8886 (Part XV)—1980 Specification for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XV Details of frame, outward		
opening, side hinged, heavy type bolted		
windows		
42. IS: 8886 (Part XVI)-1980 Specification	~	
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XVI Details of frame, outward		
opening, side hinged light type bolted windows		
43. IS: 8886 (Part XVIII)—1980 Specifica-		
tion for ships' ordinary rectangular		
windows: Part XVIII Details of glass		
holder, inward opening, side hinged,		
heavy and light type bolted and welded		
windows		
44. IS: 8886 (Part XIX)—1980 Specification		and the same of th
tor ships' ordinary rectangular windows: Part XIX Details of glass holder, outward		
opening, side hinged, heavy and light type		
bolted and welded windows		
45. IS: 8886 (Part XX)-1980 Specification	· · · · ·	
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XX Details of glass holder, top		
hinged, heavy and light type bolted and		
welded windows 46. IS: 8886 (Part XXII)—1980 Specification		
for ships' ordinary rectangular windows:		
Part XXII Details of swing bolts and		
wing nuts		
47. IS: 9136—1978 Specification for calcium		~~~
complex grease		
48. IS: 9214—1979 Method of determination		
of modulus of subgrade reaction (k-value)		

4	328 THE GAZETTE OF INDIA	: DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA 27, 1904	[PART II—SEC. 3(ii)]
_1	2	3	4
	of solls in field		
49.	IS: 9224 (Part II)—1979 Specification for low voltage fuses: Part II Supplementary requirements for fuses with high breaking capacity for industrial application	IS: 2208—1962 Specification for HRC cartridge fuse links upto 650 V	_
50,	IS: 9243 (Part II)-1979 Methods of test		
51	for wrist watches: Part II Shock-resistant. IS: 9259—1979 Specification for liquid limit apparatus for soils	T-Lore	-
52.	IS: 9328-1979 Glossary of terms relating to confectionery industry	-	_
53.	IS: 9350—1980 Specification for thermal insulating cement (type 950)	-	
54.	IS: 9365—1980 Specification for foritro- thion granules	→	-
55.	IS: 9381—1979 Methods for testing tar and bituminous materials: Determina- tion of fraass breaking point of bitumen	_	-
56,	IS: 9384—1979 Specification for consolidated data plate for freight containers	→	
57,	IS: 9386-1979 Methods for chemical analysis of rock phosphate		-
58.	IS: 9393—1979 Code of manufacturing worsted, semiworsted and woollen yarns and tolerances	 -	-
59.	IS: 9400—1980 Guide for the preparation of bibliographic description sheet for technical reports		_
	IS: 9405-1980 Method of test for conveyor belt fasteners	→	_
51.	IS: 9427-1980 Code of practice for operation and maintenance of delonizing columns		_
52.	IS: 9455—1980 Classification of muscovite mica blocks, thins and films based on		→
	electrical properties IS: 9456—1980 Code of practice for design and construction of conical and hyperbolic paraboloidal types of shell foundations		-

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhawan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg. New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jatour, Kanou, Madras, Patne and Trivandrum.

[No. CMD/13:2]

म६ विस्ली, 13 प्रमत्बर, 1982

का आ० —समय-समय पर संगोधित भारतीय मानक संस्था प्रमाणन जिल्ला विशिष्यम 1955 के विनियम 14 के उपयिनियम (4) के भनुसार भारतीय मानक संस्था शारा प्रशिन्चिन किया जाना है कि लाइमेंच मंख्या 1000712 जिसके ब्रोरे नीचे अनुमूची में दिए गए हैं, 31 जनवरी 1982 से रह कर दिया गया है —

				प्रनुसूची		
क्रम संट	साइसेंस संख्या ग्रौर सिचि	लाइसेंसधारी का नाम मौर पता		दह किए गए काइ सेंस वस्तु/प्रक्रिया	के मधीन	तत्संबंधी मास्तीय मानक
	₹4/ ₹4 ~ 1099712 981~09-30	मांशा रिश्निंग इडिया लिं∘, यूनिट, ठाणे-जेलापुर रोड, बस्बई (महाराष्ट्र) (कायक्लिय ः कापूराबुरू निकट	ঠাণী⊶⊸		ाराई IS∶़5 सार	2811980 फेनीबियान पायस नी य इ. की विभिद्धि (पहल्डापुनरीक्षण)
						TH THE A / 65: 1000712

New Delhi, 1982-10-13

S.O. 4187.—In pursuance of sub-regulation(4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. 1000712 particulars of which are given in the schedule below has been cancelled with effect from Thirty first January, One thousand Nine Hundred and Eighty two. SCHEDULE

Sl. Liceaco No. & Date No.	None & Address of the licensee	Article/Process Covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
1. CM/L-1000712 81-09-30	M/s. Rallis India Ltd., Belapur Unit, Thane-Telapur Road, Thane, Bombas (Maharashtra) (Office Koppuravuru, ne n Nambur R.S.)	Fenitrothion EC (Repacking)	IS: 5281—1980 Specification for Fenitrothion Emulsifiable Con- centrates (First Revision)
			[CMD/55 : 1000712]

नई विरुत्ति, ३ %-10-11

कार अहर 4188 --- नमय मनय पर समाधित भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के प्रभूसार भारकीय मानक संस्था शारा प्रिधिनू कि तिहा नाहा है कि नाइसेम गंख्या मी एम/एक--- 5796* जिसके व्योगे नीचे प्रभुसूची में दिये गए है लाइसेमधारी के प्रभूरोध पर 92-03-16 से रह कर दिया गया है:

श्रनुसूची

ऋन	लाइसेस भंडपा	लक्ष्यसमञ्जारी का नाम ग्रीप पता	रष्ट् किये गए लाइसेस के पर्धान वस्तु/प्रक्रिया	तत्सवर्धा भारतीय मानक
सं०	<u>जौर हिषि</u>			
ा.मी₁ ा	स्य/ए ल 5796 ^६	सर्वर्थी अन्यरफूडस 23/761 भम्ब रपेट	निम्न प्रकार के बिस्कुट. ग्लाकाम-प्रोरेंज IS	' 1011—1981 जिस्कुटो फी विशिष्टि
1	977-01-11	हैवर।बाद-500013 (भ्रांघ्न प्रवेश)	कीम, मेरी, मसाला, बाउंसर मान्टेड	(दूमरा पुनरीक्षण)

^{*}न**या लाइ**येंम संख्या सी एस/एल----0579685

[मी एम की/55.0579665] ए० मी० बनर्जी, ग्रंगर महामिदेशक

New Delbi, 82-10-14

S.O. 4138.—In pursuance of Sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notified that the Licence No. CM/L-5796* particulars of which are given below has been cancelled with effect from 82-03-16 at the request of the licenses.

SCHEDULE

SI. Licence No. and Date No.	Name & Address of the Licensee	Article/Proces; Covered by the Licensee Cancelled	Relevant Indian Standards
1 2	3	4	5
1. CM/L-5796" 1977-01-11	M/s Amber Foods, 2-3-761, Amberpet, Hydccab id-500013 (A.P.)	Biscuits of the following varieties I Glucose, Orange cream, Marie, Masala and Bouncer Salted	

^{*}New licence No. CM/L-0579665

[CMD/55 : 0579665]

A.P. BANERJI, Additional Director General

रवास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(इद्रास्थ्य विभाग)

नई विल्ली, 30 नयम्बर, 1982

कार आर 4189 -- यत. दंन चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का अधिनियम 16) की भारा 3 के खण्ड (घ) के अनुसरण में इत्यौर विग्रयनिधालय परिषद के सदस्यों ने टार वाईर एनर मक्सेना, लेक्जरार, दन चिकित्सा कालेज, इन्बीर को 29 मार्च, 1982 से घार एर के दाल के रखान पर भारतीय दन्त परिषद का सदस्य निवीचित्र किया है।

अतः भव उका अधिनियम की धारा 3 के धनुभरण में केन्द्रीय मरकार एतब्द्रीरा भारत सरकार के स्वास्थ्य भीर परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 9 फरवरी, 1978 की अधिसूचना स० का० अा० 533 में पुल. प्रकाशित भारत सरकार के पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 12 अप्रैल, 1949 की अधिसूचना संख्या 10-10/48-एम-1 में निम्नीलिखित और संशोधन करती है, प्रधात :-

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 के खण्ड (घ) के अधीन विकितित"

1042 GI/82- 3

शीर्षक के प्रन्तांत कम संख्या 12 श्रीर उससे मम्बन्धिन प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, प्रथात :--

 डा० दाई० एन सक्सेना, इन्दौर विक्विविद्यालय लेक्चरार, 29-3-82 देन चिकित्सः कालेज, इन्दौर

> [संख्या बी० 12013/4/82-पी एम एच] एस० पी० पाठक भवर सचिष

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 30th November, 1981

S. D. 4139. -Where is in pursulace of chase (a) of section 3 of the D ntists Act, 1948 (Act 16 of 1948) Dr. Y. N. Saxona, Letturer, Chilege of D ntistry, In fore, has been elected to be a member of the Dont il Chancil of India by the members of the Chancil of University of Indore in place of Dr. A.K. Dass with effect from 29-3-1982.

N w, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central G variance in the reby makes the following further amandments in the notification of the Government of India in the late Manistry of Health No. 10-10/48-MI, dated the 12th April, 1949, as republished by the notification of the Government of India in the Maintery of Halth and Family Welfare (Dourtmant of Halth) No. S.O. 533, dated the 9th February, 1978, namely:—

In the said notification, under the hading "Elected under clause (1) of section 3", for serial number 12 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, in m.ly:—12. Dr. Y.N. Saxan, Indore University 29-3-82".

Lecturer, College of Dentistry, Indore.

[No. V. 12013/4/82-PMS] S.P. Pathak, Under Secy.

आधेश

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1982

कां आ 4190. --- यतः भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कर्याण मंत्रालय का 16 जून, 1978 की ग्रिधिसूचना संख्या बी० 11016/- 34/77-एमप ट /एम०ई० (न.ति) द्वारा केन्द्र य सरकार ने यह निर्देश दिया है कि भारत य धार्युकिशन परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजन के लिए चिकित्सा धार्तुता "एम०बा० बा० एस० (यूनिवर्सिट धार्बन्दा धार्य न्यू साऊथ वेस्ज), धार्स्ट्रेलिया, एक मान्य चिकित्सा धार्तुता होगा;

श्रीर यतः डा० (श्रीमती) क्लारिक मैकमोहन जिनके पास उक्त श्रर्हता है, धर्मार्थकार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल दिल्लो राष्ट्रमण्डल महिला सब, मई दिल्लं के साथ सम्बद्ध है ;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम कं धारा 14 की उप-धारा (1) के परन्तुक के खण्ड (ग) का पालन करने हुए केन्द्राय सरकार एनद्द्रारा⊸--

- (1) 30 सितम्बर, 1983 तक की भविध या
- (2) उस श्रवधि को जब तक डा० (श्रीमति) क्लारिक मैकमोहन दिल्ला राष्ट्रमण्डल महिला संघ, नई दिल्ला के माथ मम्बद्ध रहतः है, जो भा कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मैडिकल प्रेक्टिस कर सकेंगी।

[संख्या वी० 11016/8/82-एम०ई० (नीति)] प्रकाश चन्द जैना, अवर सचिव

ORDER

New Delhi ,the 24th November, 1982

S.O. 4190.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No V. 11016/34/77-MP I/M.E. (Policy) dated the 16th June, 1978, the Central Government has directed that the medical qualification M.B.B.S. (University of New South Wales) Australia, shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. (Mrs.) Clatic Mac Mahon, who possesses the said qualification is for the time-being attached to the Delhi Commonwealth Women's Association, New Delhi for the purposes of charitable work.

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period upto 30th Septmber, 1983 or
- (ii) the period during which Dr. (Mrs.) Claric Mac Mahon attached to the said Delhi Commonwealth Women's Association, New Delhi whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/8/82-M F.(Policy)] P. C. JAIN, Under Secv.

नई दिल्ली, 2 विसम्बर, 1982

का० आ० 4191.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त मिक्तयों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य स्थान, कलकत्ता (समृह ग और घपद) भर्ती नियम, 1959 में आगे और संबोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, अर्थात् :——

- 1. (1) इन नियमों का नाम अखिल भारतीय स्वाम्थ्य विज्ञान एवं अन स्वाम्ब्य संस्थान, कलकत्ता (ममूह ग और घ पद) भूती (संशोधन) नियम; 1982 है।
- (2) ये सरकारी राजपन्न में प्रकाणित होने की तिथि को प्रवृत्त होंगे।
- श्रविषय भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान कलकत्ता (समूह र श्रीर घ पद) ५तीं नियम, 1959 में,
- (क) नियम (1) के उप-नियम (1) में शब्द और प्रक्षर "ग्रीत समृह घ" का लोप किया जाए,
- (स्त्र) अनुर्भूची में ममृह "घ" पदों से संबंधित कम संख्या ग्रीर उनसे संबंधिन प्रविष्टियों का लोप किया जाए ।

[सं॰ ए॰ 12018/4/81-जी॰] शिवदयाल, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 2nd December, 1982

- S.O. 4191.—In exercise of the power conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta (Group C and D posts) Recruitment Rules, 1959, namely:
- 1. (1) These rules may be called the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta (Group C and D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta (Group C and D posts) Recruitmen; Rules, 1959,
 - (a) in sub rul: (1) of rule 1, the word and letter "and group D" shall Le omitted;
 - (b) in the schedule, serial number 1 to 22 relating to group D posts and the entries relating thereto shall be omitted.

[No. A. 12018/4/81-G] SHIVDAYAL, Under Secy.

नई विल्ती, 2 दिसम्बर, 1982

का० आ.० 4192 — श्रीपिध श्रीण प्रसाधन सामग्री श्रीवित्यम, 1940 (1940 का 23) को धारा 21 की उप-ग्रारा (1) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्वारा श्री मलय मिलाको 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपए के नेतनमान में केन्द्रीय श्रीपध मानक नियंत्रण संगठन में सम्पूर्ण भारत के लिए श्रीपध-िरोक्षक [गजपितन समूह (ख)] के रूप में 15 श्रमतूबर, 1982 पूर्वाह्म से अस्थाई श्राधर पर िगुक्त करती है।

[मं० ए० 12025/1/81-डी० (डी एमं ्र एसं एल्ड पीं एफं० ए०] जीर पच्पकेणन, प्रचर राचि

New Delhi, the 2nd December, 1982

S.O. 4192.—In exercise of the powers conferred by subsection (i) of Section 21 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), the Central Government hereby appoints Shri Malay Mina as Drugs Inspector (Gazetted Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Central Drugs Standards Control Organisation for whole of India, on temporary basis with effect from the forenoon of 15th October, 1982.

[No. A. 12025/1/81-D.(DMS&PFA] G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(पेट्टो लयम विभाग)

नई दिल्ली, 24 नवरवर, 1982

का० आ०४193 --- यतः पेट्रोलियम ग्रीर खितज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के यश्चिणार का अर्जन) अितियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 को उपधारा (1) के अशीन भारत मरवार के पेट्रोलियम, रमायन ग्रीर अर्वरक मंद्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिम् सूचना का० आ० म 3256 तारीख 5-11-81 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस अित्मुजना से मंद्रान्स अनुमूर्धा में वितिद्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाएप लाईनों का बिळाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का श्राप्ता भागय पोपित कर दिया था।

ग्रीर यतः सक्षम अधिकारी ने उपन प्रतिनियम की धारा 6 कं। उपधारा (1) के प्रतीन सरकार को रिपोर्ट दें की है।

भीर भागे, यत. केन्द्रीय सरकार ने उक्त निपोर्ट पर विश्वार पूर्ण के पश्चाल् इस अधिसूबना से संपंपन अनुसूचों में विनिद्धित भूमिया में स्वीप का अधिसूबना के संपंपन अनुसूचों में विनिद्धित भूमिया में स्वीप का अधिकार भूमित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त अधिनियम का घारा 6 को उपधाना (1) हारा प्रदस्त मिक्त का प्रयोग करने हुए केन्द्रोध सरकार एतद्धारा घोषिन करने है कि इस अधिसूबना में संलग्न अनुसूची में बिनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्रारा अजित किया जाता है। श्रीर आने उस आरा को अधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिलतो का प्रयोग करते भ्रुए केन्द्राय सरकार निर्देश देता है कि उक्त भृमियों में उन्योग का श्रीक्षकार केन्द्राय सरकार में निहित होने के बंजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभा बाधाओं से मुक्त रूप में, श्रायण के प्रकाशन को इस तारोख को निहित होगा।

क्षम् स्वी

के० एल० एक० से जो० जो० एस V ! तक पाइप सःहन बिखाने के निए राज्या स्वरूपन जिला सेन्स्याचा साम्बर्ण करी

राज्यः गुजरात, जिलाः महसाना,			लाभुका :		44.45 1	
गांव	सर्वन०	हुस्टर	म	7	सट, यर	
चडासन	232		Ü	0.5	25	
	235		0	11	25	
	236		0	10	20	
	204		0	47	25	
	306		0	05	50	
	310		0	12	60	
	309		0	06	90	
	312		0	08	5 5	
	313		0	09	00	
	359/1		0	03	50	

[सं० 12016/39/81-प्राप्त०)]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 24th November, 1982

S.O. 4193.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Ferringer, (Department of Petroleum) S.O. 3256 dated 5-11-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipcines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipcine;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to his notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances

SCHEDULE

Pipeline From KLF to GGS VI

State: Guj not District: Mehsan		a Talukı: Kıdi		
Village	Survey No.	H;:- tare	Are	Cen-
[2	3	4	5
Chadasan	232	0	05	25
	235	0	11	25

01 * 20

236

t	2	3	4	5
	204	0	47	÷ 5
	306	0	03	50
	31 0	0	12	60
	30)	0	06	. 0
	312.	0	03	55
	313	0	0)	00
	359/1	0	03	50

[No. 120 6/30/31 Prod.]

का० आ० 4194.— यतः केन्द्रीय भरकार को यह प्रतित हामा है कि लोकहित में यह प्रायश्यक है कि नुजरात राज्य में एस० उज्जू० एस० स्रो० ने० एस० टा० एकं० तक दिश्लियम के परिवहत के लिये पार्टपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस सायोग द्वारा बिछाई जानी साहिए।

भीर यनः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के किए १तद्शाबद अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजिल करना शावश्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम भीर खिनिज पाश्च्यकाइन (भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 को (1962 का 50) को बारा 3 की उपश्रीर (ii) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार ने उसमें उपयोग का अधिकार श्रीजत करने का अपना श्रामय एत्युद्वारा घोषित किया है !

बणतें कि उक्त मूमि में हितबढ फांई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए घाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, निर्माण भीर देखभास प्रमाग, मकरपुरा रोड बडावरा-9 को इस प्रधिसूचना को तारीखंसे 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

स्रोर ऐसा भाक्षेप करने याला हर व्यक्ति शिनिर्विष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसको मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची क्षूप न ० एस ० डब्लू० एस ० जांसे एमू० टो० एफ ० तक पाइप लाइन विकास के लिए।

राज्य : गुजरात		अिलाः भक्रच	. सार	नुका हासोट	
गवि		सं ने	हेक्ट्रेयर	एशारई र	_ टिलिंग
राहित	5.5		0	03	5 s
	26		0	14	30
	558		0	0.2	86
	19		0	07	8.0
	18		0	04	29
	16		0	1 3	25
		 [स	Q 120	16/52/82	সাত৹]

S.O. 4194.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SWMG to MTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whether it appears that for the purpose of laying such pipeline, it has eccessary to acquire the right of user in the land described in the schedul annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to

the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such nn objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCH∃DULC

Pipeline from WellNo. SWMG to WellNo. MTF
State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Hausot

Village	Survey N >.	H.o. tiro	Are	Cen- tiare
Rohid	55	0	08	 58
	26	0	14	30
	553	0	01	86
	19	0	07	80
	18	0	04	29
	16	0	16	25

[No. Q-12016/52/82-Pred.]

का० आ० 1195:--पन. केन्द्रीय रारकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरान राज्य में एस०, डी० एज० में एस० डी० एन नज पेट्रें।लिनम के पश्चित्रन के लिये पाध्यलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैरा श्रायोग द्वारा बिछाई जाने चालिए।

श्रीर यक्षः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनी का बिछाने के प्रयाजन के लिए एतक्षाबद्ध अनुसूची में विणित भूमि के उपयोग का अधिकार श्रीजित करना आवश्यक है :

श्रतः श्रथं पेट्रांसियम श्रौर खिनिश माइपलाइन (मूमि मे उपयाग के प्रधिकार का श्रजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 का उपधारा (ii) द्वारा प्रकृत शक्तियों का प्रधार करने हुए केन्द्रीय सरकार ने जनमं उपयोग का श्रिधिकार श्राजित करने का श्रपना श्राध्य एतब्द्वारा बांवित किया है।

बार्स कि उक्त भूमि में हितगढ़ कोई व्यक्ति, उन भूमि के नीने पाईप लाइन जिछाने के लिए याको सनम प्राधिकाणी, नेल न्या प्राकृतिक भैस आयोग, विक्रीण और देखभाल प्रभाग, मलण्युमा रोड, दडोदरा-9 को इस प्रधिसुनना को नारीख ने 31 दिना के भागर कर नहेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वासा हुए उपक्ति विनिर्दिष्टराः यह भी कमन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनआई व्यक्तिगत होता या किसी विधि व्यवसायी की मार्कत।

के लिए।

अगुजूर्यः कृप न० एस० डा० एल० ने एस० डी० एस० नक्ष पाइन साइन विद्यान

गुज्य : नुजगत **अिलाः** भक्ष माल्**काः प्रश्नेश्यर** हेक्टें ४र শাৰ बनाक न ० मटायर एआरहे पार*दी-धन्ध* स 311 0 10 40 0 310 0.936 .309 0 54 303 10 -10 304/ए 65 306 70 397 16 143 0.0 1.11 0 8.0 85

[40 Q-12016/36/82 xio]

S.O. 4195.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SDL to SDN in Gujarat State pipenne should be laid by the Oil & Natural Gas Commission:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Potroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority; Oil & Naturtl Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practioner.

SCHEDULE
Pipeline from Well No. SDL to SDN

Stato: Gujarat	Di trict : Bro ch	Taluka :	Ankle	hwar
Village	Block No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Pardi Idris	3]1	0	10	40
	310	0	09	36
	300	0	07	54
	308	0	10	40
	304/A	0	13	65
	306	0	24	70
	297	0	04	16
	143	0	39	00
	141	0	83	80

[No. 0-12016/52/82-Prod.]

नई बिरुषां, 26 नवस्वर, 1992

का० आ० अ196—न्वन् भारत सरकार का अविश्वना के द्वारा जैसा कि वन्नं संनन्त प्रमुश्नी में निर्दिष्ट किया गया है भीर पेट्रोलियम भीर खितित पाइपलाइन (भूमि में उपनाम के अधिकार का अजैन) अधिनियम, 1972 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया नमा है गुजरा भाज्य के अक्षेत्रसर तेल क्षेत्र में उन्न विनिद्धिट भूमि में वस्थन स्पर्ण एक एक इंग्लें बांच में मोटदान तक पेट्रोलिया परिवहन के लिए भूमि उपनोम के अधिकार अभिन किये नमें है।

तेल एव प्राकृतिक गैस धामोग द्वारा उपयुक्त नियम के खण्ड-7 के उपवाण (1) की बारा (1) में वितिद्विट कार्य दिनाक 25-9-81 से समाप्य कर दिया गया है ;

क्रतः प्रब पेशाक्षिया भाइशंकाक्ष्म (भूमि मे उपयोग के घ्रधिकार का प्रार्थन) नियम, 1963 के नियम-4 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एनव्हारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त गाँ। निथि णश्चिम् क्षित करते है।

श्रन्य ची

संत्रारूपका साम गांव	क्तं ∰ श्रा० म०	भारत के राजात में त्रकाशन की तिथि	कार्य संप्रतिपत्त की नि धि
ऊर्जा भन्नालय नेल्वा (पेट्रोलियम विभाग)	356	31-1-81	25-9-81

New Delhi, the 26th, November, 1982

S.O. 4196.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerls Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user it is been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s SDB to Motwan in Ankleshwar oil field in Gajarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of subsection (1) of section 7 of the said Act on 25-9-81.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquistion of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from D. S. SDB to Motwan

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Grzette of India	Date of termina- tion of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Telwa	356	31-1-81	25-9-81

[No. 12016/39/82-Prod- II]

काव आ० 4197.--- प्रता पेट्रालियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयाग के प्रधिकार का प्रजेन) अधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा उकी उपयाग (1) के प्रधीन भारत गरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक महालय (पेट्रोलियम विमाग) की प्रधिनुचना का॰ धा॰ सव 1606 नारीज 8.3-82 द्वारा केन्द्रीप नरकार ने उस प्रधिमुचना से संतरन प्रमृत्वी में विनिधिट्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार की पाइप लाइप लाइने की विश्वान के प्रयोजन के लिए धाजिन करने का प्रपना प्राथम प्राथम कर दिया था;

श्रीर यन. सक्षम प्राधिकारी नं उन्तं प्रधिनियम का धारा 6 को उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है ;

श्रीर श्रामे, मतः केन्द्रीय सरकार ने उक्न रिपोर्ट पर विवार करने के पञ्च,त् इस श्रश्चित्त्वना से संतरण प्रकृत्वी में निर्तिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रविकार श्रामित करने का निनिश्चय किया है।

भव श्रतः उक्त श्राधित्यम का धारा ६ का उपचारा (1) द्वारा प्रवक्त माक्ति का प्रयोग वस्ते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्दारा योपित करती है कि इस श्राधिसुत्रना में संख्यान श्रामुखी में श्रिनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्राधिकार पाइपलाइन मिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्राजित किया जाता है ।

भीर श्राने उस धारा को उपधारा (4) हार्य प्रश्त पाकिनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि उकत मियों में उपयोग को प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में बिहित होने के बजाये तेल ग्रांर प्राकृतिक गैस धार्याग में, सभा बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख की निष्टिल होता।

प्रनुस्को

जि॰ ए॰ ए॰ सेजा लोरा जो॰ एस॰ I तक पाइप लाइन विछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : भेहसाना	सासुक	:कर्ष	Ì	
गांव		हेक्टेयर	— गु०	भार∘	र्हसटीयर.
<u>ब</u> ारीसनः	519		0	22	00
	514/1		0	21	23
	5 1 5/1		0	16	65
	543		0	11	10
	545		0	01	88

[स॰ 12016/66/81] एस॰ एभ॰ गायल, निदेशक

S.O. 4197.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 1666 dated 8-3-82 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying of pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

.And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vesus on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from JAA to Jhelora GGS I

State : Gujirat	: Gujurat District : Mchsana		uka :	Kadi
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiarc
Borisana	519	0	22	00
	514/1	0	21	23
	515/1	0	16	65
	543	0	11	10
	545	0	01	88

[No. 12016/66/81-Prod.] L.M. GOYAL, Director

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1982

का. आ. 4198 — :कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14(2) के उधीन जारी की गई विध्यमुचनाए जो भारत के राजपत्र में 19 मई, 1979 को तारीख 1 मई, 1979 के का. आ. 1601 से का. आ. 1687 तक के बारा श्री चन्द्र शंखर सिंह, अपर जिला और सेशन न्यायग्नय राची के पक्ष में प्रकाशित की गई थी, जब श्री धर्मपाल सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची के पक्ष में जारी की गई समभी जाए।

[सं. 13/4/82-सी. एत.] पी. सरकार, निदेशक

(Department of Coal)

New Delhi, the 25th November, 1982

S.O. 4198.—The notifications issued under section 14(2) of the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957 vide S. O. 1601 to S.O. 1687 dated Ist May, 1979, published in the Gazette of India on 19th May, 1979 in favour of Sri Chandra Shekar Singh, Additional District and Session Judge, Ranchi may now be treated to have been issued in favour of Sri Dharampal Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi.

[No. 13/4/82-CL] P. SARKAR, Director

(पैदोलियम विमाग)

नई विल्ती, 30 नथम्बर 1982

का० आ० 4199.— नेन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (प्रशिक्षत प्रधिभोगियों की बेदखर्ला) प्रधिनियम, 1971 (1971 का 40) का धारा 3 द्वारा प्रवत्त प्रिक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में उस्लिखित प्रधिकारी का जो कानूनी प्रधिकारी का प्रधिकारी होते हुए पंक्ति में सरकार के राजपिता प्रधिकारी के समतुन्य है, उनत प्रधिनियम के प्रयोगनां के लिए सम्पदा प्रधिकारी नियुक्त करनी है, जी उनत मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्विष्ट स्थानों के सम्बन्ध में उनत प्रधिनियम हारा या उसके प्रधीन सम्पदा प्रधिकारी की प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग प्रीर उस पर प्रधिरोपित कर्तव्यों का पासन करेगा।

सारणी

	1.6
ग्रधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानो के प्रवर्ग के श्रीर श्रधिकारिता की स्थानी सीमाए
(1)	(2)
जप-महाप्रबंधक ((कार्मिक), बामर लारी एण्ड कंपनी लिभिटेड 21-नेताजी सुभाष रोड, कलकल्ना→700001.	कलकत्ना ग्रहर, पश्चिमी खंगाल कं नगरपालिक सीमाधो के भीतर बामर लारी एण्ड कंपनी लिमिटेड से संबंधित प्रथना उसके द्वारा या उसको घार से पट्टे पर लिए गए या प्रविप्रहोंत किए गए स्थान (जिनके प्रंतर्गन वे स्थान नहीं है जा घन्य सम्पदा अधिकारियों के प्रशासनिक नियंत्रण के मधीन है)।

[फा॰ सं॰ पी कै-44020/33/82-विणपत] कुलबीप सिंह, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Petroleum) New Delhi, the 30th November, 1982

S.O. 4199.— In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act. 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being officer of a statutory authority, equivalent in rank to a gazetted officer of Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act, in respect of the premises specified in column (2) of the said table:—

TABLE

Designation of the officer	Categories of Public Premises and local limits of jurisdic- tion
(1)	(2)
(Personnel), Balmer Lawri and Company Limited, 21	or Premises belonging to, or taken e on lease or requisitioned by l- or on behalf of Balmer a- Lawrie and Company Limit- ed, within the municipal

21- or on behalf of Balmer utta- Lawrie and Company Limited, within the municipal limits of the City of Calcutta, West Bengal, (except such of them as are under the administrative control of the other Estate Officers).

[F. No.P-44020/33/82-MKT] KULDIP SINGH, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

सुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1982

का० आ० 4200. — इस विभाग के प्रावेश संख्या 52/21/68 (ई० जेड) / एफ० सी० III/वाल्यूम-4 विनांक 7-8-74 में निम्निशिखन शुद्धिकी जाएं:-

ग्रादेश में क्रम संख्या	'ही जाने वाली शुक्तियां
132	फालम 2 में ''श्री हीरामय नत्द'' के स्थान पर ''श्री हिरण्मय नत्दी'' पहें।

[संख्या 52/2/82/एफ० सी०-III] ग्रार० के० सिंह, उप मॉबव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)
CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th November, 1982

S.O. 4200.—In this Department's Order No. 52/21/68 (EZ)/FCIII/Vol. IV dated 7-8-74, the following correction shall be corried out:

S. No. in the Octor Correction to be carried out

132 For the words "Shri Hiramoy N .nd" in Col. 2, read "Shri Hiranmoy Nandy."

[No. 52/2/82/FCIII] R.K. SINGH, Dy. Secy.

नौतहन और परिवहन संत्रालय

(परिवहत पका)

नई विल्ली, 30 नवम्बर, 1982

कार अर्था व 4201. -- केन्द्रीय सरकार, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियम) मिश्रितियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5क की उप धारा (3) ग्रीर (4) द्वारा प्रवस्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यानायान प्रवंधक मुरगांव पोर्ट दूस्ट मुरगांव को उन्त बोर्ड में सदस्य नियुक्त करती है श्रीर पृत: निवेश देती है कि नौवहन भीर परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) में भारत सरकार की श्रीस्त्रुवना सं० का० श्राष्ट 2969, दिनांक 10 श्राम्त 1982, जिमका प्रशासन भारत के राजपत के भाग में खण्ड 3 (ii) में दिनांक 21 श्रामन 1982 को हुमा था, उसमें निम्नलिवित संगोधन किया जाएगा, श्रथांत् :-

जक्त प्रधिसूचना में "केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले मदस्य" शीर्षक के मद सं० 4 में "यातायात प्रबंधक मुग्गांव पोर्ट ट्रस्ट, नुरगांव "रहेगा ।

[फाईल सं० एल की जी/6/82-यू एम (एल)] यामस मेम्पू, ध्रयर सचिव,

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (Transport Wing)

New Delhi, the 30th November, 1982

S.O. 4201.—In exercise of the powers conferred by subsections (3) and (4) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby appoints the Traffic Manager, Mormugao, Port Trust, Mormugao, as a member of the said Board and further directs that the following amendment shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2969 dated the 10th August, 1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii) dated the 21st August, 1982, namely:—

In the said notification, under the heading "Members representing the Central Government", for the entry agrigation No. (4), the entry "Trassic Manager, Mormugao Port Trust, Mormugao" shall be substituted.

[Fife No. LDG[6[82-US(L)] THOMAS MATHEW, Under Seey.

निर्माण और आवास मंत्रालय (संपदा निवेशालय)

नई दिल्ली, 22 नवस्बर, 1982

का. आ. 4202.—राष्ट्रपति, मूल नियम के नियम 45 के अनुसरण में, सरकारी निवास-स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:--

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी निवास-स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) द्वितीय संशोधन नियम, 1982 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्ष होंगे।

2. सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साथारण पूल) नियम, 1963 में अनुपूरक नियम, 317 ख-2 में परचात् शीर्षक और अनुपूरक नियम 317 ख-3 के स्थान पर सिम्नलिस्ति रखा जाएसा :---

> जिन अभिकारियां के अपन मकान है उन्हें आवटन अनुपरक नियम, 317 छ-3

(1) इस नियम में :--

- (क) ''लगी हुई नगर पालिका'' से कोई ऐसी नगर पालिका अभिप्रेत है जो किसी स्थानीय नगर पालिका से लगी हुई है।
- (ख) किसी अधिकारी या उमके क्टुम्ब के किसी रास्य के सम्बन्ध में ''मकान'' में ऐसा भवन या उरका कोई भाग अभिन्नेत हैं, जिसका उपयोग दिवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, और जो किसी स्थानीय नगर पालिका या किसी लगी हुई गगर-पालिका की अधिकारिता के भीतर स्थित है।

स्पष्टीकरण '—िकसी भवन का कोई भाग जिसका प्रयोग निवास के प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, इस बाद के होने हुए भी कि उसका कोई भाग अनिवासीय प्रयोजनों के लिए उप-योग में लाया जा रहा है, इस खण्ड के प्रयोजनों के दिए प्रकान ममभा जाएगा;

- (ग) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में ''म्थानीय नर्र-पालिका' से बहु नगर पालिका अभिप्रत है जिसकी अधिकारिता के भीतर उसका कार्यालय अवस्थित है;
- (ध) किसी अधिकारी के सम्बन्ध में ''क्टुम्ब के सदस्य'' से यथास्थिति पति-पत्नी या अधिकारी की उस पर आश्वित सन्तान अभिप्रते हैं ;
- (ड) ''नगर पालिका' के अन्तर्गत नगर नियम, नगर-पालिका समिति था बोड ; टाउन एरिया समिति नोटीफाइड एरिया समिति और छावनी बोड हैं।
- (2) ऐसा अधिकारी जो अपने नाम से या अपने कट्टम्ब के किसी सदस्य के नाम से अपने कार्य रथल में या लगी हुई नगर पालिका में किसी मकाद का स्वामी है, उसकी आवंटित सरकारी वास सुविधा के लिए उस दर पर जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए अनुभूषित शुल्क का मंदाय करने पर सरकारी निवास के आवंटन का पात्र होगा ।
- (3) जहां किसी अधिकारी को मरकारी निवास स्थान का आबंटन हो चुकने के पश्चात् वह स्वयं या उसके कटुम्म का कोई सदस्य उसके कार्य स्थल में या लगी हुई नगर पालिका में मकान का स्थामी बन जाता है वहां ऐसा अधिकारी, मकान को आड़े पर देने या अधिभोग में लेने या उसके पूरा होने की तारीय से, जो भी पूर्वतर हो, एक मास की अविध के भीतर, यम्पदा निदेशक को अधिसचित करेगा।"

[फा. सं. 12033 (6)/75-नी. 2]

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 22nd November, 1982

- S.O. 4202.—In pursuance of rule 45 of the Fundamental Rules the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (Geneal Pool in Delb!) Second Amendment Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, after Supplementary Rule 317-B-2, for the heading and Supplementary Rule 317-B-3, the following shall be substituted namely:—

"Allotment to house owning officers" Supplementary Rule 317-B-3:

- (1) In this rule :-
 - (a) "adjoining municiality" means any municipality Contiguous to a local municipality;
 - (b) 'house" in relation to an officer or member of his family means a building or part there of used for residential purposes and situated within the jurisdiction of a local municipality or of any adjoining municipality.
 - Explanation:—A building, part of which is used for residential purposes, shall be deemed to be a house for the purposes of this clause notwithstanding that any part of it is used for non-residential purpose;
- (c) "local municipality" in relation to an officer means the municipality within whose jurisdiction his office is located;
 - (d) "member of family" in relation to an officer means the wife or housband, as the case may be, or a dependent child of the officer;
 - (e) "municipality" includes municipal corporation a municipal committee or board, a town area committee, a notified area committee, and a cantonment board.
- (2) An officer owning a house either in his own name or in the name of any member of his family at the place of his duty or in an adjoaning municipality shall be eligible for allotment of Government residence on payment of licence fee for the Government accommodation allotted to him at such rate as may be determined from time to time by the Government.
- (3) When after a Government residence has been allotted to an officer, he or any member of his tamily becomes owner of a house at the place of his duty of in an adjoining municipality, such officer shall notify the fact to the Director of Estates within a period of one month from the date the house is let out or occupied, or the date of completion, whichever is earlier."

[File No. 12033(6)[75-Pol. II (Vol. II]

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1982

कां आ 4203 किन्द्रीय संस्थार संस्थार स्थान (प्रणाधिका प्रथिषो-गियों की वेदलनी) प्रधितियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त गिक्तयों भा प्रयोग करते हुए नीचे सारणी के स्तंभ (1) में बणित प्रधिकारी को, जो सरकार का राजपित कि किन्ति है उकत गिधितियम के प्रयोजनों के लिए सपदा प्रधिकारी के रूप में नियुक्त करती है और उक्त प्रधिकारी उपात सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्देष्ट सरकारी स्थानों की बाबत प्रपनी प्रधिकारिता की स्थानीय सीमाधों के भीतर उक्त प्रोमितियन ताम या उनके प्रश्लीन संपद्म श्रीभकारों का प्रवत्त शिक्तवों का प्रयोग और प्रधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा ।

मा ए जी

a	1.7.41
मधिकारी का पदामिनान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग ग्रौर भांध- गारिता की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
कार्यपालक इजितियर गंगटोक सेन्ल डिबिजन गगटोक	गंगटोक की सीमाओं के भीतर केन्द्रीय सरकार के या उसके द्वारा श्रीर उनकी श्रीर से पट्टें पर लिए गए स्थान ।
¥	[एफ सं॰ 21012/2/82-नि॰[V]।र॰ एम॰ सूद, उपनिदेशक संपदा

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 24th November, 1982

S 0.4203. —In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Primises (Eviction of Unauthorise 1' Occupants). Act 971 (40 of 1974), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the table below, being a gazetted officer of Government to be Estate Officer for the purposes of the said Act and the said officer, shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said act with in the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
Executive Engineer, Gangtok Central Division Gangtok.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Central Government within the limits of Gangtok.
	[F. No. 21012/2/82-Pol IV] R.S. SOOD, Dy. Director of

संवार संशालय

(बाक सार बोर्ड)

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1982

कार थार 4204.— स्थायी भादेश सबमा 627, दिनात 8 भार्च, 1960 द्वारा साथू किए गए भारतीय तार निधम, 1951 के तिशम 434 के खड़ HV केपैरा (क) के अनुसार डाक सार महानिवेशक ने म्यामा टेलीफीन केन्द्र में दिनांक 16-12-72 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निकाय किया है।

[संख्या 5-10/82- पीठ एच० बीठ]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS (P & T Board)

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4204.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 5th March, 1560, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-12-1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Manimala Telephone Exchange, Kerala Circle.

[No. 5-10/82-PHB]

Estates

का॰ आ॰ 4205.—स्यामी धावेश संख्या 627, विनांक 6-12-82 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1.31 के नियम 434 के खंड III के पैरा (भ) के धनुसार कार तार प्रहानिदेशक ने यरागटेला टेलीफोन केन्द्र में विनांक 16-12-82 में प्रभाणित वर प्रणासी लागू करने का निस्वयं किया है।

[संख्या 5-6/81-पी एच० बी०]

S.O. 4205.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-12-1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Yerraguntla Telephone Exchange, A.P. Circle.

[No. 5-6/81-PHB]

का० आ० 4206.—स्यायी आवेश संख्या था 627, विनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुमार डाक्ष-तार सहा- विदेशक ने सुरुण्य टेलीकोन केन्द्र में विनांक 16-12-82 से प्रमाणित वर प्रणासी लागू करने का नियमय किया है।

[संख्या 5-4/82-पी० एच० बी०] आर० सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक

S.O. 4206.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-12-1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Smandai Telephone Exchange, Tamil Nadu Circle

[No. 5-4/82-PIIB] R. C. KATARIA, Asstt. Director General

श्रम तथा पुनर्वास संश्रालय

(पुनदक्षि विभाग)

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1982

का॰ आ॰ 4207.---िष्कान्त सम्पत्ति प्रणासन श्रवितियम, 1950 (1950 की 31) का धाग 6 की उपधाग (1) द्वारा प्रवस शिक्तयों का प्रयाग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, तमिलानाडु राज्य के राजस्य विभाग में संयुक्त सचिव (पुनर्वास) भीर उप सचिव (पुनर्वास), जैसा भी मामला हो, को धपने क ये-भार के धितिरक्त, तमिलनाड राज्य में निष्कारत सम्पत्तियों के संबंध में उक्त अधिनियम द्वारा या उसके भधीन, श्रिभरकाक की सींपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, श्रविरिक्त मिश्रकाक, निष्कान्त सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

 इससे दिनांक 24 दिसम्बर, 1977 की भिधिसूचना सं० 27-(2)/73-एस० एस० II का ग्रधिकमण किया जाता है।

[सं॰ I(19)/वि॰से॰/82-एस॰ एस॰ II(क)]

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 23rd November, 1982

S.O. 4207.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government appoints Joint Secretary (Rehabilitation and Deputy Secretary (Rehabilitation), as the case may be, in the Revenue Department, Government of Tamil Nadu as Additional Custodian of Evacuee Property, in addition to his own duties for the purpose of dischuging the duties imposed on the Custodian by gr under the said Act in respect of evacuee properties in the State of Tamil Nadu.

2. This supersedes Notification No. 27(2)|73-SS. II, dated the 24th December, 1977.

[No. 1(19)|Spl. Cell.|82-SS. II (a)]

नई दिल्ली, 22 नवस्बर, 1982

कां आ 4208.-विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वाम) प्रधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, गुजरात सरकाष्ट्र के राजस्व विभाग के उप सचिव (पुनर्वास) को, उक्त अधिनियम हारा प्रथवा उसके अधीन उप मुख्य बन्दोबक्त आयुक्त का सींपै गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, उनके अपने कार्य-मार के प्रतिरक्त, तत्काक प्रभाव से गुजरात राज्य में उप मुख्य बन्दोबक्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

2 इसके दिनांक 8-1-1982 अधीसूचना सं(1)(3) विकेष सैल/ 79-एस० एस० II (क) का अधिकमण किया जाता है।

New Delhi, the 22nd November, 1982

- \$.0. 4208.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary (Rehabilitation), Government of Gujarat, Revenue Department, as Deputy Chief Settlement Commissioner in the State of Gujarat for the purpose of performing, in addition to his own duties, the functions assigned to a Deputy Chief Settlement Commissioner by or under the said Act, with immediate effect.
- 2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl. Cell/79-SS. $\Pi(A)$ dated 8-1-1982.

[No. 1(21)/Spl. Cell/82-SS. II(A)]

कां बार 4209 — निष्कान्त सम्पत्ति प्रशासन प्रधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, इसके झारा, गुजरात सरकार, राजस्व विभाग के उपस्विव (पुनर्वास) को तत्काल प्रभाव से उक्त प्रधिनियम हाग प्रवात उसके ध्यान उप महानिरीक्षक 'को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, इप महानिरीक्षक के इप में नियुक्त करती है।

2. इससे दिनांक 8-1-1982 की अधिसूचना सं 1(3)/विशेष सैम/ १९-एस० एस० II(ड) का अधिमामण किया जाता है।

[सं• 1(21)/विमोध सेम/82-एस• एस• II(ङ)]

- \$.0. 4209.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary (Rehabilitation), Government of Gujarat, Revenue Department, as Deputy Custodian General for the purpose of discharging the duties imposed on such Deputy Custodian General by or under the said Act, with immediate effect.
- 2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl. Cell/79-SS. II.(E) dated the 8th January, 1982.

[No 1(21)/Spl. Cell/82-SS. II(E)]

का॰ छा॰ 4210 — निष्कान्त सम्पत्ति प्रशासन प्रधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा, गुजरात राज्य सरकार के राजस्व विभाग में अवर सचिव (पुनर्वास) को गुजरात राज्य के किए उक्त अधिनियम के द्वापा अथवा उसके अधीन अतिरिक्त महाभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, तन्काल, प्रभाव से मितिरिक्त महाभिरक्षक, निष्कान्त सम्पत्ति, के क्य में नियुक्त करती है।

2. इससे दिनांक 17 जुलाई, 1979 की प्रधिस्चना सं० 1(3) वि• मैं०/79-एस० एस० II का प्रधिकमण किया जाता है।

[सं॰ 1(21)/वि॰ सं॰ /82-एस॰ एस॰ II(छ)] महेन्द्र कुमार बसल, भनर सचिव

- S.O. 4210.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints for the State of Gujarat the Under Secretary (Rehabilitation) In the Revenue Department of the State Government of Gujarat as Additional Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Additional Custodian by or under the said Act with immediate effect.
- 2. This supersedes Notification No. 1(3)/Sp1 Cell/79-SS. II. dated the 17th July, 1979.

[No 1(21)/Spl. Cell/82-SS. II(G)] M. K KANSAL, Under Secy.

(Department of Labour)

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4211.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government industrial Tribanal Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th November, 1982.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 28 of 1981

PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta

AND

Their Workmen

PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Shri D. K. Mukheriee, Industrial Relations Officer.

On behalf of Workmen—Shri Satyen Das, Secretary of the Union.

STATE: West Bengal INDUSTRY: Coal Mines

AWARD

The following dispute was sent to this Tribunal for adjudication by the Government of India, Ministry of Labour vide Order No. L-32011/6/81-D.IV(A) dated 23rd June, 1981

- "Whether the management in relation to Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in allowing Sarvashri Bankim Sarkar, Anil Mukherjee, Anil Kumar Debnath Sudhir Mandal, Santi Ranjan Bapari and others employed as L.R. Fireman-II under the Engineer Superintendent in October 1977 to supersede Sarvashri Monoranjan Bera, Ranajit Bag, Jausen Seal, Anil Kumar Sarma, Purna Chandra Koley and others employed as L.R. Fireman-II in September, 1977. If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"
- 2. The dispute relates to a claim of inter se seniority between two groups of workmen of CPT—one group claiming seniority over the other in the Engineer Superintendent's

Section of the Marine Department. Forty-four leave reserve posts of Fireman II under the Engineer Superintendent in the Marine Department were filled by persons from two sources, (i) 14 by promotion from existing permanent Bhandaris and (ii) 30 by direct recruitment from the ex-CPT (briefly, the Board) lascais. These ex-CPT lascais were not workmen of the Board but their names were maintained in a list by the Director of the Marine department for the purpose of filling casual vacancies in the post of lascars. The ex-CPT lascais Monoranian Bera and 29 others joined the post of Frieman II (L/R) on 19-9-77. The permanent Bhandaries Bankim Chandra Sarkar and 13 others could not be released from their parent section due to the fear in the dis-location of work in several operational points and they could join only in October 1977 under the Engineer Superintendent in the Marine Department.

- 3. The Union argues that the semority of an employee is counted from the date of appointment in a particular rank or grade as per seniority Rules of the CPT (vide Ext. M. 12 dated 2nd June, 1958) but the management has made a departure from this rule. Reference is made to rule (i) of the Seniority Rules which provide "The Seniority of a man in a grade should be determined on the basis of total length of his service in that grade or in an equivalent grade". In my opinion, the argument of the Union is misconceived. A Selection Committee consisting of M. P. S. Sodni, Assistant Engineer Superintendent, P.R. Bhawmik, Junior Marine Engineer and S. K. Mukharjee Personnel Officer was admittedly constituted in the year 1977. They admittedly interviewed the candidates in September of that year, namely, the Bhandaries and the ex-CPT lascars. The Committee adjudge the marit of the candidates and it was in the order of merit that the position of the 44 selected candidates (14 Bhandaries and 30 ex-CPT lascers) were fixed. Their interese seniority, therefore, was determined in accordance with the place obtained by them in the interview irrespective of time taken by them in joining the post. The management has in their written statement, paragraph 8, mentioned the seniority position of the 44 selected candidates. There is no conflict between the seniority rules and the merit list prepared by the Selection Committee. The seniority rules do not provide for a situation when the recruitment is made from two sources, that is, by promotion from existing staff and by direct recruitment from outside. Even the Das Gupta Tribunal Award of 1958 in Reference No. 1 of 1956 does not provide for such a situation.
- 4. Mr. Mukherjee, appearing for the management, is right in contending that the semotity of the slected candidates in the instant case for the post of L/R Fireman II was determined on the basis of their performance in the selection interview and that the same is not open to challenge. The management has examined S. K. Asthana, Assistant Engineer Superintendent, to say that the Selection Committee considered the inter se semontly and formulated seniority. In my opinion, his evidence is reliable and it is supported by materials on record. The management has filed several documents showing the terms of settlement between the parties, issue of circulars and letters in connection with the appointment in the post of L/R Fireman II. I think that it is not necessary to discuss them because of the view expressed above. I am of definite opinion that the seniority in the present case is to be determined according to the merit list prepared by the Selection Committee.
- 5. Before I conclude this case I would like to mention that the seniority list prepared by the Engineer Superintendent in accordance with the meit list of the Selection Committee was placed on the Notice Board on 8th December, 1977 for information of all conceined, but no objection was received from any quarter. This also goes to indicate that the list became final not to be challenged later.
- 6. In the result, my award is that the management in relation to the Calcutta Port Trust. Calcutta are justified in employing Bankim Sarkar and 13 others (the Bhandaries) as L|R Foreman II under the Engineer Superintendent in October, 1977 and in allowing them to supersede Monoranjan Bera and 29 others ex-CPT lascars as L/R Fireman II. The concerned workmen, therefore, are not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,

M P. SINGH, Presiding Officer.

The 16th November, 1982

[No. L-32011/6/81/D-IV(A)]

S.O. 4212.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th November, 1982.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 8 of 1981

PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta,

AND

Their Workmen

PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh-Presiding Officer

APPEARANCES:

- On behalf of Employers.—Mr. D. K. Mukherjee, Industrial Relations Officer.
- On behalf of Workmen—Mr. R. N. Chandra, Assistant General Secretary with Mr. Paresh Bose, Assistant Secretary of the Union.

STATE: West Bengal. INDUSTRY: Port & Dock.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by their Order No. L-32012/13/80-D. IV(A) dated 17th February, 1981 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in ignoring the claim of Shri Shyam Charan Mitra, Tracer, for promotion to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. The reference must be answered in affirmative and 2. The reference must be answered in affirmative and so the concerned workman is not entitled to any relief. No employee has a right to be promoted. Promotion is a management's function. Mr. Shyam Charan Mitra could not claim to be promoted as a matter of right to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing. His whole case is that the management acted illegally in bringing D.P. Bhattscharv's from some other unit and to promote him. Bhattacharya from some other unit and to promote him to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing (unit) in the year 1979 ignoring his claim. The workman submitted that the post of Junior Draftsman in the River Training Wing fell vacant in 1979, that it was to be filled up the promotion of a conier and suitable machines. by promotion of a senior and suitable workman from the establishment of the River Training Wing and Mr. Mitra being the seniormost tracer in that wing was eligible for promotion to that post. The workmen say that Mr. Mitra applied for that post several times but his claim was wrongfully ignored by the management and that the management illegally brought another tracer D. P. Bhattacharya from a separate unit by transfer only to defeat the right of Mr. Mitra and promoted him to the post which is an imposition on the workmen of the River Training Wing and to blur their future and certain their rights to promotion to the higher post in their own heirarchy. Sri R. N. Chandra, Assistant General Secretary of the Union has vehomently contended that no employee of the CPT could be transferred from one department to another department in the same cadre and this is a rule existing for 112 years. Mr. Mukherjee for the management submits that there is no such rule.
- 3. In my opinion the contention of Sri R. N. Chandra is incorrect and misplaced. It is not a case of promotion of D. P. Bhattacharya in supersession of the claim of Mr.

Mitta, Mr. D. P. Bhattacharya was already a Junior Draftsman from before. He was initially appointed as a tracer in the Marine Department of CPT on 18th April, 1962. joined the Hydraulic Study Department as a tracer with effect from 8th April, 1965. On 5th August 1968 he joined the Project as a tracer and was placed under the Junior the Project as a tracer and was placed under the Junor Executive Engineer, Krishnanagar that is under the Deputy Chief Engineer of the River Wing. It may be mentioned here that in 1968 when Farakka Bartage Project was nearing completion, a River Improvement Project, namely, "The Hooghly and the Bhagirathi Improvement Project', hereinafter referred to as "the Project", was undertaken by the Board for improvement of the River Bhagirathi-Hooghly from the Ginga off take to the sed. The Chief Hydraulic Engineer. the Gonga off take to the sea. The Chief Hydraulic Engineer was made overall incharge of the Project apart from neer was made overall incharge of the Project apart from being the overall incharge of the Hydraulic Study Department. Two schemes were taken up under the Project—(i) Corrective Works and River Training Works in the river Ehager this-Hooghly and (ii) Corrective Works and River Training Works in the Estuary below Diamond Harbour. For execution of the work of the Project four temporary posts of Junior Draftsman and six temporary posts of tracers were created in same year 1968. Mr. D. P. Bhattacharya was promoted to the post of Junior Draftsman in the Project with effect from 1st September, 1975. I have already said that he was a tracer in that very Project from 5th August, 1968. He worked in Calcutta as a Junior Draftsman having 1968. He worked in Calcutta as a Junior Diaftsman having been promoted in Calcutta as a Junior Diarisman naving been promoted in 1975 under the Engineer on Spot Duty at the Project establishment a 20, Gurden Reach Road, Calcutta. Thus it is clear that Mr. Bhattacharya was working in the Project right from the year 1968 and while posted there was promoted to the post of Junior Draftsman in the Project in the year 1975. At that time he was, therefore, a staff of the Project and not of the Hydraulic Study, Department. It appears that the Depuy Chief Engineer, River Training i.e., one of the principal officers of the Project, proposed to fill up a post of Junior Draftsman in the Project, which was originally created under Board's Resolution No. 1140 dated 30th July, 1968 and for that purpose he sent a letter bearing No. RT|XII|E|2|2001 dated 22nd January, 1979. Since the total work load of the Project was not adequate for the existing four Junior Draftsman, it was felt that instead of filling up another post, it would be desirable to redistri-bute and reallocate the work of these personnel to achieve efficiency and economy. With this object in view Shri D. P. Bhartacharya, Junior Draftsman of the Project was propos-Bhattacharya, Junior Draftsman of the Project was proposed to be placed under the Deputy Chief Engineer, River Training with effect from 15th February, 1979 under an Office Order bearing No. HSD/64/11/321 dated 7th February, 1979. Ultimately, however, Sri Bhattacharyay could not be placed under the Deputy Chief Engineer, River Training. He remains in the same office, where he was sitting since 1st September, 1975. His duties included the work in connection with Civil and Structural Drawings forwarded by the Deputy Chief Engineer, River Training. The Union opposed the arrangement of redistribution of reallocation of the work of Draftsman of the Project which had been mentioned in the office order dated 7th February, 1979 on the impresin the office order dated 7th February, 1979 on the impression that D. P. Bhattacharyay was the staff of the Hydraulic Study department and not of the Project. This impression of the Union was wrong and certainly a misplaced one. In fact Mr. Bhattacharyay was working continuously in the Project since 5th August, 1968 against the post created by the management under Resolution dated 30th July, 1968. It is the right of the management, I think, to redistribute and reallocate the work and its staff under the Project for the purpose of achieving efficiency and economy. Mr. Bhattacharyay became Junior Draftsman in 1975. Mr. Mitra who has made a grievance in the present case joined the Project as a tracer with effect from 12th April, 1976 on his transfer from Haldia Dock Project. The post which he joined had from Haldia Dock Project. The post which he joined had also been created in the same resolution dated 30th July, 1968. So there is no question of ignoring his claim. Even if it be, he can have no grievance in the circumstances stated above. There is no malice, no malande, no victimisation on the part of the management in promoting Mr. Bhottacharyay to the post of Junior Draftsman, Mr. Mitra was even in existence as a tracer. In the Piver Training was even in existence as a tracer in the River Training Wing when Mr. Bhattacharyay was promoted as Junior Draftsman in the year 1975. Furthermore, it will appear from the written statement of the workman himself that the River Training Wing is not a separate department. In paragraph 1 of their written statement the workman stated that Hydrulic Study Department is one of the department of the

CPT and that the River Training Wing is a section of the Hydraulic Study department in which the disputant workman Shyam Charan Mitra is employed. It is thus clear that River Training Wing is not a department separate from Hydraulic Study department as has been argued by the workmen before this Tribunal. My concluded opinion is that the workman has no case.

4. For the reasons given above, my award is that the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in ignoring the claim of Sri Shyam Charan Mitra, Tracer for promotion to the post of Junior Draftsman in the River Training Wing. It follows that the concerned workman is not entitled to any relief.

Dated: Calcutta 11-11-82.

> M.P. SINGH, Presiding Officer [No. L-32012/13/80/D-IV (A)] T.B. SITARAMAN, Desk Officer

New Delhi, the 21st November, 1982

S.O. 4213.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nichitput Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad and their workmen.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

> Reference No. 44 of 1982 Dhanbad, the 3rd November, 1982

PARTIES:

Employers in relation to the management of Nichitpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sijua, Dist. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.) Presiding Officer. APPEARANCES:

For the Employers-Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen-None.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal.

The present reference arises out of Order No. L-20012(3)/82-D.III(A), dated, New Delhi, the 30th April/3rd May, 1982 passed by the Central Government in respect of an Industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows:

- 'Whether the demand of the workman of Nichitpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad for reinstatement of Shri Jagarnath Mahato, Timber Mazdoor is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"
- 2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement dated 15-9-1982 has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The meforandum of settlement shall form part of the award.

Reference No. 44 of 1982

3. Let a copy of the award be sent to the Ministry as required under Sec. 15 of the Industrial Disputes Act 1947.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, DHANBAD

Reference No. 44 of 1982

PARTIES:

Employers in relation to the management of Nichitpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen represented by RCMS.

The parties as mentioned above beg to submit as hereunder :---

That, the parties have agreed to settle the matter pending before the Tubunal in the matter of reference mentioned above on the following terms and conditions:-

- (A) That, Shri Jagarnath Mahato, the concerned workman, who was suffering from eye cataract, has been operated upon and his visibility has been restored.
- (B) That, it is agreed that the concerned workman will be taken back into employment in case he is found medically
- (C) That, the concerned workman shall be offered employment on a job suited to his physical fitness.
- (D) That, the concerned workman shall not be entitled to any wages or monetary relief by way of compensation of otherwise for the period of his idleness.
- (E) That, in case the concerned workman is still not found fir to work in a Colliery by the Medical Board, the son of Shri Jagarnath Mahato shall be offered employment as a special case to work as miner, subject to his medical fitness by the Board.
- (F) That, the terms of settlement mentioned hereinabove shall be implemented as early as possible but not later than 45 days from the date.
- (G) That, the settlement mentioned hereinabove shall not be cited as precedent since this has been agreed to as a special case on compassionate ground.
- (H) That, the terms of the settlement mentioned hereinabove are agreeable to both the parties and hence it is Prayed that an Award can be passed in terms of the settlement mentioned hereinabove.

That, for act of this kindness, the above parties shall ever pray.

(P. R. Sinha)

General Manager.

(D. B. Pandey) Personnel Manager.

Secretary R.C.M.S. L.T.I. of Sri Jagarnath Mahato. Workman concerned

Witnesses:

Mahadev Singh
 Shrikant Chobey.

L.T.I. of Srl Triloki Mahato.

Part of the Award

[No. L-20012/3/82-D.III(A)]

थम विभाग

अधिश

म**र्ध** दिल्ली, 23 मबस्थर, 1982

का० बा० 4214 -- फेन्टीय सरकार की राय है कि इससे उपावक प्रमुखी में विनिर्विष्ट विषय के बारे में राजस्थान स्टेट मिनरल बबेलपमेस्ट कार-पोरेशन लिमिटेड के प्रवस्थतंत्र से सम्बद्ध एक भौद्योगिक विवाद नियोजकों भीर उनके कर्मकाशों के बीच विद्यमान है:

भौर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायानिर्णयम के लिए निर्दे-शित करमा बोछनीय भमझती है ;

मतः केन्द्रीय सरकार घौद्योगिक विवाद घिष्टिनियम , 1947 (1947 का 14) की घारा 7क मीर धारा 10 की उप-घारा (1) के चाव्य (घ) द्वारा पदत्त सक्तियों का प्रधीन करते हुए, एक झौद्योगिक अधिकरण

गठित करती है जिसके पीठसीन मॉधकारी श्री जी० एस० होंगे, जिनका सकरात्रय अत्रुमदायाद मेहोगा और उक्त थियाद को उक्त श्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या अनुसम्बद्ध में दिए हुए 23 कर्मचारियों से तथाकथित सीमाधिक भगक्षान को बापस लेने के सम्बंध में श्री एन० एन० टंग्बा, चीफ आरफ पसंनल एण्ड एडमिनिस्ट्रशन राजस्थान स्टेट मिनग्ल इयलमेंट कारपीरेशन लिमिटेड जबपूर द्वान जारी जिला गया आदेश सक्याएम एम एकी/ य्तियन/जी एक पी जे/ 5/76/2140 दिलाक 2 मार्च, 1981 फानूनी का से न्यायोचित है ? यदि नहीं तो जन्मार कित प्रनृतीय के ब्रकदार है ?

- (1) श्री श्री० पी० उखा
- (2) श्री जाय जोसेफ
- (3) श्रीरशीद खान
- (4) श्री राधाकियान शर्मा
- (5) श्री मवन सिंह
- (६) श्रीबी० एस० कमल
- (7) श्री रान भिद्व
- (8), श्रीपैमाशम
- (9) ओ हुटा राम
- (10) श्री हमका राम
- (11) की होगियाचा
- (12) भी पन्ना राम
- (13) श्री बद्री नारायण
- (14) श्री मीटा राम
- (15) थी मन्त्रा राम
- (16) श्री खेमा राम
- (17) श्री पटः राम
- (18) श्रीनारायण/बाग्साओ
- (19) श्री नारायण रामाजी
- (20) स्त्री गणेश राम
- (21) श्री सतीण क्रमार हुवे
- (32) श्रीमागो राम
- (23) श्री पूना राम

[एल - 290 | 1/27/82-की 3 की]

(Department of Labour)

ORDER

New Delhi, the 23rd Nivember, 1982

S.O. 4214.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employees in relation to the Rajasthan State Mineral Development Corporation Limited and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the office order No. MMAD/Union/GFP1/ 5/76/2140 dated the 2nd March, 1981 issued by Shri N. N. Tankha Chief of personnel and Ad-ministration, Rajasthan State Mineral Development Corporation Limited Jaipur ordering to recover the

alleged excess payment made to 23 employees mentioned in annexure A is legal, proper and justified? If not, to what relief is the workmen entitled?"

ANNEXURE

S 1.	No.	Name of the employee
	1.	Shri O. P. Tank
	2.	Shri Joy Joseph
	3.	Shri Rashid Khan
	2. 3. 4. 5.	Shri Radhakishna Sharma
	5.	Shri Madan Singh
	6.	Shri B. S. Kamal
	7.	Shri Ran Singh
	8.	Shri Pema Ram
	9.	Shri Hoota Ram
		Shri Hukka Ram
	11.	Shri Hogia
		Shri Padma Ram
		Shri Badri Narauan
	14	
	15	
	16.	
	17.	Shri Pata Ram
	18.	
	19.	Shri Narayan/Ramaji
	20.	Shri Ganehsa Ram.
		Shri Satish Kumar Dave
		Shri Muga Ram
	23,	Shri Puna Ram.

[No. L-29011/27/81-D.III(B)]

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4215.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Limestone Quarry of Sone Valley Port Land Cement Company Limited and their workmen, which was received by this Ministry on 24th November, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 32 of 1977

PARTIES:

Employers in relation to the management of the Limestone Quarry of Sone Valley Port Land Cement Company Limited, Post Office Baulia, District Rohtas.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.), Presiding Officer. APPEARANCES:

For the Employers-Shri N. C. Ganguly, Advocate.

For the Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Sewa Sangh— Shri Sati Shankar Sharma, Vice-President.

STATE: Bihar. INDUSTRY: Limestone.

Dhanbad, the 18th November, 1982

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-29011/57/74-LRIV, dated, the 13th January, 1975, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order which runs as fillows:

"Whether the following demands of the workmen of the Limestone Quarry of the Sone Valley Portland Cement Company Limited, Post Office Baulia, District Rohtas are justified? If so, to what relief and from what date are the workmen entitled?

Demands

- (a) Workmen who have put in six months or more of continuous service be made permanent.
- (b) Re-designation and grading of the workmen according to the nature of work performed.
- (c) Payment of bonus under the Payment of Bonus Act, 1965 (21 of 1965) for the years 1968, 1969, 1970 and 1973".
- 2. The above dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement arrived at on 17th December, 1977 had been filed in this Court jointly signed by the General Manager and the Quarry Superintendent on behalf of the management and the General Secretary and Vice President on behalf of the sponsoring union, Baulia Quarries Mazdoor Sangh. This settlement was, however, initially objected to by the intervener union, the Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Sewa Sangh. But subsequently a petition data. 25th June, 1982 had been filed on behalf of the management alongwith a petition signed by the President of the intervener union, the Bauha Quatry Reshtriya Mazdoor Sewa Sangh which has also subsequently been signed by its Vice-President, to the effect that the dispute has been amicably settled by the intervener union also with the management on the same terms and conditions as contained in the afore-said settlement arrived at on 17th December, 1977 between the management and the sponsoring union, the Baulia Quarries Mazdoor Sangh, and that an award may be made in terms thereof. I have gone through the terms of settlement and 1 find them quite fair and reasonable and there is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement arrived at on 17th December, 1977 between the management and the Baulia Quarries Mazdoor Sangh as well as the petition dated 26th June, 1982 of the management alongwith the petition filed on behalf of the Baulia Quarries Rashtriya Mazdoor Sewa Sangh adopting and according to the afforciate the second services that the second services the second servi cepting the aforesaid settlement shall form part of the award.
- 3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act. 1947.

MANROJAN PRASAD, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference Case No. 32 of 1977

BETWEEN

The Management of Baulia Limestone Quarries of Merasra's Sone Valley Portland Cement Co. Ltd.,

AND

Their workmen

The humble petition on behalf of the Management.

Most respectfully sheweth:

1. That the above mentioned case is fixed for hearing on the 5th July, 1982.

That the dispute between management and Baulia quarries' Rashtriya Mazdoor Seva Sangh, have amicably settled their dispute outside the court as per agreement enclosed herewith.

It is therefore prayed that the case be fixed for hearing on 22nd, June, 1982 and order may kindly be passed in presence of the parties.

And for this the petitioner shall ever pray.

For and on behalf of the management

Sd/- Illegible
Designation
25-6-82.
Personal Manager.

Sd/-Advocate for 25-6-1982.

Part of the award.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOV-ERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference No. 32 of 1977

BETWEEN

The Management of Baulia Limestone Quarries of Messrs Sone Valley Portland Cement Co. Ltd.

AND

Their workmen.

The humble petition on behalf of the Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Seva Sangh represented by President Jaganarain Pathak.

Most respectfully sheweth:

- 1. That the instant reference was made at the instance of Baulia Quarry Mazdoor Sangh represented by Sri Yadubansh Singh, General Secretary.
- 2. That during the pendency of the said reference there was a settlement between the management of Sone Valley Portland Cement Co. Ltd., and Baulia Quarries Mazdoor Sangh on 17th December, 1977. The management has carried out the obligation under the said agreement and all the workmen have been benefited.
- 3. That the Baulia Quarries Rashtriya Mazdoor Seva Sangh was not a party to the reference but having come to learn that the matter has been settled, it filed an application for being impleaded as a party in a second to the second sec being impleaded as a party in order to examine the efficacy of the said settlement.
- 4. That this Hon'ble Tribunal was pleased to implead the said union as a party to the proceeding and it has been represented through its Vice President Shri Sati Shanker Sharma, and the question of acceptance of the settlement is pending for final decision as to whether an award should be made in accordance with the said terms.
- 5. That there have been some disputes with respect to contract labour in the establishment which have been satisfactorily settled between the management and the workmen represented by the Baulia Quarry Mazdoor Sangh as well as Baulia Quarry Rashtriya Mazdoor Seva Sangh.
- 6. That this has brought a complete industrial peace in the establishment in view of the good gesture of the management and the union wants to fully cooperate with the management to raise its production keeping in view its financial condition and its ability to shoulder additional burden.
- 7. That in view of cordial relationship and keeping in view the interest of the management as well as the workmen, the petitioner union accepts the agreement made with Baulia Quarry Mazdoor Sangh on 17th December, 1977 as acceptable to it as well. It does not want to raise objection to its being adopted as an award of the Court, there being no dispute between the parties.
- 8. That the petitioner, therefore, joined hands with the other union of the establishment, namely, Baulia Quarry Mazdoor Sangh, by petition dated 6th March, 1978 by which petition the agreement made was filed before this Hon'ble Tribunal.

It is therefore, prayed that your Lordship may be pleased to let an award be made in terms of the agreement dated 17th December, 1977 or your lordship may pass such other order or orders as to your Lordship may appear fit and proper.

And for this the petitioner shall ever pray. Sd/- Sati Shanker Sharma Up-Sabhapati, 18-11-82 Baulia Quarries Rashtriya Mazdoor Seva Sangh.

Mazdoor Seva Sanga.

Memorandum of settlement arrived at between the Management of Sone Valley Portland Cement Company Limited, Baulia Quarries, Baulia and their workmen represented by Baulia Quarries Mazdoor Sangh on Saturday, the 17th December, 1977 ant Japla Cement Factory.

Representing Employer

1. Shri P. C. Jain, General Manager. 2. Shri R. K. Agarwal.

Quarry Superintendent.

Representing Workmen

Shri Jadubans Singh,

General Secretary,

Baulia Quarries Mazdoor Sangh.

Shri Surai Singh,

Vice President,

Baulia Quarries Mazdoor Sangh.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas Baulia Quarries Mazdoor Sangh submitted a charter of demands vide their letter dated 1st October, 1974.

And whereas the Government of India, vide its order No. 1-29011/57/74/LRIV dated 17th April, 1975 referred the above demands of the Union for an adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 and the same is pending adjudication before the Presiding Officer. Central Government, Industrial Tribunal No. 1 at Dhanbad and the disputes has been numbered as Ref. No. 3 of 1975 (Old)/No. 32 of 1977 (New).

And whereas in the interest of maintaining peace, harmony and amity between the Management and the workmen repicsented by Baulia Quarries Mazdoor Sangh it is expedient to settle the dispute amicably by mutual negotiations out of Court on the terms and conditions as mentioned below:-

- (1) It has been agreed to give one ad-hoc increment to such employees only who have already reached the maximum of their grades w.e.f. 1st January,
- (2) The grades and fitment of the employees were duly reviewed and it has been agreed to revise the grades and fitment in the manner as per list attached which is marked as Annexure-I. This will be w.c.f. 1st January, 1978.
- (3) Though the Company is not in a position to bear the additional burden, but in the interest of long-term peace and better production, harmony and cooperation, it has been agreed to take 200 persons on permanent roll w.e.f. 1st January, 1978. The list of such persons is attached and marked as Annexure-II.
- (4) It has been agreed to pay minimum bonus of 4 per cent only for the years 1968, 1969, 1970 and 1973 in the manner as stated below:

The honus for the above years will be paid in a phased manner i.e. during every quarter of 1978, one year's minimum bonus will be paid in three instalments.

- (5) It has been further agreed to file this settlement before the Industrial Tribunal with a request to dispose off the Reference on the above disputes as per terms of this settlement and incorporate the same in the award.
- (6) This agreement will hold good subject to the Award. Representing Employer.

(1) Sd/- P. C. Jain,

Representing Workmen:

General Manager.

Sd/- Jadubansh Singh, 17-12-1977,

(2) Sd/- R. K. Agarwal

General Secretary,

Quarry Superintendent Baulia Quarries Mazdoor Sangh.

Sd/- Suraj Singh, Vice-President.

Baulia Quarries Mazdoor Sangh.

WITNESSES:

i 1

- (1) Khan Gul Khan
- (2) T. P. Sinha,

Part of the Award

ANNE SONE VALLEY PORTLAND CEMENT LTD., Statement showing Re-designation

PRESENT

	PRESENT							
E. No. Name	Designation	Grade		. Rate of Pay				
			Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	H.A.	Total
Staff Sri Gopal Ram	Mech. Foreman	VII	299.78	96.00	29.98		19 50	445.26
Staff Sri Anjani Kumar	Foreman	VI	353.78	96.00	35.38		18.20	503.36
Staff Sri B.D. Agrawal	Sr. Asstt, Acctt.	VI	434.33	96.00	43.43	_	18.20	591.96
Staff Sri R.N. Tiwary	Asstt. Acctt./PFC	v	328.05	96.00	32.81	_	18.20	475.06
Staff Sri P.N. Chakarbarty	Clerk/Asstt. Cashier		156.65	96.00	15.67		13.00	281.32
Staff Sri P.K. Jain .	Assistant	III	183.05	96.00	18.31		15.60	312.98
Staff Sri B.K. Chattaraj	Clerk	III	181.51	96.00	18.15		15.60	311.26
Staff Sri Baliram Mishra	,,	II	162.00	96.00	16.20	_	15.60	289.80
Staff Sri J.K. Bhattacharji	**	1	152.97	96.00	15.30	_	13.00	277.27
Staff Sri Ram Hari Ram	**	1	117.95	96.00	11.80	_	13.00	283.75
Staff Sri Khangul Khan	"	T.C.	114.31	96,00	11.43		13.00	234 74
Staff Sri Loknath Mishra	,,	T.C.	115.00	96.00	11.50	_	13.00	235.50
Staff Sri Rajkishre Singh	1)	T.C.	100.00	96.00	10.00	***	13.00	219.00
1691 Sri Banarsi Mishra	Munshi	C	92.56	87.50	9.26		13.00	202,32
1662 Sri Ram Sunder Kolh	11	Ċ	107.40	87.50	10.74	_	13.00	218,64
114 Sri Ram Bahadur Ram	Splicer		99.09	87.50	9.91		13.00	209.50
1713 Sri Sheo Kumar	Munshi	С	92.56	87.50	9.26	_	13,00	202.32
Staff Sri S.P. Sinha	Compounder/	1 V	292.05	96.00	29.21	_	15.60	432.86
	Storekeeper.		5.00 j	Rifle Allow				
W/W Sri Setu Lall	Havildar	C	106.89	87.50	10.69	_	13.00	232.08
arcenian chall) f=4=	-	-	Ration A. c				***
1766 Sri H.P. Shukla	Mate	C	92.56	87.50	9.26		13.00	202.32
214 Sri Ram Lakhan Mishra	**	A	162.25	8 7.50	16.23	-	15.60	281.58
381 Sri Damodar Tiwary	17	A	163.98	87.50	16.40		15.60	283.48
593 Sri Sobaram Singh	11	A	176.98	87.50	17.70	*****	15.60	297.78
667 Sri Shariff Shaikh	11	В	132.36	87.50	13.24		15.60	248.70
WATCH & WARD.								
Sri Ram Lagan Ram	Sentry	E	76.70 9.00	87.50	-	1.82	13.00	188.02
Sri Haribansh Singh	"	E	76.70 7 9.00 \$	87.5 0	_	_	13.00	188,02
ELECTRIC & WATER SUPPLY			ار ۱۹۵۰	47130			15.00	100,02
241 Sri Ram Pd. Chaudhary	Elec. Mech. Fitter/Wireman/ Armature winder	B	158.35	87.5 0	15.84	_	15.60	277.29
251 Sri Nasiruddin Sk.	Fitter	C	110.78	87.50	11.08	_	13.00	222,36
242 Sri Krishna Lohar	Fitter	C	118.49	87.50	11.85		13.00	230,84
1695 Sri Sheo Pd. Pandey	P. Attendant/ Khalasi	D	77.00	87.50	3.85		13.00	181.35
1697 Sri Inam Khan	P. Attd./B.D.F. Khalasi.	D	77.00	87.50	3.85	-	13.00	181.35
MAINT. & CIVIL								
181 Sri Azimuddin Khan	Turner/Welder	В	160.08	87.50	16.01		15.60	27 9.19
169 Sri Suresh Ch. Roy	Asstt. Welder	D	91.33	87.50	4.56		13,00	196.39
1698 Sri Ganesh Pathak	A. Welder/Lhalasi	D	77.00	87.50	3.85		13.00	181.35
1706 Sti Ab. Rasid HOSPITAL	Khalasi	E	71.28	87.50			13.00	171.78
339 Sri Ramchandra Mester	Helper Dresser/ Sweeper	E	76, 7 0	87.50		1.82	13.00	179.02
TRANSPORT								
257 Sri Keshwar Kahar	Fitter	В	156.00	87.50	15.60	-	15.60	274.70
258 Sri Ramkeshwar Nai	Fitter	В	156.00	87.50	15.60	 .	15.60	274.70
1702 Sri Md. Khalil	B.D.F./Khalasi	D	77,00	87.50	3.85		13.00	181.35
MISC. 1759 Sri Jitendra Pd. Sinha	Munshi	D	71.15	87.50	3.55		13.00	175.20

XURE.1 LIMESTONE QUARRY, BAULIA.

and Change of Grade.

1042 GI/82-5

REVISED

Designation Grade Basic D.A. A.D.A. P.A. R.A. Total Remord		REVISED								
Meeh. F. Freman			····		R	ate of Pay				
Foreman	Designation	Grade	Basic	D.A.	A.D A.	P.A.	M .A.	Total	Remarks	
Foreman	Mech. Foreman	Vft	315 00	96.00	31.50	_	19 50	462.00		
Sr. Asstt. Accett. VII 455,00 96,00 45,50 - 19,50 616,00 AA./I.P.E.C. V 343,00 96,00 15.00 - 18,20 - 18,20 491,50 Clerk/Astt. Cashier III 190,00 96,00 16.00 15.00 - 289,80 Stores Astt. IIII 190,00 96,00 19,00 - 15,60 320,60 Clerk IIII 190,00 96,00 19,00 - 15,60 320,60 Clerk IIII 190,00 96,00 15.50 - 15,60 294,20 III 190,00 96,00 11,90 - 15,60 242,50 III 190,00 96,00 11,90 - 15,60 242,50 III 119,00 96,00 11,90 - 15,60 242,50 VIII 119,00 96,00 11,90 - 13,00 221,20 Typist/Clerk I 190,00 96,00 11,70 - 13,00 221,20 Typist/Clerk I 190,00 96,00 11,20 - 13,00 221,20 Typist/Clerk I 190,00 96,00 10,20 - 13,00 221,20 Asstt. Foreman I 10,20 96,00 10,20 - 13,00 221,20 Compounder/Storekesper. V 313,00 96,00 31,30 - 18,20 453,50 W/Ward Supervisor I 5,00 W/Ward Supervisor I 5,00 II 200,00 96,00 11,20 - 13,00 221,70 Mate II 160,00 96,00 11,20 - 15,60 331,80 Mate II 160,00 96,00 11,20 - 15,60 331,80 Mate II 160,00 96,00 11,20 - 15,60 331,80 Mate II 160,00 96,00 11,70 - 15,60 297,50 Mate II 160,00 96,00 15,90 - 15,60 297,50 Mate II 183,00 96,00 15,90 - 15,60 291,33 Asstt. Havildar. D 77,00 87,50 17,03 - 15,60 281,85 Welder D 93,60 87,50 17,50 16,25 - 15,60 281,85 Welder D 93,60 87,50 16,90 - 15,60 281,85 Welder D 93,60 87,50 16,90 - 15,60 289,00 Filter B 160,00 87,50 16,90 - 15,60 289,00 Filter B 160,00 87,50 16,90 - 15,60 289,00										
A.A.J.P.C. V. 343,00 96.00 34.30 18,20 491.50 Check/Astt. Caskier II 160.00 96.00 19.00 289.80 Stores A.str. III 190.00 96.00 19.00 15.60 320.60 Cleck III 190.00 96.00 19.00 15.60 320.60 Cleck III 190.00 96.00 15.50 15.60 294.20 III 190.00 96.00 15.50 15.60 294.20 III 190.00 96.00 15.50 15.60 294.20 III 190.00 96.00 11.90 15.60 242.50 III 190.00 96.00 11.90 15.60 242.50 III 190.00 96.00 11.90 13.00 242.50 III 190.00 96.00 11.90 13.00 242.50 III 190.00 96.00 11.30 13.00 242.50 III 190.00 96.00 11.30 13.00 242.50 III 190.00 96.00 11.20 13.00 221.20 Typist/Clerk I 197.00 96.00 11.20 13.00 221.20 Typist/Clerk I 197.00 96.00 11.20 13.00 221.70 II 97.00 96.00 9.70 13.00 221.70 II 97.00 96.00 11.20 13.00 233-20 Sast. Foreman I 10.00 96.00 11.20 13.00 233-20 W/Ward Supervisor I 5.00 W/Ward Supervisor I 5.00 W/Ward Supervisor I 1.00 Foreman III 200.00 96.00 11.20 13.00 246.20 Poteman III 160.00 96.00 11.20 13.00 246.20 W/Ward II 160.00 96.00 11.50 15.60 297.50 Mate II 160.00 96.00 15.90 15.60 297.50 Mate II 160.00 96.00 18.30 15.60 297.50 Poten Fitter B 177.00 87.50 3.85 13.00 191.40 R.A. Co						•				
Clark Asstr. II										
Stores Assist.										
Clerk										
11										
II										
II										
1						_				
1 102,00 96,00 10,20 13,00 221,20										
Spist/Clerk										
Capeway Clerk										
Asstt. Foremun I 102.00 96.00 10.20 — 13.00 221.70 1 97.00 96.00 9.70 — 13.00 221.70 215.70 25mpounder/Storckoeper. V 313.00 96.00 31.30 — 18.20 458.50 458.50 212.00 96.00 31.30 — 18.20 458.50 212.00 96.00 31.30 — 18.20 458.50 212.00 96.00 11.20 — 13.00 246.20 9.00 — 15.60 331.60 468.20 9.00 — 15.60 331.60 468.20 9.00 — 15.60 331.60 468.20 9.00 96.00 16.90 — 15.60 297.50 468.20 96.00 16.90 — 15.60 297.50 468.20 96.00 16.90 — 15.60 297.50 468.20 96.00 13.70 — 15.60 312.90 468.20 96.00 13.70 — 15.60 312.90 468.20 96.00 13.70 — 15.60 262.30 468.20 96.00 13.70 — 15.60 262.30 468.20 96.00 96.00 13.70 — 15.60 262.30 468.20 96.00 96.00 96.00 96.00 96.00 13.70 — 15.60 262.30 468.20 96.00 96.										
1 97.00 96.00 9.70 13.00 215.70										
Sompounder/Storekeeper. V 313.00 96.00 31.30 — 18.20 458.50										
112.00 96.00 11.20 — 13.00 246.20		_								
112_00	M/Ward Supervisor	ī	5 00							
Foreman	4) Walte Bupot Visor	1	112.00	96.00	11.20	_	13.00	246.20		
Mate II 169.00 96.00 16.90 — 15.60 297.50 Mate II 169.00 96.00 16.90 — 15.60 297.50 Mate II 183.00 96.00 16.90 — 15.60 297.50 Mate III 183.00 96.00 18.30 — 15.60 312.90 Mate III 183.00 96.00 13.70 — 15.60 262.30 Mate III 137.00 96.00 13.70 — 15.60 262.30 Mate III 137.00 96.00 13.70 — 15.60 262.30 — 13.00 191.40 R.A. To 9.00 — 13.00 191.40 R.A. To 9.00 — 13.00 191.40 R.A. To 9.00 — 13.00 191.40 — 15.60 290.43 — 15.60 290.43 — 15.60 290.43 — 15.60 290.43 — 15.60 290.43 — 15.60 290.43 — 15.60 290.43 — 15.60 290.43 — 15.60 231.80 Mater Mater Mater III 17.00 87.50 12.53 — 15.60 231.80 Mater III 17.00 87.50 12.53 — 15.60 231.80 Mater III 17.00 87.50 3.85 — 15.60 231.85 Mater III 17.00 87.50 3.85 — 15.60 281.85 Mater III 17.00 87.50 3.85 — 15.00 181.35 — 15.60 281.85 Mater III 17.00 87.50 3.85 — 15.60 281.85 Mater III 17.00 87.50 3.64 — 15.60 281.85 Mater III 17.00 B 80.60 87.50 4.68 — 13.00 185.13 Mater III 17.00 B 80.60 87.50 3.64 — 13.00 185.13 Mater III 17.00 B 80.60 87.50 3.64 — 13.00 185.13 Mater III 17.00 B 80.60 87.50 3.64 — 13.00 176.94 Mater III 18.00 B 169.00 87.50 3.90 — 15.60 289.00 Mater III 18.00 B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Mater III 18.00 B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Mater III 18.00 B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00										
Ante II 169.00 96.00 16.90 15.60 297.50 date III 183.00 96.00 18.30 15.60 312.90 date III 183.00 96.00 18.30 15.60 312.90 date III 137.00 96.00 18.30 15.60 312.90 date III 137.00 96.00 13.70 15.60 262.30 date III 137.00 96.00 13.70 15.60 262.30 date III 137.00 96.00 13.70 15.60 262.30 date III 137.00 87.50 3.90 13.00 191.40 R.A. Zo 9.00 9.00 13.00 191.40 date III 137.00 87.50 17.03 15.60 290.43 date III 15.60 290.40 date III 15.60 290.4										
date II 183.00 96.00 18.30 — 15.60 312.90 date II 137.00 96.00 13.70 — 15.60 262.30 Assit. Havildar. D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 191.40 R.A. Co 9.00 9.00 87.50 3.90 — 13.00 191.40 9.00 191.40 <td>_</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td>	_									
Aste II 137.00 96.00 13.70 — 15.60 262.30 Lestt. Havildar. D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 191.40 R.A. Co 10.	A ato									
Assit. Havildar. D 78.00 87.50 3.90 - 13.00 191.40 R.A. Co 9.00 78.00 87.50 3.90 - 13.00 191.40 191.40 191.40 191.40 19.00 78.00 87.50 3.90 - 13.00 191.40 191	Ante									
9.00 78.00 87.50 3.90	visto.	11	137.00	96. 0 0	13.70		15.60	262.30		
13.00 191.40 19	lestt. Havildar.	D		87.50	3.90		13.00	191.4 0	R.A. Con.	
17.00 17.00 17.00 17.00 181.35 180 181.35 180 18			9.00							
9.00	"	α	78. 00	87.50	3,90	-	13.00	191.4 0		
Armature Winder B 117.00 87.50 11.70 — 15.60 231.80 lect. Fitter B 117.00 87.50 12.53 — 13.00 231.80 itter C 125.32 87.50 12.53 — 13.00 231.80 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 4.63 — 13.00 181.35 ump Attendant D 93.60 87.50 4.63 — 13.00 198.78 velder D 80.60 87.50 4.63 — 13.00 185.13 deserver D 78.00 87.50 3.64 — 13.00 176.94			9.00							
lect. Fitter B 117.00 87.50 11.70 — 15.60 231.80 itter C 125.32 87.50 12.53 — 13.00 238.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 ump Attendant D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 velder D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 185.13 4ason D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 bresser D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40		A	170.30	87.50	17. 0 3		15.60	29 0 .43		
Fifter C 125.32 87.50 12.53 — 13.00 238.35 Pump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 Pump Attendant D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 Fump Attendant D 77.00 87.50 16.25 — 15.60 281.85 Velder D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 Velder D 80.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 Velder D 80.60 87.50 4.03 — 13.00 185.13 Anson D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 Presser D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 Fifter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00		В	117.00	87.50	11.70	_	15.60	231.80		
Tump Attendant. D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 Tumer B 162.50 87.50 16.25 — 15.60 281.85 Velder D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 Velder D 80.60 87.50 4.03 — 13.00 185.13 Anson D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 Oresser D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 Itter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Itter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00						_ 				
Pump Attendant. D 77.00 87.50 3.85 — 13.00 181.35 Furner B 162.50 87.50 16.25 — 15.60 281.85 Velder D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 Velder D 80.60 87.50 4.03 — 13.00 185.13 Anson D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 Dresser D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 Sitter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Sitter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00	umn Attendant	D	77.00	87.50	3.85	_	13. 00	181.35		
Furner B 162.50 87.50 16.25 — 15.60 281.85 Veldor D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 Veldor D 80.60 87.50 4.03 — 13.00 185.13 D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 Velder D 80.60 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Velder D 78.00 P 78					4.0-					
Welder D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 Welder D 80.60 87.50 4.03 — 13.00 185.13 Mason D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 Oresser D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 Eitter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Gitter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00	ump Attendant.	D	77.00	87.50	3.85	_	13.00	181.35		
D 93.60 87.50 4.68 — 13.00 198.78 Velder D 80.60 87.50 4.03 — 13.00 185.13 Velder D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 Dresser D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 litter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 litter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00	umer	В	162.50	87.50	16.25	- 	1 5 ,60	281.85		
Velder D 8 0.60 87.50 4.03 — 13.00 185.13 Mason D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 Oresser B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Officer B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00										
Mason D 72.80 87.50 3.64 — 13.00 176.94 D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 litter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 litter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00										
D 78.00 87.50 3.90 — 13.00 182.40 Itter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00 Itter B 169.00 87.50 16.90 — 15.60 289.00					3.64					
itter B 169,00 87.50 16.90 — 15.60 289.00) resser	D	78.00	87.50		_	13.00	182.40		
itter B 169,00 87.50 16.90 — 15.60 289.00		D	160 00	07 KA	14 00		15 40	280 00		
TOTEL										
Munshi D 75.40 87.50 3.77 — 13.00 179.67			75 40	27 <a< td=""><td>3 47</td><td>_</td><td>13.00</td><td>179 67</td><td></td></a<>	3 47	_	13.00	179 67		

		PRESENT								
MATES & MUNSHIS: 442 Sri Madan Pd. 439 Sri Chandrama Singh 388 Srl Fulan Lall 601 Sri Nanhakoo Nonia 205 Sri Badri Pathak 820 Sri Bishwanath Pd. 1489 Sri Rajeshwar Lall 598 Sri Ramdeo Nonia 1213 Sri Banarashi Singh 960 Sri Jagadish Lall 754 Sri Jagarnath Pansari C5 Sri Madan Mohan Pathak BLASTERS: 1711 Sri Mundrika Yadav 1714 Sri Chandradeo Ram B.C. ROPEWAY 172 Sri Nanhai Ahir 409 Sri Ayodhya Kahar 75 Sri Mukhdeo Ahir 83 Sri Sarjoo Chaudhary 1674 Kishun Mahto 1668 Sri Gulab Chand Mahto 82 Sri Banshi Kahar 1671 Sri Gobardhan Mahto M.C. ROPEWAY 158 Sri Ramchandra Mistry 119 Sri Anirudh Pathak 1670 Sri Meghnath Mahto 1687 Sri Mundrika Ahir 1673 Sri Kameshwar Suri 113 Sri Gurudayal Ahir 126 Sri Karamdeo Mishra 406 Sri Bandhoo Ahir 505 Sri Ganesh Singh 482 Sri Ram Sumer Dubey 477 Sri Sri Ram Pati Ahir 1749 Sri Sahdeo Singh Yadav 1685 Sri Sheonath Dusadh (Ram) 122 Sri Mathar Dhobi 489 Sri Ram Das Ahir 325 Sri Sukhdeo Koiri 413 Sri Sarfudd in Nawa 1747 Sri Matar Chaudhary 1724 Sri Lachhuman Chaudhary 1724 Sri Lachhuman Chaudhary 1725 Sri Guljar Sheikh 624 Sri Kesho Koeri 1728 Sri Jamuna Kurmi 1730 Sri Kedarnath Ram	Designation	Grade			Rate	of Pay	f Pay			
				Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	H.A.	Total	
MATES	& MUNSHIS:									
442 Sri N	Aadan Pd.		В	127.15	87.50	12.71		15.60	242,96	
439 Sri C	Chandrama Singh		В	122.23	87.50	12.22		15.60	237.55	
388 Srl F	ulan Lall		С	110.79	87.50	11.08	-	13.00	222 37	
601 Sri N	lanhakoo Nonia		C	103. 5 5	87.50	10.36		13.00	214.41	
			B	127.15	87.50	12.72	- -	15.60	242.97	
			В	127.15	87.50	12.72		15.60	242 97	
	-		В	132.35	87.50	13.24	_	15.60	248.69	
			D	91.91	87.50	4.60		13.00	197.01	
	-		В	142.75	87.50	14.28		15.60	260.13	
			В	127.15	87.50	12.72		15.60	242.97	
			E	76.70	87.50	_	1.82	13.00	179.02	
			E	61.10	87.50		_	13.00	161.60	
BLASTER	S:									
1711 Sri M	Iundrika Yadav	Khalasi	E	71.28	87.50		_	13,00	171.78	
1714 Sri C	handradeo Ram	17	E	71.28	87.50			13.00	171.78	
B.C. ROPI	EWAY.									
172 Sri N	lanhai Ahir	B.D.F./Khalasi	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13.00	199.38	
		,,	D	93.33	87.50	4.67	_	13.00	198.50	
		**	D	89.17	87.50	4.46	_	13,00	194.1 3	
		"	D	88.22	87.50	4.41	_	13.00	193.13	
		Khalasi	E	71.28	87.50	-		13.00	171.78	
		**	E	71.28	87.50			13.00	171.78	
		33	E	76.70	87.50	4.04		13.00	177.20	
		Munshi	D	81.16	87.50	4.06	-	13.00	185.72	
M.C. ROP	EWAY									
158 Sri R	amchandra Mistry	Khalasi	Æ	76. 7 0	87.50		_	13.00	1 7 7.20	
119 Sri A	nirudh Pathak	Helper	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02	
	•	Khalasi	E	71.28	87.50	-	_	13.00	171.78	
		**	E	71.28	87.50		_	13,00	171.78	
1673 Sri K	ameshwar Suri	Asstt. Splicer/	D	77.00	87 50	3.85	-	13.00	181,35	
		B.D.F./Khalasi	_		0= ==					
		Sarang/Splicer	C	99.09	87.50	9.91		13.00	209.50	
		Asstt. Operator	D	93.60	87.50	4.68	_	13.00	198.78	
		B.D.F./Khrlasi	D D	93.33	8 7.50	4.67	_	13.00	198.50	
303 Sn G	anesn Singn	Asstt. Splicer/	D	82.65	87.50	4.13		13,00	187.28	
400 C-: D	Comer Duber	B.D.F./Khalasi. Asstt. Opr.	D	93.33	87.50	4.67		13,00	100 66	
		B.D.F./Khalasi	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13.00	198.50 199.38	
		·	Ď	83.60	87.50	4.18	U.00 —	13.00	188.28	
		Khalasi	E	71.28	87.50			13.00	171.78	
		,,	Ē	71.28	87.50		_	13.00	171.78	
		**	E	76.70	87.50			13.00	177 20	
		Khalasi	E	76.70	87.50			13.00	177.20	
		**	${f E}$	76.70	87.50	_	1.82	13.00	179.02	
		"	E	76.70	87.50			13.00	177.20	
		"	E	71.28	87.50		_	13.00	171.78	
1724 S ri La	ichhuman Chaudhary	Munshi	D	81.16	87.50	4.06	-	13.00	185,72	
		Driller	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13.00	199.38	
			D	83.40	87.50	4.17		13.00	188.07	
		"	D	93.60	87.50	4.68	1.48	13.00	200.26	
		,,	Ď	93.45	87.50	4.67		13.00	198.62	
1728 Srl D	harmoo Ram	,,	מ	83.40	87.50	4.17		13.00	188.07	
		"	D	83.40	87.50	4.17		13.00	188.07	
		,,	D	83.40	87.50	4.17	• •	13.00	188.07	
	andhan Kandoo	"	D	88.94	87.50	4.45		13.00	193.89	
	afique Sheikh	11	D	93.60	87.50	5.68	1.48	13.00	200.26	
1011 Sri Sit	a Ram Dhobi	71	D	93.45	87.50	4.67		13.00	198.62	
1170 Srl Di	il Md. Sheikh	***	D	93.45	87.50	4.67		13.00	198.62	

REVISED Rate of Pay Grade Designation Total Remarks P.A. H.A. D.A. ADA. Basic 15.60 260.40 87.50 14.30 143.00 A Mate 15.60 246.10 13.00 87.50 130.00 В Mate. 15,60 231.80 11.70 117.00 87.50 В Mate 15.60 224.65 11.05 87.50 В 110.50 Mate 246.10 J5.60 87.50 13.00 130.00 R Mate 15.60 246.10 87.50 13.00 130.00 В Mate 15 60 253.25 13,65 87.50 136.50 В Mate 9.26 13.00 202.32 92,56 87.50 \mathbf{C} Munshi 15.60 260.40 14.30 87.50 143.00 В Munshi 15.60 246.10 13.00 87.50 130 00 В Mate 13.00 192.02 87.50 8.32 83.20 \mathbf{C} Mite 13.00 192.02 8.32 87.50 \mathbf{C} 83.20 Mate 192.02 8.32 13.00 87.50 83.20 C Blaster 8.32 13.00 192.02 87.50 83,30 \mathbf{C} Blaster 13.00 207.46 87.50 9.72 97.24 CHi. Operator 4.67 198.50 13.00 87.50 93.33 D Assit. Operator/B.D.F. 4,46 13.00 194.13 87.50 89.17 D 13 00 4.41 193.13 88.22 87.50 \mathbf{D} 3.64 13.00 176.94 87.50 72.80 D B D.F./Khalasi 3.64 13.00 176.94 87.50 72.80 \mathbf{D} 3.90 13.00 182.40 87.50 78.00 D 11.05 15.60 224.65 110.50 87.50 R Munshi 87.50 3.90 13.00 182.40 78.00 D Black-smith 87.50 3.90 13.00 182.40 78.00 D B Smith/H. Man/Khalasi 87.50 3.64 13.00 176,94 72.80 \mathbf{D} 3.64 13.00 176.94 72.80 87.50 \mathbf{D} 13.00 192.02 87.50 8.32 83.20 C Splicer/B.D.F. 13.00 10.19 212.61 87.50 101.92 C HI. Operator/Spli. 87.50 13.00 207.46 9.72 C 97.24 Hd. Operator 9.72 13.00 207.46 97.24 87.50 \mathbf{C} Hil. Operator 87.50 8.79 13.00 197.17 87.88 \mathbf{C} Mi. Operator 9.72 13.00 207.46 87.50 \mathbf{C} 97.24 Hi. Operator 9.72 13.00 207.46 87.50 \mathbf{C} 97.24 Hd. Operator 87.50 4.18 13.00 188.28 83.60 D Asstt. Opr/B.D F. 13.00 176.94 87.50 3.64 72,80 \mathbf{D} B.D.F./Khalusi 3.64 13.00 176,94 87.50 72.80 D ,, 87.50 3.90 13.00 182.40 78 00 \mathbf{D} 13.00 177,20 76.70 87.50 E Line Guard 1.82 13.00 179.02 87.50 76.70 E ., 13.00 87.50 177.20 76.70 \mathbf{E} ,, 13.00 87.50 171.78 71.28 \mathbf{E} 15.60 11.05 224.65 87.50 110 50 В Munshi 13.00 9.26 202.32 92.56 87,50 C Driller 8.32 13.00 192.02 87.50 \mathbf{C} 83.20 13.00 87,50 9.26 202.32 92 56 \mathbf{C} . . ,, 92.56 87.50 9.26 13.00 202.32 C . . C 83.20 87,50 8.32 . . 13.00 192.02 13.00 192.02 87.50 8.32 \mathbf{C} 83.20 . . 13.00 87.50 8.32 192.02 83.20 \mathbf{c} 8.79 13.00 197.17 87 50 C. 87.88 . . 87.50 9.26 13.00 202.32 C 92 56 ٠. 13.00 202.32 87 50 9.26 C 92.56 . . 13.00 202.32 92.56 87,50 9.26 C

			PRESENT Rate of Pay					
E.No. Name	Designation	Grade	Basic	D.A.	A,D.A.	P.A.	Н.А.	Total
507 Sri Sita Ram Dhobi	Driller	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13 00	199.38
508 Srl Bechan Dhanger	**	D	93.60	87.50	4.68	0.60	13 00	199.38
1590 Sri Atal Bihari Singh	57	D	93.60	87.50	4.68	1.48	13.00	200.26
1472 Sri Jagoo Dhobi	17	D	85.20	87.50	4.26		13 00	189.96
1650 Sri Ram Hari Dusadh	"	D	79.01	87 50 87 50	3.95 3.95		13.00 13.00	183.46 183.46
1648 Sri Surajan Kurmi	"	D D	79.01 74.91	87.50	3.93		13.00	179.16
1613 Sri Immuddin Sheikh HELPER DRILLERS	19	ь	74.71	37,30	3.73	• •	13 00	1/7.10
635 Sri Narayan Koeri	Loader Carrie	er E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
798 Sri Nanhkoo Koori	L/C	F	73.88	87.50			13.00	174.38
1108 Sri Bahori Koelh	L/C	E	76 70	87.50		1.82	13.00	179.02
1114 Sri Bishwanath Dhanger	\mathbf{L}/\mathbf{C}	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
1353 Sri Md. Hussen Khan	\mathbf{L}/\mathbf{C}	E	73.88	87.50			13.00	174.38
1474 Sri Ram Chandra Kahar	L/C	Ŀ	73.88	87.50			13.00	174.38
1644 Sri Sobarati Bhuia	L/C	E.	73.88	87.50			13.00	174.38
1542 Sri Nirmal Ahır	\mathbf{L}/\mathbf{C}	B	73.88	87.50			13.00	174.38
989 Srí Bilash Dusadh	L/C	E	76.70	87.50		1 82	13.00	179.02
1222 Sri Halkani Kahar	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13 00	179.02
1250 Sri Jagan Kahar	L/C	E	76.70	87.50		0.52	13.00	177 72
1261 Sri Khakhan Kahar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174 38
1264 Shri Budhan Kahar	L/C	E	73.88	87.50	1.4		13.00	174.38
1268 Sri Nagdeo Kahar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.38
1291 Sri Aziz Shaikh	L/C	E	76.70	87,50		1.82	13.00	179.02
1296 Sri Tulsh Koiri	L/C	E	76. 7 0	87.50	• •	0.53	13.00	177.20
1297 Sri Gugul Ahir	L/C	Æ	76.70	87.50 87.50		0.52	13.00	177,72
1308 Srl Ganesh Ahir	L/C	E	73.88 73.88	87.50	• •	- 1	. 13.00	174.38 174.38
13 ₁ 2 Sri Ram Bachan Mallah	L/C	E E	76.70	87.50	• •	1 82	13,00 13.00	179.02
1330 Sri Halkani Bhuia	L/C L/C	E	76.70	87.50	• •	1.82	13.00	179.0
1338 Sri Sukhdeo Bhuia 1342 Sri Bifan Bhuia	L/C L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1352 Sri Tapeshwari Dhobi	L/C	Ē	72.58	87.50			13.00	173.0
1356 Sri Ram Brichh Dhobi	L/C	B	73.88	87.50			13.00	174.38
1366 Sri Basropan Ahir	$\tilde{\mathbf{L}}/\tilde{\mathbf{C}}$	B	73.88	87.50			13.00	174.3
1396 Sri Sudhoo Bhuia	L/C	Ē	76. 7 0	87.50		1.82	13.00	179 0
1399 Sri Ganauri Kandoo	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1400 Sri Neyazuddin Shaikh	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1405 Sri Radhey Lohar	L/C	E	76.70	87.50	1.1	1.82	13.00	179.0
1415 Sri Neyamuddin Shalkh	L/C	E	76.70	87.50	1.1		13.00	177.2
1427 Sri Dhanesher Chamar	L/C	Œ	73.88	87.50			13.00	174.38
1433 Sri Budhan Kahar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.3
1436 Sri Ram Lakhan Koiri	L/C	E	73.88	87.50		• •	13.00	174.3
1466 Sri Ram eChandra Noni		F	76.70	78.50		1.82	13.00	179.0
1489 Sri Baudh Koiri	L/C	E	76.70	87.50	• •	1.82	13.00	179 02
1475 Sri Ram Hari Kahar	L/C	E	73.88	87.50			13.00	174.3
1476 Sri Bandhoo Dhanager	L/C	E	73.88	87.50	• •	• •	13.00	174.3
1480 Sri Amirka Kahar	L/C	E	73 88	87.50	1.1		13.00	174.3
1481 Sri Sheo Nath Kahar	L/C	E	73.88	87.50		1 87	13.00 13.00	174.3 179.0
1512 Sri Bhuneshwar Dubey	L/C	E E	76.70 7 6 .70	87.50 87.50	• • •	1.82 1.82	13.00	179.0.
1513 Sri Ram Jit Ahir	L/C	E	76.70 76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1516 Sri Dwarika Ahir	L/C L/C	E	76.70 76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1520 Sri Jagrup Chamar	L/C L/C	I.	76.70	87.50	• •		13.00	177.2
1529 Sri Balkesher Ahir	L/C L/C	E E	76.70 76.70	87.50			13.00	177.2
1535 Sri Ram Ashray Bhuia 1562 Sri Prit Singh	L/C L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179 0
1538 Srl Sarjoo Tirwari	L/C L/C	Ë	73.88	87.50	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	1.02	13.00	174.3
1568 Sri Suresh Kurmi	L/C	Ē	72.58	87.50			13.00	173.0
1601 Sri Gafoor Shaikh	L/C	Ē	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1625 Sri Budhoo Bhuia	L/C	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.0
1631 Sri Kalicharan Dhanger	$\widetilde{\mathbf{L}}/\widetilde{\mathbf{C}}$	E	76 70	87.50		1.82	13.00	179.0

		Remark					
Designation	G.ade	B vsic	D.A.	A D.A.	P.A.	H.A.	Total
Driller	C	92,56	87.50	9.26		13.00	202.32
	C	92,56	87,50	9.26	1	13.00	202.32
**	C	93.56	87.50	9.26		13.00	202.32
"	C	83.20	87.50	8.32		13.00	192.02
,,	Č	83.20	87 50	8.32	• •	13.00	192.02
**	Ċ	83,20	87,50	8.32		13.00	192.02
11	Ċ	83,20	87.50	8.32		13.00	192.02
	E	76 7 0	87,50		1.82	13.00	179.02
Orilling Helper. L.C.	E	73,88	87.50			13.00	174.38
11	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
*1		76.70	87.50		1.82	13,00	179.02
2)	T:	73.88	87.50			13.00	174,38
**	E	73.88	87.50			13.00	174.38
**	E L	73.88	87.50 87.50			13.00	174.38
91	E	73.88	87.50			13.00	174.38
*1	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
г.м./ L .C.	E	76.70	87,50		1 82	13.00	179.02
	E	76.70	87,50		0 52	13.00	177.72
g) 11	E	73,38	87.50		• •	13.00	174.38
,,	E	73.88	87.50	• •	, ,	13.00	174.38
b1	Ē	73.88	87.50 87.50	•	1.83	13,00 13,00	174 38 179.02
14	E E	87.70 1 6 .70	87 50		1.00	13.00	177.20
1.5	E	76.70	87.50		0.52	13.00	177.72
ė,	Ē	73.88	87.50			13.00	174.38
17	E	73.88	87,50			13,00	174.38
**	Ē	76 70	87.50		1,82	13.00	179.02
91 51	Ł	76.70	87.50	- •	1.82	13.00	179.02
13	E	76.70	87.50		1.82	13.00 13.00	179.02
12	E	72.58 73.88	87.50 87.50			13.00	J73.08 174.38
1,	E. F	73.88	87.50			13.00	174.38
**	E E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
**	E	76.70	87.50		1.82	13 00	179.02
91	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02
77 87	E	76.70	87.50		1,82	13 00	179.02
11	E	76.70	87.50	• •	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	13.00	177.20
17	E	73.88	87.50 87.50		• •	13,00 13,00	174.38
19	E	73,88 73,88	87.50 87.50	• • •		13.00	174.38 174.38
37	E E	76.70	87.50	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	1.82	13.00	179.02
13	E.	7 6.70	87 50		1.82	13 00	179.02
17	Æ	73.88	87,50	* *		13 00	174.38
"	Œ	73 88	87.50	• •	•	13,00	174.38
"	E	73.88	87.50	• •	•	13.00	174.38
11	E	73,88	87 50 87.50		1,82	13,00 13,00	174.38 179 02
11	C	76.70 76.70	87.50		1,82	13.00	179 02
*1	E E	76.70 76.70	87.50		1,82	13.00	179.02
**	E E	76.70	87.50	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	1 82	13,00	179.02
17	F	76.70	87.50			13.00	177 20
41	Ē	76 70	87.50	.,		13.00	177.20
17	E	76.70	87 50	- +	1,82	13.00	179.02
**	E	76.70	87.50	• •		13.00	174.38
,,	E	72.58	87.50	••	1 92	13.00	173.08
11	E	76.70	87 50 87.50	• •	1.82 1.82	13.00 13.00	179.02 179.02
**	E E	76.70 76.70	87.50 87.50		1.82	13.00	179,02

791 Sri Kail Nonia	r Pay		Grade	Designation	No. Name		
1172 Sri Hanif Shaikh	P.A. H.A. Total	A.D.A.	D.A.	Basic			·
1172 Sri Hanif Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 1173 Sri Ismail Dhobi L/C E 75.70 87.50 1.82 13.00 879 Sri Tapeshwari Chamar L/C E 75.70 87.50 .13.00 879 Sri Dhandeo Nonia L/C E 75.88 87.50 .13.00 879 Sri Dhandeo Nonia L/C E 75.70 87.50 .13.00 879 Sri Dhandeo Nonia L/C E 75.70 87.50 .13.00 879 Sri Dhandeo Nonia L/C E 75.70 87.50 .1.82 13.00 835 Sri Ram Chandra Nonia L/C F 76.70 87.50 .1.82 13.00 835 Sri Ram Chandra Nonia L/C F 76.70 87.50 .1.82 13.00 1031 Sri Ramu Ram Kahar L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 1041 Sri Ramu Ram Kahar L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 1041 Sri Ramu Ram Kahar L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 1042 Sri Latif Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 442 Sri Latif Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 442 Sri Karim Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 443 Sri Sarioo Dhanger L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 684 Sri Sarioo Dhanger L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 685 Sri Ram Deai Rajwar L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 685 Sri Ram Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 629 Sri Halim Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 629 Sri Halim Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 629 Sri Halim Dauddh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 629 Sri Halim Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 629 Sri Halim Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 629 Sri Halim Shaikh L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 629 Sri Raj Kamara Deai Raj Kamara L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 635 Sri Ram Deai Rajawar L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 636 Sri Ram Deai Rajawar L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 637 Sri Ram Deai Rajawar L/C E 76.70 87.50 .1.82 13.00 638 Sri Ram Deai Rajawar L/C E 76.70 87.50 .1.30 639 Sr	13.00 174.38		87.50	73 88	E	L/C	49 Sri Ram Sunder Bhuia
1175 Sri Ismail Dhobi				76.70	E	L/C	72 Sri Hanir Shaikh
859 Sri Tapeshwari Chamar L/C E 73.88 87.50				76.70	E	L/C	73 Sri Ismail Dhobi
179 Sri Dhandeo Nonia				73.88			9 Sri Tapeshwari Chamar
994 Sri Jahir Hussain L/C E 76,70 87,50 0,52 13,00 130 581 Sta Kahar L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 1007 Sti Sta Kahar L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 1007 Sti Sta Ramur Ram Kahar L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 1112 Sri Latif Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 1112 Sri Latif Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 1112 Sri Latif Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 842 Sti Karim Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 842 Sti Karim Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 684 Sri Sarjoo Dhanger L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 684 Sri Sarjoo Dhanger L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 684 Sri Sarjoo Dhanger L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 685 Sri Karm Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 692 Sri Karim Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 692 Sri Karim Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 692 Sri Haikun Dusadh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 692 Sri Haikun Dusadh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 692 Sri Haikun Dusadh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 683 Sri Hamid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 683 Sri Hamid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 683 Sri Hamid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 755 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 683 Sri Hamid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 683 Sri Hamid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 683 Sri Hamid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 683 Sri Ram Jee Kori L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 685 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 685 Sri Ram Jee Kori L/C E 76,70 87,50 1,82 13,00 60 550 Sri Ram Sevak Nonia L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 550 Sri Ram Sevak Nonia L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 550 Sri Ram Sevak Nonia L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 570 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 570 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 570 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 570 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 570 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 570 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 570 Sri Ram Balas Nonia L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 60 570 Sri Ram Balas Nonia L/C E 73,88 87,50 1,13 00 60 60 570 Sri Ram Sta Ram Autar				_			
835 Sri Ram Chandra Nonia L/C F 76,70 87,50 1,32 13,00 1007 Sri Sita Kahar L/C E 76,70 87,50 1 82 13,00 1041 Sri Ramu Ram Kahar L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 1041 Sri Ramu Ram Kahar L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 1012 Sri Latif Shaikh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 300 Sri Ram Adhar Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 4842 Sri Karim Shaikh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 5848 Sri Sarjoo Dhanger L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 686 Sri Ram Deni Rajwar L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 686 Sri Ram Deni Rajwar L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 686 Sri Ram Deni Rajwar L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 687 Sri Haikan Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 692 Sri Raj Kumar Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 693 Sri Haimid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 693 Sri Haimid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 693 Sri Haimid Shaikh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 694 Sri Manjaroo Ahir L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 795 Sri Modi Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 795 Sri Modi Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 796 Sri Jangi Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 796 Sri Jangi Dusadh L/C E 73,88 87,50 1.82 13,00 797 Sri Nabi Andra Malish L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 798 Sri Jangi Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 799 Sri Raj Dusadh L/C E 76,70 87,50 1.82 13,00 791 Sri Ram Jec Kori L/C E 73,88 87,50 1.30 792 Sri Ram Autar Malish L/C E 73,88 87,50 1.30 793 Sri Ram Se.ak Nonia L/C E 73,88 87,50 1.30 794 Sri Shapha Antar Malish L/C E 73,88 87,50 1.30 795 Sri Ram Dusadh L/C E 73,88 87,50 1.30 797 Sri Rai Mandar L/C E 73,88 87,50 1.30 798 Sri Raim Mandar L/C E 73,88 87,50 1.30 799 Sri							94 Sri Jahir Hussain
1041 Sir Ramu Ram Kahar			87.50	76.70		\mathbf{L}/\mathbf{C}	
1134 Sri Answar Khan		1.1					
1112 Sri Latif Shaikh						,	-
930 Sri Ram Adhar Dusadh 4.1/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 842. Sri Karim Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 684 Sri Sarjoo Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 685 Sri Ram Deni Rajwar L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 655 Sri Karim Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 652 Sri Karim Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 652 Sri Halkan Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 662 Sri Halkan Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 662 Sri Halkan Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 662 Sri Halkan Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 663 Sri Ram Deni Rajwar L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 663 Sri Ram Staikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Handi Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Ram Deni Bhanger L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Ram Secak Nonia L/C E 70.70 70.70 71. Sri Hanif Shaikh L/C E 72. S8 73.50 13.00 880 Sri Ram Autar Mollah L/C E 73.88 87.50 13.00 797 Sri Nabi Ahmed Khan L/C E 73.88 87.50 13.00 797 Sri Nabi Ahmed Khan L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Radi Nonia L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Radi Nonia L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Radi Nonia L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Radi Nonia L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C							
342 Sri Karim Shaikh							
1111 Sri Brichin Dusadh							
886 Sri Ram Deni Rajwar L/C E 76.70 87.50 1 82 13.00 563 Sri Karm Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 629 Sri Raj Khunar Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 629 Sri Raj Khunar Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 629 Sri Halmid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 629 Sri Halmid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 620 Sri Halmid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 620 Sri Modi Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 621 Sri Manid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 622 Sri Manid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.30 623 Sri Hamid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.30 624 Sri Manigaroo Ahir L/C E 76.70 87.50 1.30 625 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.30 626 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.30 627 Sri Sheodayal Kori L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 628 Sri Ram Jee Kori L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 629 Sri Ram Jee Kori L/C E 73.88 87.50 1.30 630 Sri Ram Sevak Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 630 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73.88 87.50 1.30 630 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73.88 87.50 1.30 630 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73.88 87.50 1.30 630 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73.88 87.50 1.30 630 Sri Ram Autar Kori L/C E 73.88 87.50 1.30 646 Sri Bishwanath Khahar L/C E 73.88 87.50 1.30 647 Sri Bishwanath Khahar L/C E 73.88 87.50 1.30 648 Sri Bishwanath Lousadh L/C E 73.88 87.50 1.30 649 Sri Kami Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 640 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 641 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 642 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 643 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 644 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 645 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 646 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 647 Sri Wakii M. D. Khan L/C E 73.88 87.50 1.30 648 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 649 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 640 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 641 Sri Ramgati Neua L/C E 73.88 87.50 1.30 642 Sri Ramgati Neua L/C E 73.88 87.50 1.30 643 Sri Bauchh Bhuia L/C E 73.88 87.50 1.30 644 Sri Baucha Bhuia L/C E 73.88 87.50 1.30 645 Sri Bauchh Bhuia L/C E 73.88 87.5			87.50				II Sri Brichh Dusadh
565 Sri Karım Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 629 Sri Raj Kumar Dusadh L/C F 76.70 87.50 1.82 13.00 625 Sri Haikan Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 685 Sri Hamid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 756 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 756 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 1.30 13.00 764 Sri Mangaroo Ahir L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 749 Sri Sheodayal Korir L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 749 Sri Sheodayal Korir L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 749 Sri Sheodayal Korir L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 805 Sri Ram Seckori L/C E 73.88 87.50 <							
629 Sri Raj Kumar Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 685 Sri Halkan Dusadh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 685 Sri Hamid Shaikh L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 795 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 87.50 13.00 764 Sri Mangaroo Ahir L/C E 76.70 87.50 13.00 749 Sri Sheodayal Kori L/C E 76.70 87.50 13.00 749 Sri Sheodayal Kori L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 749 Sri Sheodayal Kori L/C E 76.70 87.50 1.82 13.00 805 Sri Ram See Scori L/C E 73.88 87.50 1.82 13.00 810 Sri Ram See Ak Nonia L/C E 73.88 87.50 1.30 13.00 850 Sri Ram See Ak Nonia L/C E 73.88 87.50 <		• •					
692 Sri Halkan Dusadh L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 685 Sri Hamid Shaikh L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 756 Sri Ram Deti Dhanger L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 756 Sri Ram Deti Dhanger L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 764 Sri Manyaroo Ahlr L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 764 Sri Manyaroo Ahlr L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 764 Sri Manyaroo Ahlr L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 764 Sri Manyaroo Ahlr L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 764 Sri Jangi Dusadh L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 765 Sri Ram Jee Kori L/C E T6.70 87.50 1.82 13.00 762 157 Hanif Shalkh L/C E T73.88 87.50 1.30 875 Sri Ram Autar Mallah L/C E T73.88 87.50 1.30 805 Sri Ram Autar Mallah L/C E T73.88 87.50 1.30 806 Sri Ram Autar Kori L/C E T73.88 87.50 1.30 806 806 Sri Ram Autar Kori L/C E T73.88 87.50 1.30 806 807 Sri Ram Autar Kori L/C E T73.88 87.50 1.30 806 807 Sri Ram Autar Kori L/C E T73.88 87.50 1.30 806 807 Sri Ram Autar Kori L/C E T73.88 87.50 1.30 806 807 Sri Ram Autar Kori L/C E T73.88 87.50 1.30 807 97 Sri Nabi Ahmed Khan L/C E T73.88 87.50 1.30 807 97 Sri Nabi Ahmed Khan L/C E T73.88 87.50 1.30 807 97 Sri Rai Nonia L/C E T73.88 87.50 1.30 807 99 Sri Kesher Dusadh L/C E T73.88 87.50 1.30 80 99 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E T73.88 87.50 1.30 80 130 90 117 Sri Lachhu Kabar L/C E T73.88 87.50 1.30 130 130 130 130 130 130 130 130 130 1	* * *						
685 Sri Hamid Shaikh L/C E T6.70 R7.50 R7.							
795 Sri Modi Dusadh							
756 Sri Ram Deni Dhanger L/C E 76.70 Rot Sri Mangaroo Ahir L/C E Rot Rot Rot Ram Deni Dhanger L/C E Rot							
749 Sri Sheodayal Korri	13.00 150.00		87.50	76.70	${f E}$		
T46 Sri Jangi Dusadh	13 00 454 40	• •					54 Sri Mangaroo Ahir
805 Sri Ram Jee Kori L/C E 73.88 87.50 13.00 721 Sri Hanif Shalkh L/C E 72.58 87.50 13.00 850 Sri Ram Sevak Nonia L/C L 1.73 88 87.50 13.00 805 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73.88 87.50 13.00 806 Sri Ram Autar Korri L/C E 73.88 87.50 13.00 797 Sri Nabi Ahmed Khon L/C E 73.88 87.50 13.00 797 Sri Nabi Ahmed Khon L/C E 73.88 87.50 13.00 646 Sri Bishwanath Dusadh L/C E 76.70 87.50 13.00 652 Sri Bishwanath Kabar L/C E 73.88 87.50 13.00 791 Sri Kail Nonia L/C E 73.88 87.50 13.00 792 Sri Kesher Dusadh L/C E 73.88 87.50 13.00 117 Sri Lachhu Kabar L/C E 73.88 87.50 13.00		• •					
721 Sri Hanif Shalkh L/C E 72 58 87.50 13 00 850 Sri Ram Sevak Nonia L/C I 73 88 87.50 13.00 880 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73.88 87.50 13.00 806 Sri Ram Autar Korri L/C E 73.88 87.50 13.00 797 Sri Nabi Ahmed Khan L/C E 73.88 87.50 13.00 646 Sri Bishwanath Dusadh L/C E 76.70 87.50 13.00 652 Sri Bishwanath Kahar L/C E 73.88 87.50 13.00 791 Sri Kail Nonia L/C E 73.88 87.50 13.00 792 Sri Kejher Dusadh L/C E 73.88 87.50 13.00 793 Sri Rojinohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 117 Sri Lachhu Kahar L/C E 76.70 <t< td=""><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></t<>							
850 Sri Ram Sev.ak Nonia							
880 Sri Ram Autar Mallah L/C E 73.88 87.50		• •					
806 Sri Ram Autar Korri L/C E 73.88 87.50 13.00 797 Sri Nabi Ahmed Khan L/C E 73.88 87.50 13.00 646 Sri Bishwanath Dusadh L/C E 76.70 87.50 13.00 652 Sri Bishwanath Kahar L/C E 73.88 87.50 13.00 791 Sri Kail Nonia L/C E 73.88 87.50 13.00 792 Sri Kesher Dusadh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 73.88 87.50 13.00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 83.88 87.50 13.00 117 Sri Lachhu Kahar L/C E 76.70 87.50 1 82 13.00 C4 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 61.10 87.50 1 3.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00	12.00 (91.00						-
646 Sri Bishwanath Dusadh 652 Sri Bishwanath Kahar L/C E 73.88 87.50	43.00 1=4.30		87.50	73.88		L/C	6 Sri Ram Autar Koiri
652 Srt Bishwanath Kahar	13.00 174.38						7 Sri Nabi Ahmed Khan
791 Srt Kail Nonia L/C E 73.88 87.50							
792 Sri Ke,her Dusadh L/C E 73.88 87.50 13 00 799 Sri Rojmohmed Sheikh L/C E 83.88 87.50 13 00 1117 Sri Lachhu Kahar L/C E 76.70 87.50 13 00 C4 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 61.10 87.50 13.00 C7 Sri Wakil M, D. Khan L/C E 61.10 87.50 13.00 C24 Sri Gupteshwar Ram L/C E 61.10 87.50 13.00 C41 Sri Hauthar Koiri L/C E 61.10 87.50 13.00 1479 Gulabchand Dhobi L/C E 61.10 87.50 13.00 TRAM LINE: 1731 Sri Tribem Ram Khalasi E 71.28 87.50 13.00 854 Sri Chhote Kolh L.C E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E <							
799 Sri Rojmohmed Sheikh						•	
1117 Sri Lachhu Kahar							= :-
C4 Sri Ram Bilas Nonia L/C E 61.10 87.50		• •					
C7 Sri Wakil M. D. Khan L/C E 61.10 87.50		1.1					
C24 Sri Gupleshwar Ram L/C E 61.10 87.50 13.00 C41 Sri Hanhar Koiri L/C E 61.10 87.50 13.00 1479 Gulabchand Dhobi L/C E 73.88 87.50 13.00 TRAM LINE: 1731 Sri Tribeni Ram Khalasi E 71.28 87.50 13.00 854 Sri Chhote Kolh L.C. E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kəndoo L/C E 73.88 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Nəua L.C. E 73.88 87.50 13.00 13.00 1577 Sri Ramgati Nəua L.C. E 73.88 87.50 13.00		• •					
C41 Sri Haihar Koiri L/C E 61.10 87.50 13.00 1479 Gulabchand Dhobi L/C E 73.88 87.50 13.00 TRAM LINE: 1731 Sri Tribeni Ram Khalasi E 71.28 87.50 13.00 854 Sri Chhote Kolh L.C. E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E 72.58 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 13.00 HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 1380 Sri Dukhi Ahir H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00	13.00 161.60	• •					
1479 Gulabchand Dhobi L/C E 73.88 87.50 13.00 TRAM LINE: 1731 Sri Tribeni Ram Khalasi E 71.28 87.50 13.00 854 Sri Chhote Kolh L.C. E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E 72.58 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 13.00 13.00 13.00 HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00 13.00	13.00 161.60						Sri Gupieshwar Ram
TRAM LINE: 1731 Sri Tribeni Ram Khalasi E 71.28 87.50 13.00 854 Sri Chhote Kolh L.C. E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E 72.58 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 1380 Sri Dukhi Ahir H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00	13.00 161.60	4.1	87.50			L/C	Sri Hatihar Koiri
1731 Sri Tribeni Ram Khalasi E 71.28 87.50 13.00 854 Sri Chhote Kolh L.C. E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E 72.58 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 13.00 HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 1380 Sri Dukhi Ahir H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00	13.00 174.38		87.50	73.88	E	L/C	Gnlabchand Dhobi
854 Srt Chhote Kolh L.C. E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E 72.58 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 1380 Sri Dukhi Ahir H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00							AM LINE :
854 Srt Chhote Kolh L.C. E 73.88 87.50 13.00 1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E 72.58 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 1380 Sri Dukhi Ahir H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00	13.00 171.78		87.50	71.28	E	Khalasi	I Sri Tribeni Ram
1537 Sri Jagpat Kandoo L/C E 72.58 87.50 13.00 1577 Sri Ramgati Naua L.C. E 73.88 87.50 13.00 HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 1380 Sri Dukhi Ahir H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00	•			73.88			
HAULAGE DRIVER 1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.50 13.00 1380 Sri Dukhi Ahir H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00		• •					7 Sri Jagpat Kandoo
1343 Sri Brichh Bhuia L.C. E 73.88 87.30 13.00 1380 Sri Dukhi Ahrr H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00	13.00 174.38	••	87.50	73 88	E	L.C.	Sri Ramgati Naua
1380 Sri Dukhi Ahr H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00							ULAGE DRIVER
1380 Sri Dukhi Ahır H.M. F 76.70 87.50 10.16 13.00	13.00 174.38	• •			E	L.C.	Sri Brichh Bhuia
1514 Sri Ram Kishun Ahir L.C. E 76.70 87.50 1.82 13.00		• •					Sri Dukhi Aho
77 77 77 77 77 77 77 77 77 77 77 77 77	1.82 13.00 179.02	• •			E	L.C.	Sri Ram Kishun Ahir
1508 Sri Meghu Chero L.C. E 76.70 87.50 1.82 13.00 1505 Sri Mahesh Shigh L.C. E 76.70 87.50 1.82 13.00							_
1595 Sri Mahesh Sligh L.C. E 76.70 87.50 1.82 13.00 612 Sri Jamalu Sheikh L.C. E 76.70 87.50 1.82 13.00							

REVISED

		Rate of Pay						
Designation	Grade					- <u>-</u>	Remark	
		Basic	D.A.	A.D.A.	P.A.	H.A.	Total	
						13.00	174,38	
ľ.M./L.C.	E	73.88	87.50	- •	1.82	13.00	179.02	
1)	R	76.70	87.50	• •	1.82	13.00	179.02	
**	E	76.70	87.50	- •		13.00	174.38	
17	E	73.88	87.50		• •	13.00	174.38	
"	E	73.88	87.50			13.00	177.72	
)*	E	76.70	87.50	: .	0.52			
	E	76,70	87. 5 0	7.	1.82	13.00	179.02	
**	\mathbf{E}	76.70	87.50	_	1.82	13.00	179.02	
12	E	72.58	87.50		• •	13.00	173.08	
1*	Æ	76.70	87.50			13,00	177.20	
,,	E	76.70	87,50		1.82	13.00	179.02	
**	Ē	76.70	87,50		1.82	13.00	179.02	
••	Ë	78.70	87.50		1.82	13,00	179.02	
p*	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02	
**		76.70	87.50		1.82	13.00	179.02	
**	E		87.50		1.82	13.00	179.02	
11	E	76.70	87.50	.,	1.82	13.00	179,02	
21	E	76.70			1.82	13.00	179.02	
***	E	16.70	87.50	••	1.82	13.00	179.02	
**	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02	
,,	E	76.70	87.50		1 82	13.00	174.38	
33	E	76.70	87.50	• •		13 00	177.20	
1.	E	76,70	87.50	• • •			174.38	
	£	73.88	87 50			13.00	179.02	
31	F	76,70	87.50		1,82			
P.9	E	76.70	87.50		1.82	13.00	179.02	
17	F.	73,88	87.50			13.00	174.38	
**	Ē	72.58	87.50			13. 0 0	173.08	
**	Ē	73.88	87.50			13.00	174.38	
7.6	Ë	73.88				13.00		
21	E	73.88				13.00	174.38	
13		73.88	_			13.00	174.38	
11	E					13.00	177.20	
17	E	76.70 73.88				13.00	174.38	
93	E					13 00		
•1	F	73.88				13.00	174.38	
**	E	73.88	_	• •		12 00		
	E	73.88	87,50					
31	E	76.70	87.50		1.82			
••		61.10				13.00	161.60	
**	E					13.00		
11	Ł	61.10				12.00		
	Ĺ	61.10	87.50	• •				
ži.	Е	61.10				. 13.00		
,.		73.88			. ,	13.00	174.38	
,.	E	73.80	67.50	•				
						13.00	174.21	
T.L. Mato/Khalasi	D	70.20				13 M		
Tramline Khalasi	E	73,88	87.50	- •	• •			
	E	72.58	87.50		• •			
11	E	73.88				13.00	174.38	
**	~							
	_	43 00	ು ಇತ್ತಿಗ ಕನ	3 64		. 13. 0 0	176.94	
Haulage Driver	D	72.80				13.00		
97	D	83.20				12.00		
**	D	75.40		_		12.00		
"	D	75.4				17.00		
	D	75.40				12.00		
**	D	75.4	0 87.50	3.7	7.	. 13.00	179.67	

	Ana	exure 2	1 2	3
		token on permanent roll w.e.f	61. Nasiruddaə Shelkh	Gulzar Sheikh
	1-1-78		62. Ramji Ah ir	Dukhan Ahir
SI.	Name	Father's name	63. Krishna Choushry	Deonanden Choudhry
No.			64. Balkishun Koiri	Ramdeni Koiri
		3	65. Gangia Noniai	Bhikhari Nama
			66. Mukhdeeo Dusadh	Tula Dusadh
	Shankar Nath Caattaraj	Bliotenath Chatterej	67. Mangaru Ahir	Firangi Ahir
	D.K. Sukla	B.N. Sukla	68 Hanif Sheikh	Abdul Sheikh
	Raikum u Ram	Badri Ram	69 Kasarat Kumhar	Sheodhani Kumhar
	Kemeshwar Pd. Sinlin	Ambika Pa.	70. Laxman Teli	Keshwar Teli
	Rajkumar Ram	Ram Noresh Rom	71. Sitaram Dhobi	Sunder Dhobi
	M moh ir Sharm i	Laxui Sharma	72. Sheo Nonia	Teni Nonia
	Nirmal Yaday	Gurudayal Aldr	73. Lepa Dhanger	Legan Dhanger
	Ram Subash Yadav	Balrul Ahir	74. Samundri Bhuin	Nirpat Bhuian
	Sattar Sheikh	Sakoor Sheikh	75. Deosaran Dhangar	Biliari Dhangar
	Mohiuddin Khan	Hidayat Khan	76. Ramdas Kumhar	Seodhani Kumhar
	Lexuman Kahar	Jh ulen Kahar	77. Mansoor Khan	Wali Khan
	Bigan Lohar	Charitar Lohar	78. Chhathu Dhangar	Sukhai Dhangar
	Laxuman Dusadh	Ramdhani Dusadh	79. Chandrika Ahir	Dhanpat Ahir
	Charitar Nonia	Raghumadan Nonia	80. Sarfu Khan	Zarif Khan
	Ghoghan Kahar	Mahadeo Kahar	81. Balkesar Dhangar	Deo Dhangar
	Tribhuw n Mishra	Dasarath Mishra	32. Ramlagan Nonia	Anantu Nonia
	Nanhkoo Mishra	Raja Mishra	83. Dhurbhlkshan Koiri	Jagdeo Koiri
	Gopal Rum	Rupaeo Dusadh	84. Charitar Nonia	Pragash Nonia
	Sahadat Khan	Hedayat Khan	85. Rajia Dhangrin	Kalicharan Dhanga
	Gunauri Rajwar	Lochi Rajwar	86. Suraju Chamar	Kesar Chamar
	Karamdeo Kahar	Khaderan Kahar	87. Ramjit Kahar	Mehang Kahar
	Mohd, N. sim Khan	Wahab Khan	88. Chhathu Chamar	Khelawan Chamar
	Surfuddin Hussain	Amil Husşain	89. Kawalpatl Cherin	Sabhikhan Chero
	Suleman Ansari	Şahmir Ansari	90. Kesar Chamar	Langatu Chamar
	Ganauri Nai	Dukhan Nai	91. Mohan Ahlr	Dewan Ahir
	Ram Subhag Ahir	Matar Ahir	92. Ramchela Yaday	Ramdas Ahir
	Bharet Kahar	Raghunandan Kahar	93. Rajia Bhuin 94. Narain Ahir	Mangru Bhuian
	Gamuri Kandu	Ramkhelawan Kandu	94 Naram Amr 95. Kutubuddin Ansari	Dhanuiki Ahir
	Hukam Ahir	Bhadai Ahir	96. Jagdish Teli	Janabu Ansari Ramdas Teli
	Charitar Dhobi	Ramdeo Dhobi	97. Deobans Kumhar	Bahadur Kumhar
	Ramchander Dusadh	Jawahir Rem	98. Kawlapatia Bhuin	Janan Bhuian
32.	Brichh Ahir	Janu Ahir	99. Kabutri Bhuin	Ram Pd. Bhuian
	Fakira Ahir	Jaduni Ahir	100. Nazir Sheikh	Nimma Sheikh
_	Nand Ahir	Jeduni Abir	101. Bigan Rajwar	Sewak Rajwar
3 5 .	Belash Ahir	Sukhdeo Ahir	102. Sitaram Dusadh	Tulsi Dusadh
36.	Banahan Dhobi	Dina Baitha	103, Koloiya Dhangrin	Janki Dhangar
37.	Achhaibar Ram	Dhanukdhari Ram	104. Parmesar Ahir	Tulsi Ahir
38.	Bhola Kandu	Gansuri Sah	105. Bageshar Kahar	Baldeo Kahar
39.	Kutubuddin Dafali	Dargahi Mian	106. Ramkisun Kahar	Scotahal Kahar
40.	Hazarat Gulkhan	Mohd. Gulkhan	107. Jaishri Dhobi	Akalu Dhobi
	Rambriksh Ram	Tapeshari Dusadh	108. Ghuman Rajwar	Nanhai Rajwar
	Jaigobind Ram	Kesho Thakur	109. Raghuram Bhiuan	Bhagelu Bhulan
	Mohd, Rasool Sheikh	Kabeddin Sheikh	110. Kesar Dhangar	Jhari Dhangar
	Jagdish Dhangar	Banshi Dhangar	111. Deonarain Lal	Saraju Lal
	Ralakha n Yadav	Ramsaran Yudav	112. Sahdeo Ahir	Jokhan Ahir
	Bindesari Cham tr	G ariban Chamar	113. Lechhuman Chamar	Deonath Chamar
	Indradeo Ram	R am Sewak Ram	114. Bipat Chamar	Nanhak Chamar
48.	Suleman Ansari	Roj Mohd, Mian	115. Babulal Dusadh	Chandri Dusadh
49.	Tribeni Thakur	Mahang Thakur	116. Bibhan Dhangar	Mahabir Dhangar
50.	Saraju Thakur	Muneshar Thakur	117. Saudagar Garcri	Ramjatan Gareri
51.	Deodhari Mahato	Ghinahu Mahato	118. Rambriksh Kahar	Jaisri Kabar
52.	Dewa Singh	Keshwar Singh	119. Shyambihar Chamar	Basudeo Chamar
53.	Remsundar Yadav	Balrup Yaday	120. Rambelas Dhangar	Ramjit Dhangar
54.	Uma Kant Dubey	Girja Dubey	121. Parmesar Dusadh	Lakhpat Dusadh
55.	Gopal Ram	Ramasaran Yadav Ramgrihi Singh	122. Ramjanam Bhuian	Bhagan Bhulan
36.	Ayonhya Singh	-	123. Alimuddin Sheikh	Chheda Sheikh
	Sri Kishore Singh	Muneshwar Singh Dor Bahadur	124. Abdul Khalique 125. Sheonath Pandey	Istahak Khan
58.	Tek Bahadur Yam Bahadur	Pagbir Gurung	126 Raman Ahir	Bonimadho Pandey
		Parmesar Nonia	127. Ram Pd. Dhangar	Bhulctan Ahir Sukar Dhangar
ou.	Rajendra Nonia	ratineout Notife	Tenti I o. Tarrikal	Sukat Dijangar

[भाग ∐	- बन्ध 3(II)}	मारस का राजवन ।
1	2	3
128. Na	urang Kahar	Balkesar Kahar
	mania Dhangrin	Bechan Dhangar
130. GI	hura Chamar	Sobnath Chamer
131. Ra	ımkirit Dhangar	Lagan Dhangar
132. M	atukhdharl Nonia	Ramprit Nonia
	rbal Kandu	Nathuni Kendu
	ichhuman Koiri	Bhajan Koiri
	nagirathi Ahir	Jhulani Ahir
	ageshar Dhangar	Ramdhani Dhangar
	idheshyam Kumhar	Raghunandam Kumhar
	gdish Chamar	Manger Chamar Rahmat Sheikh
	izaimuddin Sheikh .rgas Ahir	Aniwas Ahir
	undrika Ahir	Laldhani Ahir
	jun Koiri	Brichh Koiri
	snath Sahu	Jaga Sahu
	leshwar Kolh	Janki Kolh
145. Ra	mnath Koiri	Sukhari Koiri
	sarath Thakur	Ramdeni Thakur
147. M	ukhlal Koiri	Fakira Koirl
148. Ra	amprawesh Tewari	Damodar Tewari
149. Ka	amaldeo Koiri	Sukhari Mahto
	rgas Koiri	Dukei Koiri
	khlal Koiri	Fakira Koiri
	tyanarain Ram	Ramkisun Ram
	andradlp Ram	Munshi Ram
	sodwa Bhuin	Ramsunder Bhuian
	homuks Dusadh	Ramdni Dusadh
	ijia Dhangar	Ramdhani Dhangar
	neo Koiri nod Bihari	Jagroop Koiri Jagnarain Ram
	idama Ram	Dhanukdhari Ram
	ımkrit Ahir	Dukhi Ahir
	all Bhuian	Sukhdeo Bhulan
	ambriksh Kahar	Chhakauri Kahar
	tia Dusadhin	Blsunath Dusadh
	ailesh Dusadh	Sahdeo Dusadh
	lakdhari Dhangar	Mangar Dhangar
166. Ra	amsowak Ram	Sita Dusadh
	ajmohan Koiri	Sadhuni Koirl
168. Re	amjanam Koiri	Rupu Koiri
169, H	arihar Mahto	Ramdas Koiri
	oasia Bhuin	Sukan Bhulan
	khuri Noniain	Akalu Nonia
	oj Mohd. Shelkh	Sarfud in Sheikh
	amlakhan Nonia	Sunder Nonia Kail Ram
	ithwi Ram otichand Dhobi	Girdhari Dhobi
	athuni Sheikh	Kasim Sheikh
	ohd. Hassan	Abdul Sheikh
	ambelash Nonia	Basudeo Nonia
170. IX	adan Mohan Pathak	Bhola Pathak
	amchander Nonia	Budhu Nonia
	akil Mohd. Khan	Gulam Rasul Khan
182. Jir	wa Bhangrin	Karamdeo Dhangar
	adhia Chamain	Chanderdeo Chamar
	anesh Bhuian	Sohrai Bhuian
	amchander Bhulan	Jethu Bhuian
	anmatia Dhangrin	Dasarath Dhangar
	arami Dhangrin	Balesar Dhangar
	ajkumar Chero	Sabhikhan Chero
	amjanam Rajwar	Hari Rajwar
	nu Dhangar	Kesar Dhangar
	idhan Dusadh	Brichh Dusadh
	amadhar Kandu	Sita Kandu
	apildeo Singh	Janki Singh Amirchand Kahar
194, G	upteshwar Ram	Anniciand Vallet
1042	GI/82—6	

1 2	3
195. Srinath Kahar	Ghura Kahar
196. Moti Lal	Jagarnath Lal
197. Sadamir Khan	Hajrat Mir Khan
198. Jamuna Thakur	Ramkeshwar Thakur
199. Rajmohan Sharma	Jalsri Mistri
200. Dilip Kumar	Krishna Lohar

[No. L-29011/57/74—L.R. IV/D. III (B)] KANWAR RAJINDER SINGH, Under Secy.

New Delhi, the 1st December, 1982

S.O. 4216.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the National Industrial Tribunal, Bombay on a complaint from the workman under section 33(A) of the said Act, which was received by the Central Government on the 24th November, 1982.

BEFORE THE NATIONAL INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

Complaint No. NTB-5 of 1980

(Arising out of Reference No. NTB-1 of 1980)

PARTIES:

Ramsagar Shivial Herijan, Bindu Bangla, S. V. Road, Ville Parle (West) Bombay-400056.

... Complainant.

Versus

Air-India, Air-India Building, Nariman Point, Bombay-400021.

... Opposite Party.

APPEARANCES:

For the complainant—Mr. M. B. Anchan, Advocate. For the opposite party—Mr. B. P. Israni, Advocate.

INDUSTRY: Airlines.

STATE: Maharashtra

Bombay, the 14th day of October, 1982

AWARD

This is a complaint filed by the complainant under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, against the opposite party, Air-India, Bombay.

- 2. The complainant alleged that he was employed as a loader in the Cargo Department of the opposite party since January, 1973 at Santa Cruz Airport. On 18th October, 1976 he was charged for the alleged stealing of a parcel containing some solution worth Rs. 5 from the mail bag at Mul Section. A complaint was lodged with the Police and the Police filed a criminal case against him in the Court of the Metropolitan Magistrate, 22nd Court at Andherl, Bombay. The learned Magistrate by his order dated 21st June, 1977 convicted the complainant under Section 381 of the I.P.C. and sentenced him to suffer simple imprisonment till the rising of the Court and to pay a fine of Rs. 200. The complainant preferred criminal revision application in the Court of Sessions, Greater Bombay. This application was dismissed and the conviction was confirmed.
- 3. The complainant alleged that when he was charged for the alleged theft he was told by the Departmental Head that he will be taken back on duty if he succeeded in the criminal case. The complainant approached the officer after his conviction in the criminal court. He was told that since he has been convinced he will not be taken back on duty. The complainant submitted that epposite party has not charged him for the said misconduct under the Service Regulations nor a show-cause notice was issued to him as required under rules. His removal from service is therefore against the principles of natural Justice, mala fide and illegal. At the time of his illegal removal Reference No. NTB-1 of 1980 was pending before this Tribunal and the complainant was concerned in that dispute. The complainant therefore alleged that the opposite party has committed breach of

Section 33 of the Idustrial Disputes Act. The complaint therefore prayed that this Tribunal be pleased to decide the complaint and pass orders thereon reinstating him with full back wages and continuity of service.

- 4. The opposite party, Air-India, filed its written statement on 31st March, 1982, pleading as follows. The complainant was a casual worker doing work of a casual nature in the cargo section of the opposite party at Santa Cruz, Bombay. He used to work only on such days when his services were required by the opposite party and that too only if he made himself available for work on those days. There was no obligation on him to present himself for work. On any particular day or days, Similarly, there was no obligation on the opposite party to engaged him for duty on any day or days on which he might present himself for work. On 18th October, 1976 he was arrested by the Police on a charge of theft. The opposite party therefore decided not to engage him thereafter for casual work. The opposite party was not bound or liable to given any work to the complainant. Thus, there has been no removal from service as alleged by the complainant. There was no reference pending before this Tribunal on 19th October, 1976, from which date the complainant was not given work. In these circumstances, there was no question of applying for approval under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act. There was no breach of the provisions of Section 33 and consequently no complaint can lie under Section 33A. The opposite party pointed out that the order of reference pertaining to Reference No. NTB-1 of 1980 was made on 29th January, 1980, and the alleged action of removal from service took place before the said reference was made by the Central Government to this Tribural. Consequently, there was no question of making an approval application. It was denied that the complainant was employed as a loader as alleged by him. There was no question of taking him back on duty since he was only a casual worker. There was also, according to the opposite party having charged him with misconduct. The complainant being a casual worker it was at the option of the opposite party to assign to him or not to asign to him duties on any particular day or
- 5. The complainant had engaged the services of an Advocate. On 14th October, 1982 which was the date of hearing of this complaint, Mr. Anchan, the learned counsel for the complainant, informed this Tribunal in writing that the complainant did not want to prosecute further this complaint and that he be allowed to withdraw the same. It was prayed that an award may be made accordingly disposing of this complaint.
- 6. According to the complainant, the complaint arose out of reference No. NTB-1 of 1980. The opposite party has pointed out that the order of reference pertaining to the said reference is dated 29th January, 1980. Even on the admission of the complainant he was not given work from 18th October, 1976 or thereabout. On that day, he was charged for the alleged theft of the article mentioned in the complaint. He was convicted by the learned Magistrate on 21st June, 1977. It is the contention of the opposite part that the complainant was a casual labourer, and that the opposite party was not bound or liable to give any work to the complainant. No work was given to him after he was found to have committed theft of some article from the mail bag at Mail Section. The Reference No. NTB-1 of 1980 was obviously not pending when the complainant according to him was removed from the service. According to the opposite party, as he was a casual labourer there was no question of removal. For all these reasons there is no merit in this complaint. The complaint is therefore liable to be rejected.
 - 7. My award accordingly. No order as to costs.

M. D. KAMBII, Presiding Officer [No. L-11014(1)/82-D.II(B)]

S. S. PRASHER, Deak Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1982

क्षा॰ का॰ 4217:- केन्द्रीय सरकार ने यह ममाधान हो जाने पर कि कोकहित में ऐसा सरना क्षेपिकन या ग्रीद्योगिक विवाद श्रीधिनयम, 1947 (1947 का 14) भी बारा 2 के खण्ड (द) के उपबंद (vi) के उपवंदी के प्रमुगरण में भ्राप्ता गरकार के धन मंत्रालय की प्राप्तपूर्णना संख्या कार प्रार्थ 3194 तार्राच्य 27-5-82 प्रार्थ लीह भ्रयस्क उद्योग की उक्त प्रधितियम के प्रयोजनीं के लिए 4-6-1982 से छ. मास की कालावधि के लिए लाक उपयोगी सेवा मापित किया था ;

धीर केन्द्राय , सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालाश्रीय को क मास की शीर कालाविश के लिए बढ़ाया जाना अवेशित है;

प्रमा प्रवा, भोजोशिक विजाद प्रसित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (इ) के उपखड़ (vi) के परम्कुक द्वारा प्रदत्त प्रित्ममें का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उक्त उचाल को उक्त प्रधिनियम के प्रयोगनों के लिए 4-12-82 में छ. मान की भीर कासावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा भोषित करती हैं।

[सं॰ एस-11017/8/81-की -1 (ए)] मन्द्र साल, भवर साणिव

New Deihi, the 1st December, 1982

'S.O. 4217.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2194 dated the 27-5-1982 the iron ore mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 4-6-1982;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 4-12-1982.

[No. S-11017(8)/81-D. I (A)] NAND LAL, Under Scey.

मई विल्ली, 6 दिसम्बर, 1983

का० आ०: — बान प्रधिनियम , 1952 (1952 का 35) भी बारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री तारा शंकर मुखर्गी को मुख्य खान निरीक्षक के प्रश्रीन निरीक्षक के वर्ष में नियुक्त करती हैं ।

[संख्वा ए० 12025/1/81 एस-1]

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4218.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Tara Sankar Mukherjee as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/1/81-MI]

का० ग्रा० 1219.-- खान मधितियम, 1952 (1952 का 35) की घारा 5 की उपधारा (1) अंश्रा प्रदक्त मित्तयों का प्रयोग करते हुए केकीय सरकार श्री आर० रामा चन्छरन को मुख्य खान विशेशक के स्कीम निरीझक के कप में नियुक्त करती है।

> [सं॰ ए.॰ -12025/4/81 एश॰ 1] जे॰के॰ अँग, अगर सिण्य

S.O. 4219.—In exercise of the powers conferred by subsection (I) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri R. Ramachandran as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/4/81-MI]

J. K. JAIN, Under Scey.

New Delhi, the 6th December, 1982

S.O. 4220.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Baroda, Ahmedabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 27-11-82.

BEFORE SHRI G. S. BAROT, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD.

Reference (ITC) No. 3 of 1982

Adjudication

BETWEEN

The Management of Bank of Baroda, Ahmedabad

AND

Their workmen.

In the matter termination of services of Shri I G. Shah.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, have, vide their Order No. L-12012/160/80-L II(A) dated February, 1982, referred for my adjudication the industrial dispute between the management of Bank of Baroda and their workmen, under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 1947. The dispute relates to the matter specified in the Schedule appended to the said Order, viz:—

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, Regional Office, Ahmedabad, in terminating the services of Shri I. G. Shah with effect from 7-6-73 is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled and from what date?"

2. It appears that usual notices were issued to the parties. Shri I. G. Sligh, the workman concerned, filed his statement in support of his case for reinstatement in service with full back wages, and the matter was pending for filing of the statement by the management of Bank of Bir '.' However, on 29-10-82, the rarties stated that they had arrived at an amicable settlement in this matter, and that therefore this reference be disposed of in terms of their settlement Going through the sottlement submitted by the parties, it appears to me that it is just, fair and reasonable and in the interest of the workman concerned. I, therefore, take the settlement on record at Ex. 8 and make award in terms of Ex. 8 which is annexed hereto and marked Annexure 'A'. Considering the circumstances of this case, I direct the management of Bank of Baroda to pay Rs. 75 by way of costs of this matter.

G. S. BAROT, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

FORM-H

Name of parties :

Representing Employer.—Mr. A. J. Menezes, Regional Manager, Bank of Baroda, Kaira Region, Opp., Income Tax Office, Ahmedabad-380014.

Representing the workman —Mr. K. R. Mehta, Authorised Representative, Manapor Chakla, Gamdhi Sheri, Dabhoi-391110,

SHORT RECITAL OF CASE

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, vide its order No. L 12012/160/80-D II(A), dated 8th February 1982 referred the Industrial Dispute over alleged illegal termination of services of Shri I. G. Shah w.e.f. 7th Iune 1973 before the Industrial Tribunal, Ahmedabad-I. The concerned workman Shri I G. Shah filed his statement of claim before the Hon'ble Industrial Tribunal, Ahmedabad. During the pendency of the claim before the court, negotiations were going on between both the parties mentioned above for anticable settlement of aforeraid Industrial Dispute. The parties have now settled the dispute as follows:

TERMS OF SETTLEMENT

- The Management of Bank of Baroda will reinstate Shri I. G. Shah residing at Baroda as an confirmed employee on starting basic salary of Rs. 580 p.m. as per the Third Bipartite Settlement with continuity of service with effect from 12-5-1972.
- 2. The terms of the Settlement will be implemented/come into operation on completion of one month from the date of signing of this Settlement subject to the following:
- (a) Shri I. G. Shah is found medically fit;
 - (b) Shri I. G. Shah agrees that his absorption as stated above is in full and final settlement of all his claims against the Bank.
 - (c) Shri I. G. Shah will not claim any back wages and other consequential benefits like leave, medical aid etc.
 - (d) Shri I. G. Shah gives an undertaking not to claim any special allowance for a period of five years from the date of his absorption.
- (e) Shri I, G. Shah agrees to withdraw all his representations in the matter made to the various authorities under the Law.

Representing Workman

(K. R. MEHTA)

Representing Employer.

Authorized Representative

Witnesses:

1. Shri S. M. Nayak,

Regional Manager

(A. J. Menezes)

2. Misa S. B. Arya

Kaira Region

Date.-29th October 1982.

Ahmedabad.

Place .- Ahmedabad.

INo. L 12012/160/80-D. II (A)]

5.0. 4221.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab, and Sind Bank, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th November, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, BOMBAY.

PRESENT :

Shri M. A. Deshpande, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/9 of 1982

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Punjab & Sind Bank.

AND

Their Workman

APPEARANCES :

For the Employer.—Shri D. O. Sanghvi, Advocate (2) Shri Ranjit Singh, Officer.

For the workman—(1) Shri Surinder Singh Bali, President Punjab & Sindh Bank Employees' Union. (2) Shri Gopal Sharma (Workman in person).

INDUSTRY:

Banking

STATE:

Maharashtra

Bombay, the 11th November, 1982

AWARD

By their order No. L-12012/214/81-D. II(A) dated 25-1-1982 the Central Government have referred the following dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the action of the management of Punjab & Sind Bank in relation to their Masjid Bunder Branch, Bombay in terminating the services of Shri G. B. Sharma, Peon with effect from the 2nd May, 1979 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled to?"

2. As is evident from the order of reference, the reference relates to the termination of the services of Shri G. D. Sharma, peon with effect from 2-5-1979. What is referred is to find out whether the said termination order is justified and if not what relief can be extended to the workman. The matter has been espoused by the Union on behalf of the workman and the Union as well as the management have reached at a settlement whereby on making a fresh application for appointment on probation as a Peon, the Bank has assured to consider the prayer and in fact it has been already given. It is true that had the matter been contested and had the matter been decided in favour of the workman he would have got far more than the reliefs which he is getting under the settlement. Yet the parties it seems have decided that instead of leaving the matter to the vagaries of law better come to the terms of settlement. The Union has cerified the terms of settlement as just, fair and reasonable with which endorsement I fully agree on going through the relief offered to the cashiered peon. The settlement is reasonable, fair and proper and order can be passed in terms thereof. Award is made accordingly. No order as to costs.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, BOMBAY.

Reference (CGIT No. 2/9 of 1982

BETWEEN

Management of Punjab & Sind Bank

AND

Their Workmen

Memorandum of Settlement on behalf of Punjab & Sind Bank in response to the proposal received from the workmen.

May it please the Honourable Tribunal-

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas Sh. Gopal Dutt Sharma was given a appointment of a Temporary Peon at B/o Masjid Bunder, Bombay for the period 27-3-1978 to 26-6-1978, 29-6-78 to 28-8-78 & 1-9-78 to 31-10-78.

And whereas Sh. Gopal Dutt Sharma was taken on probation into the service of the bank at its Musjid Bunder branch w.e.f. 3-11-78 as a Peon. And whereas Sh. G. D-Sharma was not confirmed in bank's service and was informed vide letter dt. 2-5-79 to that effect.

And whereas Sh. G.D. Sharma raised an industrial dispute on his nonconfirmation which was subsequently referred to Central Govt. to $CGI\Gamma$, Bombay for adjudication which is still pending.

Whereas Sh. G. D. Sharma has represented to the bank vide his letter dt. 20-10-82 and has requested for a fresh employment in the Bank. The parties have mutually agreed to settle the dispute in the following terms.

Terms of Settlement:

- 1. That the management has agreed as a gesture of good-will to offer fresh appointment as a Peon to Sh. G. D. Sharma on probation for a period of six months at branch office.
- 2. That Sh. G. D. Sharma will make an application for fresh appointment on probation as a Peon with the Bank.
- 3. That Sh. G. D. Sharma has agreed that his fresh appointment will be new and he will not be entitled to for any claim/benefit monetary or otherwise for the past service rendered by him with the bank.
- 4. That Sh. G. D. Sharma has agreed that he will not claim any back wages or claim any compensation nor the continuity of service with the bank for his service rendered previously i.e. prior to 10-11-82.
- 5. That in view of this settlement the employees has agreed not to raise any dispute of whatsoever in nature about his past service with the bank and will not claim any relief whatsoever from civil courts, Labour Courts/Tribunal/Conciliation Office or any other authority.
- 6. That the CGIT Bombay where the dispute is pending would be requested by the parties to give an award in terms of this settlement.

For the Workmen:

For the Management :

Witness:

1. Sd|- illigible

Sd |- illigible

2. Sd - illigible

[No. I.-12012(214)/81-D. II (A)] N. K. VERMA, Desk Officer

Dated the, 17-11-82.

नई विल्ली, 6 विसम्बर, 1982

कार आर 4222--केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि हेमाटाइट खानों के नियोजन की बायन मजदूरी की दरें, न्यूनतम मजदूरी श्रीधिनियम, 1948 (1948 का 11) के श्रधीन नियन की जानी चाहिएं;

श्रतः भ्रम केर्त्यं सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 27 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुन, उक्त नियोजन को उक्त ध्रिप्तियम की धनुसूची के भाग I से जोड़ने के धरने भाषाय की सूचना देशी है;

इस प्रधिश्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से सीन मास की ध्रविध की समाप्ति पर था उससे पूर्व उक्त परिवर्धन की बाबत किसी व्यक्ति से जो भी सुझाब या प्राक्षेप प्राप्त होंगें, केन्द्रीय सरकार उन वर विवार करेगी।

[एप॰ 32017/3/83-इन्ट्यू० सी० (एस॰ इन्ट्यू०)] एस० एस० मेहता, अवर सनिव

New Delhi, the 6th Docember, 1982

S.O. 4222.—Whereas the Central Government is of opinion that the minimum rates of wages should be fixed under the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) in respect of the employment in Hernatite mines;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 27 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to add the said employment to Part I of the Schedule to the said Act.

Any suggestions or objection, which may be received from any person in respect of the said addition on or before the explry of a period of three months from the date of publication of this notification in the official Gazette, will be considered by the Central Government.

[No. S-32017/3/82-WC(MW)] M. L. MEHTA, Under Secy.

नर्ड (धरुणी, 6 दिसम्बर, 1982

का॰ बा॰ 4223.—केन्ब्रीय सरकार, लौह मयस्क खात धौर मैंगजीभ धयस्क खान भ्रम करूपाण निधि मधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 10 के धनुसरण में 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान उक्त मधिनियम के मधीन वित्तरोपित कियाकलायों को मिम्मलिखित रिपोर्ट उस वर्ष के लेखा थिवरण के साथ इसके द्वारा प्रकािक करेली है।

प्राप I

(क) साधारण :- लीह भयस्क खान भम कल्याण उपकर श्रध-नियम, 1961 लीड प्रथम्क पर उपकर के उत्प्रहण गौर संप्रहण का तवा नौह प्रयस्क खान उद्योग में कार्य करने वाले मिनकों के कल्यान की धानिवृद्धि करने के कियाकलाय के विशा पोषण का उपबंध करने के लिए प्रधिनियमित किया गया था । ग्रिप्रिनियम पहली ग्रन्त्बर, 1963 को प्रवृत्त हुआ या भीर पहली प्रक्तूबर, 1964 का उसका विस्तार गोबा, यमन ग्रीर दंश्य संघ राज्य क्षेत्र को कर दिया गया । पूर्वोक्त अधिनियम मोह अपस्प जान भीर मैंग्नोज अयस्य जान अप कल्याण उपकर ग्राधिनियम, 1976 (1976 का 55) भीर लीह ग्रयस्क खाम बौर मैर्गजीन प्रयस्क खान अम कल्याण निधि प्रधिनियम, 1976 (1976 का 61) द्वारा प्रतिस्थापित कर विया गया है। नए प्रधिनियमों में निर्मात किए गए भीर मन्तर्वेशीय उपयुक्त लोह मयहक के प्रति भीडियी इन पर अधिक से अधिक एक रूपया और मैगनीज अयस्क के प्रति बीटरी दन पर छह रपया की बर से उपकर उदग्रहण करने का उपबंध किया गया है। 1-7-81 से लीह धयस्क पर उदग्रहण की दर को 25 वैसे प्रति में टरी टन से बड़ाकर 50 पैके प्रति में टरी टम कर दिया गया है मैगरीज अयस्क पर उद्ग्रहण की वर्तमान दर एक वपया प्रति मीटरी दन है। उपकर के धारमों का उपयोग मुक्य हुए से लोक स्थास्थ्य धीर स्वच्छता में मुधार, रोग मिनारण, शैक्षिक सुविधाओं धीर विकित्सीय सुविधाओं की स्थायस्था और उनमें सुधार धीर जल प्रवाय योजनाओं, सामाजिक दणाओं में वेंहतरी धीर धामोब-प्रमोद धावि की सुविधाओं के उपजंध धादि के लिए किया जाता है। कल्याण सुविधाएं सीचे नियोजित कर्मकारों या ठेकेदारों के माध्यम से नियोजित कर्मकारों को बी आती है।

- 2. उपकर, निर्मात किए यए बौह मैनजीन झयस्क पर सीरा शुल्क के रूप में और अन्तर्वेशीय रूप में उपयुक्त लौह/मैंगनीज अयस्क उत्पाद-शुरूक के रूप में उपभोग उपकर उद्महीत किया जाता है। करवाण आयुक्तों की भी अन्तर्वेशीय उपयोग उपकर के संग्रहण के प्रयोजनामं उपकर झायुक्तों के रूप में बोचित किया गया है और उनकी भविकारिता भी सिक्सुचित की गई है। सीमागुरूक के रूप में करेशण उपकर का संग्रहण सीमा-शृत्क विदान द्वारा किया जाता है जिसे अग्रहण प्रशान के रूप में 1/2 प्रतिशत विया जाता है।
- (ख) कल्याण कार्य :-- विभिन्न पी.वीं के प्रक्रीन कल्याण कार्य नीचे दिए गए है, जिन पर वर्ष के दौरान कल्याण निधि से पूंजी जगाई गई दै।
 - (i) भिक्तिस्ता सुविधाए :---

1000 रुपये प्रतिमास सूल वेतन पाने बाले लीह प्रयस्क वैंगनीज प्रमस्क भिनकों तथा उनके भाश्रितों को चिकित्सा सुविधाएं संगठन हारा सुपत दी जा रही थी। कर्मकारों भीर उनके भाश्रितों को संगठन हारा लोह भयस्क/मैंगनोज भयस्क उत्पादक राज्यों में स्थापित निम्नलिखित भस्पतालों/भीवधालयों भावि में जिकित्सीय सुविधाएं निशृस्क संवक्षक कराई गई है:--

विद्वार

- 1. केन्द्रीय धस्पतास, वड़ाजामवा (50 सैमाएं)।
- 2. चल चिकित्सा मीपधासय, बङ्ग्लाभदा ।
- 3. स्थिर एलोपैषिक भौवधालय, करमपाका ।
- स्थिर एलीपैथिक भीषाधालय, न्द्रेश ।

उड़ी सा :

- 1. केन्द्रीय ग्रस्पताल, जोड़ा (50 वैयाएं)।
- 2. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जावरी ।
- 3. चल चिकित्सा श्रीवधालय, बारविस ।
- 4. प्राथमिक स्वास्थ्य केला, सुप्रागीय ।
- बादम पहाड़ स्थिर व चल घरपताल यूनिकः ।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, टोमका ।
 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिगीरा ।

महाराष्ट्र

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रेडी ।

मध्यप्रदेश

- 1. चल चिकिरसा भीषधालय, रचहारा ।
- 2 जल जिलिस्सा भोगधालय, बैलाजिला (डिपोजिट सं० 8) ।
- 3. चल चिकिस्सा भौषधालय, बैलाबिला (विभोजिट सं• 14) ।

कर्पाटक

- ा केम्ब्रोस प्रस्पताल, करी गमूर (25 मीवाएं)।
- 2. चल चिकिस्सा भौवधालय, करीगनूर ।
- इस्थर व चल चिकित्सा भौववालय, सन्दूर ।
 गोवाः

ा. 1. केन्द्रीय झस्पतास, पिल्लियम, दर वंदीरा डिस्का गीवा (20

(जैयाएँ) 2. जल जिकित्सा सीवक्षालय, जिरमुखरम । इसके मितिरिक्त लीह अयस्क/मायमार मैंगनीज खनिजीं और उनके हुट्टूम्ब के संबस्यों के प्रयोग के लिए टी गाँउ सेनेटीरिमी भीर मार्य प्रस्थताओं में गैयाओं का आरक्षण जारी रखा गया । बिहार क्षेत्र के लिए ऐसी 45 गैयाएं भीर उड़ीसा क्षेत्र के लिए 32 भैयाएं, महादेशी बिहला सैनेटीरियम, रांची में उपलब्ध हैं। इसी प्रकार महाराष्ट्र में सेट ल्यूबन अस्मताल, बेन्गुरला में भी 2 गैयाएं आरक्षित रखे गए हैं। मध्य प्रदेश में खिनकों भीर उनके माश्रितों के प्रयोग के लिए हिन्दूम्वान स्टील लिमिडेड के जिलाई स्थित मुख्य अस्पताल में 4 गैयाएं आरक्षित को गई हैं।

आन्छ्र प्रदेश में लीह अगस्क और मैंगतीज अथस्क खनिकों को जिकि-त्सीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक ग्राफ्टर की अंशकालिक सेगाएं जारी रखी गई ।

बालाषाट, मध्य प्रवेश में 50 शैयाओं वाला श्रस्तताल स्थापित करने के प्रस्ताव को सिद्धांत रूप में श्रनुमोदित कर दिया गया है।

नीह अयस्क आरान तथा मैंगनीज अयस्क आरानो के ऐसे मालिकों को, को निर्वारित मानक तक भीवधालय और अस्पताल जला रहे हैं। वार्थिक सहायता अनुदान की गई है।

धनोच्य वर्ष के दौरान लोह भगस्क कान और मैंगनीज धनस्क खान व्यक्तिको तथा उनके धामितों को चिकित्सीय सुविधामी की ध्यवस्था करने के किए 57.81 लाख रूपये कर्ष हुए ≀

(ii) भाषास सुविधाएं:

सीह प्रयस्त और मैंगनील प्रयस्त खानिकों के लिए प्राथास की व्यवस्था करना संगठन के मुख्य कार्यकलायों में से एक कार्यकलाय है। सीन योजनाएं है प्रयाद — (1) यम लागत प्राथास योजना (टाइप 1) (2) नई प्राथास योजना टाइप II प्रीप (3) प्रयना प्रकान बनाओं योजना (टाइप 1)। मकान की धनुमानित लागत 68.25 क्ये है। कार्या करास वाली या उमार प्राप्ती मिट्टी वाले केल में 79:5 कर है जबकि टाइप-II मकान की धनुमानित लागत 11,325 क्ये है। कार्या क्यास वाली या उमार वाली मिट्टी वाले केल में 13,425 क्ये है। ध्राप्ती मध्यान बनाओं योजना के धनुमानित कार्या में प्राप्ती कार्या मध्यान बनाओं योजना के धन्यांत मकान की धनुमानित लागत 1500 कर है। 600 रुपये धार्यक सहापना के सप में प्रीर 900 रुपये विमा ब्याज के का में दिए जाते हैं।

- केन्द्रीय मलाहकार बोर्ड ने भागास कार्यकर्षों की पुनरीक्षा याने
 के किंद्र स्प समिति गॉटिंग की है। रिपोर्ट प्राप्त हो गई है भीए विजासबीय है।
- 3 (तिश्व के न्यापन से विभिन्न माजान स्कोमों के श्रद्धीन 2,980 मकानों के तिमाण की मंजूरी दी गई थी। शब तक 11,549 मकान सैयार हो जुक है और 420 नकान निर्माणाधीन है। भानोक्ष्य क्ष्य में श्रावास सुधियाएं प्रदान करने के लिए निधि से कुछ 2,427 साक्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्या।
- (iii) जल प्रथाय मृथिष्ठाएं निष्ठि के स्थापन से निष्ठिक क्षेत्रों से सम्बूर को गई 43 जल प्रयाय म्हिंसों में 1 33 जन प्रदाय स्कीमें सल रही है जिससे यह सूचिन किया जाना है कि मेल योजनाएं प्रगति पर है। प्राच नक विशिन्न कोनों में 45 कुए याद गए है। प्राचलिय कर्ष के बीरान जल प्रयार स्कीमों में कुन 18 09 जिस्स में बाईसरोन के बीरान जल प्रयार स्कीमों में कुन 18 09 जिस स्वार्थ खर्म किए गए हैं। प्राचलिय रिपोट को स्विधि के धानम, जिस्सा में बाईसरोन बेसी में 2 08 क्षरोर कर्य की लागा में एक नमेकिं। जल प्रयाय बोजना की स्वार्थ दी गई है। इस योजना भी कृष्य नागत का 50 प्रशिक्त कोई स्थान खान सीर मैंग्लोज अवस्य खान यान कल्याण निश्चि में के केबीय सरकार हो। गहन किया आएगा। 1981-83 के वीराम सक्य करकार को 18,50 शास क्यार दिए गण है। गाम्य सरकार स्वार्थ करकार को 18,50 शास क्यार हों का कार्य करेगी।

(iv) शैक्षणिक स्रोर सामोद-प्रमोद की गुवि**ध**ाए सोप्र/मेंगनी मायल बाम कर्मकारों भीर उनके परिवारों के लिए बैक्षिणिक भीर मामोष-प्रमोप सुन्धि। मों, जिनका वर्ष पिधि से मिया जाता है, 40 **बहु उद्देशीय संस्थार्मी, 2 क**न्याण केम्ब्रों, 6 महिला बाल कल्याण केम्ब्र, 13 चल जिल्ल एकक,, एक भनकाण गृह, 159 रेडियो केन्द्र सथा तीन परिवहन बसे सम्मिलित हैं। मध्य प्रदेश क्षेत्र में बानों के माशिकों को खोल-कूथ, खोल टूर्नामेट गादि के श्रायोजन के लिए महायता सनुदान मजुर किए गए हैं। अनुमोदित योजना के अनुसार सीह/सेंगनीज अधस्क श्वात श्रमिकों के उन बालकों को फ़ाज़व्सित देने की सुविधा जारी रखी गई, जो विद्यालयों/महाविद्यालयों भीर तकनोकी संस्थाओं मे सध्ययन कर रहे हैं। मध्य प्रदेश, गोवा, उद्यीमा और ब्रिहार क्षेत्रों के स्कूकी के वण्चो को मध्याहुन योजना देने के स्कीम जारी रखी गई। इस स्कीस को महाराष्ट्र क्षेत्र में गुरू फिया गया है। मध्याह्न योजना की दर 75 पैसे प्रति वालक प्रतिदिन है। कुछ क्षेत्रों में लौह मयस्क खिलकों के प्राथमिक स्कूल में जाने वाले वालको के लिए वर्षिया भी दी गई। है। भालोध्य वर्षके दौरान इन सुविधान्नो पर कृप 20 71 लाखा स्पए की र शिषा आवर्ष की गई भी।

(ग) बातक कीर गम्भीर बुबेंडना साथ बीजना

कुर्बंडमा के शिकार हुए व्यक्तियों की विजनाओं और बच्चों का विस्तिय सुविधाए देने की योजना की प्रायोक्य वर्ष के दौरान जारी रखी गई।

भाग-II

पहरी मानैल, 1981 को ध्रयशेष 1,83,63,860.98 वर्ष 1981-82 के दौरान प्राप्तियां 1,85,86,116.36 दर्ष 1981-82 के दौरान व्यय 1,34,08,884.17 31 मार्च, 1982 को अवसेष 2,35,11,093.17

भाग-[i]

1982-83 के लिए प्राप्तिया धीर व्यय का प्रावसलन।

प्रावकितित प्राप्तियाः

1,80,00,000.00

2 प्राक्किसित ग्याय

2,06,13,000 00

[फाईम सं० एव-12015 | 2 | 82 -एर० 4/ wIl] टा० डी० महद्वीया अवट सचिव

New Delhi, the 6th December, 1982

5.0. 4223.—In pursuance of section 10 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976), the Central Government hereby publish the following report of the activities financed under the said Act, during the year ending the 31st March, 1982 together with a statement of accounts for that year.

PART I

(a) General.—The Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 was enacted to provide for levy and collection of cess on Iron Ore for financing activities to promote the Welfare of the labour working in the Iron Ore Mining industry. The Act came into force on the 1st October, 1963 and was extended to the Union Territory of Goa, Daman and Diu on the 1st October, 1964. The aforesaid Act has been replaced by the Iron Oie Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1976 (55 of 1976) and the Iron Oie Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976). The new Acts provide for the levy of a cess at a rate not exceeding one rupee per metric tonne of iron ore and rupees six per metric tonne on manganese ore exported or consumed internally. The rate of levy on iron ore has been increased from 25 paise per metric tonnes to 50 paise per metric tonne with effect from 1-7-81. The present rate of levy on manganese ore utilised mainly for improvement of public health and sanitation, prevention of diseases, provision and improvement of

educational facilities, medical facilities, housing and water supply schemes, amelioration of social conditions, provision of recreational facilities etc. The Welfare facilities experience workers employed directly or through contractors.

2. The cess is levied as a duty of customs on the iron ore and manganese ore exported, and as a duty of excise on iron one and manganese one consumed internally. Welfure Commissioners have also been declared as Cesa Commissioners and their jurisdictions have been notified for purposes of collections of cess on internal consumption. The collection of welfare cess as a duty of customs is made by the Departmental of Customs who are paid half per cent towards collection charges.

Welfare activities.-The Welfare activities under different heads financed during the year from the welfare funds are indicated below :-

- (i) Medical facilities.—Medical facilities to iron ore and manganese ore workers getting a basic pay of Rs. 1,000 per month and their dependents were provided free by the organisation. Facilities were made available to the workers and their dependents in the following hospitals/dispensaries etc. established by the Organisation in different iron ore/ manganese ore producing states.
- BIHAR.—(1) Central Hospital, Barajamda (50 beds).
 (2) Mobile Medical Dispensary, Barajamda.
 (3) Static Allopathic Dispensary, Karampada.

 - (4) Static Allopathic Dispensary, Nuia.
- ORISSA,--(1) Central Hospital, Joda (50 beds).
 - (2) Primary Health Centre, Jaruri.
 - (3) Mobile Medical Dispensary, Barbit. (4) Primary Health Centre, Nuagaon.
 - (5) Static-cum-Mobile Medical Unit at Madamphus.
 - (6) Primary Health Centre, Tomka.
 (7) Primary Health Centre, Siljore.

MAHARASHTRA .- (1) Primary Health Centre, redi (Distt. Sindhudurg).

- MADHYA PRADESH .- (1) Mobile Medical Dispensary, Raihara.
 - (2) Mobile Medical Dispensary, Bailadila (Deposit
 - No. 5).
 (3) Mobile Medical Dispensary, Bailadila (Deposit
 - No. 14).
- KARNATAKA....(1) Central Hospital, Kariganur (25 beds).
 (2) Mobile Medical Dispensary, Kariganur.
 (3) Static-cum-Mobile Medical Dispensary, Sandum.
- GOA .- (1) Central Hospital, Pilliem, Darbandora, Tiska Goa (50 beds).
 - (2) Static-cum-Mobile Medical Dispensary. Curchorem.

Besides, beds were continued to be reserved for the exclu-Besides, beds were continued to be reserved for the exclusive use of Iron/Manganese Ore mines and their families in T. B. Sanatoria and other hospitals. 45 such beds for Bihar region and 32 beds for Orissa region are available in the Mahadevi Birla Sanatorium, Ranchi. Similarly, 2 beds have also been reserved at St. Lukes Hospital, Vengurla in Maharashtra. In Madhva Pradesh. 4 beds were reserved in the Bhilai main hospital of the Hindustan Steel Ltd. and 5 general beds were reserved in the Distt. Headquarters Hospital at Keonjhar for the use of miners and their dependents. dents.

The services of a part-time doctor were continued providing of medical facilities to the from Ore Mines and Manganese Ore Mines Workers in Andhra Pradesh.

proposal to set up a 50 bedded hospital at Balaghat, Madhya Pradesh has been approved in principle.

The owners of the fron one mines or manganese ore mines who maintain the dispensaries and hospitals up to the prescribed standard have been paid annual grants in-aid.

A total expenditure of Rs. 57.81 lakks was incurred on the provision of medical facilities to the iron ore mines and manganese ore mine workers and their decendents during the year under report.

- (ii) Housing Facilities.—Provision of housing accommodation for iron ore and mangacese ore miners is one of the main activities of the organisation. There are three scheme
 - (i) Low Cost Housing Scheme (Type I).(ii) New Housing Scheme (Type II).(iii) Build Your Own House Scheme.

The estimated cost of Type I house is Rs. 6,825-Rs. 7,925 in black cotton or swelly solid area) while the estimated cost of Type II house is Rs. 11,325—Rs. 13,425 in black cotton or swelly soil area. The estimated cost of house under Build Your Own House Scheme is Rs. 1500—(Rs. 500 is paid as subsidy and Rs. 900 as interest-free laon).

- 2. The Central Advisory Board had constituted a Sub-Committee to review the Housing Programmes. The report has been received and is under examination.
- 3. Under the various housing schemes, a total number of 12,980 houses had been sanctioned for construction from the inception of the Fund. Out of these 11,549 houses have so far been completed and 420 houses are under construction. The total expenditure from the Fund for providing housing facilities in the year under report was Rs. 24.27
- (iii) Water supply facilities.—Out of 43 water supply schemes sanctioned in various regions since the inception of the Fund, 33 water supply schemes are in operation. The rest were reportedly in progress. 85 wells have so far been sunk in the different regions. The total expenditure on water supply schemes during the water bands appenditure on water supply schemes during the water bands appenditure of water supply schemes during the water bands appenditure of water supply schemes during the water bands are supply supply schemes. supply schemes during the year under report was Rs. 18.06

During the period under report, an integrated Water Sup-During the period under report, an integrated Water Supply Scheme costing a total of Rs. 2.08 crores on Vaitrant Valley in Orissa has been sanctioned, 50 per cent of the total cost on this scheme will be borne by the Central Government out of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund. A sum of Rs. 16.50 lakks have been released to the State Government during 1981-82. The State Government will be the agency for execution of the scheme. the scheme.

(iv) Educational and recreational facilities.—The educational and recreational facilities provided to the iron/manganese ore mine workers and their families which were financed from the Fund included 40 Multinurpose Institutes, 2 Welfare Centres, 6 Women-cum-Children Welfare Centres, 13 Cinema Units, 1 Holiday Home, 159 Radio Centres and three Transport Buses. Grants-in-aid were sanctioned to mine owners for organising sports, games, tournaments etc. in the Madhye Pradesh region. Scholarships continued to be given to the children of iron/manganese ore mines workers studying in schools, colleges and technical institution in accordance with the approved scheme. The mid-day meals scheme for the school children was continued in Madhyn Pradesh. Gca, Orissa and Bihar regions. This scheme has also been introduced in Maharashtra region. The rate for supply of mid-day meals is 75 paise per child per day. Uniforms were also supplied to the Primary school going children of iron one miners in some regions. The total amount spent on these facilities during the year under report was about Rs. 20.71 lakha.

(e) FATAL AND SERIOUS ACCIDENT BENEFIT SCHEME

The scheme for financial benefits to widows and children of victims of accidents was also continued during the year under report.

PART II

Opening balance as on 1st April, 1981 1,83,63,860.98 Receipt during the year 1981-82 1,85,56,116.36 1 34,08,884.17 Expenditure during the year 1981-82 Closing balance as on 31st March, 1982 2,35,11,093.17

PART III

Estimates of receipts and expenditure for the year 1982-83 1,80,00,000.00 1. Estimated receipts 2,06,13,000.00 2. Estimated expenditure

> [F. No. H. 12015/2/82-M. IV/W II] T. D. SALHOTRA, Under Secy.

नई बिल्मी, 25 नवस्थर 1982

का० आ० 4221. — केन्द्रीय संस्थार को यह प्रतीत होता है कि पैसर्स चौ० सत्या मारायम (बी० ई०) कल्टेकटर 45-35-29, जगनायपुरम विमाकापतान 16, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिवध्य निधि भोर प्रकीर्ण उपबंध पश्चितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

मत: केन्द्रीय सरकार, उक्त मिर्धिनयम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवरत मन्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त मिर्धिनयम के अपबंध उक्त स्थापन की लाग करती है।

[सं॰ एम-35019/473/83-पी॰एफ-३]

New Delhi, the 25th November, 1982

8.0. 4224.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ch. Satyanarayana (B.E.) Contractor, 45-35-29, Jagannadhapuram, Visakhapatanam-16, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

INo. S-35019(473)/82-PF. II]

का० आ० 4225—केस्सीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि नैसर्स मोन्ट-गोमरीज होटल 108, सरीजनी देवी रोड, सिकन्यरावाद नामक स्वापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मवारियों की यहुएंक्या हम बात पर सहमत हो गई है कि कर्म नारी भविष्य निधि और प्रकाग उपबंध भिविष्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए आने वाहिए;

श्चनः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, उन्त प्रधिनियम के वपवंच उक्त स्वापन को लागु करती है।

[सं॰ एस - 350 19/472/82- पो॰ एफ - 2]

S.O. 4225.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Montgomery's Hotel, 108, Sarojini Devi Road, Secunderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019(472)/82-PF. II]

का० मा० 4226.— केश्वीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० एस० एम० इंजीनियरिंग इंग्टरप्राईजेंज सी-13, इंग्डसट्टियल स्टेट, बेलगाम-590008. नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी मिविष्य निधि और प्रकीण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने वाहिए;

ग्रतः केल्बीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रकल मक्तियों की प्रयोग करते हुए, उक्न मधिनियम के उपर्वाच उक्त स्थापन को लागृ करती है।

[सं॰ एस॰ 35019 / 471 / 82 पी दफ-II]

S.O. 4226.—Whereas it appears to the Gentral Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mesers K.L.M. Engineering Enterprises, C-13 Industrial Estate, Belgaum-8, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of ection 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019 (471)|82-PF, III

कां आ बार 4227. - नेग्डीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे एवीकलवरन इमिन्निस्टर मैनुकैनवर्म एंड संवतायरन विकासका कड़पा विद्यानगर हुवली-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजन वीद्ध कर्मचारियों की बहुसंख्या इन बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिक्य निर्धि और प्रकीर्ण उपवेद्य प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवेद्य जनते सहिए;

भक्तः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधितियम की धारा 1 की उपवास (4) हारा प्रवत्त पश्चित्रयो का प्रयोग करते हुए, उक्त भधितियम के उपवेध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस- 35019 / 470 / 82 - **पी॰ एफ -2**]

S.O. 4227.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Agricultural Implements Manufacturers and Suppliers, Virupaksha Krupa, Vidya Nagar, Hubli-21, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. 5-35019-(470)|82-PF, 1II

का० था० 4228.-केन्द्रीय सरकार को यह असीस होता है कि मैसर्स हैमाधाबेमी स्पिनरस जीरमेन्ट चौफ इन्डिया प्रेस कालोनी, मेटटपलायम रोड़, कोयमटूर -19, नामक स्थापन से सम्प्रद्ध नियांजक और कर्मजारियों की बहुचंज्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्नवारी धविष्य निवि धीर प्रकीर्ण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने काहिए।

प्रतः केप्द्रीय सरकार, उक्त प्रश्चितियन की धारा 1 की उपजारा (4) हारा प्रपत्त मान्त्रयों की प्रश्नीय करते हुए, उन्त घितियम के उपविध उक्त स्थापन को लागू करती है।

सिं एस- 35019 / 469 / 82 पी॰ एक -2]

S.O. 4228.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hamsaveni Spinners, Government of India Press Colony, Mettupalayam Road, Coimbatore-19, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019 (469)[82-PF. II]

- = ==

कां आ 4229. - नेत्रीय मरकार को यह प्रतीन होता है कि ,मैग वे कारकेव इंजीित्यभ्स, 73 लेटिस किन रोड थिरुवनसीसुर महास-41, नामक म्पापन से सम्बद्ध निवातक और कर्नकिन्सों की बहुसच्या इस बास पर सहमत हो गई है कि अर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ग उपबंध अपि-नियम, 1952 (1953 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए.

प्रतः केन्द्रीप नामार, उका प्रिजितियम का धारा 1 की जनवारा (4) द्वारा अवस्य शाविषयो का बना करा हुए, उका प्रविनियम के उपबंध उक्त स्थापत को जासू करनी है।

[स॰ एस॰ 35019 / 168 / 82 पी॰ एफ - 2]

S.O. 4229.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Confab Engineers, 73, Lattice Bridge Road, Thiruvanmiyur, Madras-41, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefort, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S. 35019(468)/82-PF. II]

का ब्ला॰ 4250. - केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स को रबेट विवरो स्कीन प्रव निव कारायकम जिलेश महायली प्रम हाई रोड, मद्रास-600096. नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोगक श्रीए कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर अकीर्ण उपमंत्र भिनिन्यम, 1952 (1952 का 19) के उपमध उपत स्थापन को लागु किए जाने चाहिएं;

भतः केन्द्रीय संस्कार, उक्त ग्रिबिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गाक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त प्रधितियम के उपबंध उना स्थापन को सागु फरती है।

[स॰ एस॰ 35019 / 463 / 82 पी॰ एफ-2]

5.0. 4230.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Korvette Vibro Screens (Private) Limited, 137-A|ID, Karapakkam Village, Mahabalipuram High Road, Madras-96, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applits the provisions of the said act to the child perablishment. the said establishment.

[No. S-35019(463)|82-PF. II]

का० आ० 4231.---देन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्विन हेक्याबाद-50001, जिसमें इंडिया नि० 3-6-307/1 हेदरगुष्टा, उसकी 17, प्रारमेभ रोड, किलपाफ, मद्राम -600010 स्थिन णाखा भी है, नामक स्थापन से सबद्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहुसख्या इस अ।त पर सहमक्ष हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीर्ण उपमंघ क्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उपन स्थ.पन को लाग् किए जाने बाहिएं;

1042 GI/82--7

श्रातः केन्द्रीय सरकार, उत्तन प्रोधिनियम की धारः । की उपधारा (4) इतरा प्रदत्त मनितयों का प्रयोग नारने हुए, जनन ऋधिनियस के उपस्थ उक्त स्थापन को लागू धारती है।

[सं० एस० 3501 9/46 7/8 2 -पी० एक-2]

S.O. 4231.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Quinn India Limited, 3-6-307[1, Hyderaguda, Hyderabad-1 including its branch at 17, Ormes Road, Kilpauk, Madras-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment: applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by substction (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35019(467)/82-PF. II]

का० आ० 4232. --केन्द्रीय संरकार को घड़ प्रतीय होता है कि मैसमें सेन्टरल इंजीनियरिंग वर्ष सेन्टरल स्ट्डिय्रोज कालोनी सिगानालीर पी० सो क्रीयमबद् ५- 5, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक और वर्शवारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कार्यवारी भाविष्य विभि और प्रकीर्ण नगबंध क्रोतिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उका स्थापन की लागु किए जाने लाहिए;

क्रतः केन्द्रीय संरक्षारः, उक्तः प्रधिनियम की घारः l की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त मिनियों की ययोग करने हुए, उमन प्रीधिनिधम के उपवन्ध उक्ष स्थापन का लागू करती हैं।

[मं॰ एस- 35019/466/82-एफ-2]]

S.O. 4232.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in rela-tion to the establishment known as Messrs Central Engineering Works, Central Studios Colony, Singanassur Post Office, Coimbatore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. \$-35019(466)/82-PF.II]

कारुआरु 4233---केन्द्रीय संश्कार को यह प्रतीत होगा है कि मैसर्न बालाजी फैबरिफेटरस प्रा० लि० 144 शिवासम विवेज, पेस्तगुडी, वदास-600096 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजन ग्रीर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बार पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मविष्य निधि शौर प्रकीर्ण उपबंध प्रधितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उका स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रीविनियम की धारा 1 की उपवास (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उसत स्थापन को सागू करती है।

[एस॰ 35019 / 465 / 82 - यो॰ एफ -2]

S.O. 4233.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Balaji Fabricators (Private) Limittd, 144, Seevaram Village, Perungudi (Post Office), Madras-96, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment. establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

fNo. S-35019(465)/82-PF.III

कार आर 4234.— केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ग संकरियरी स्टेट जेनकारा परिमेड टोल्क इट्डकी डि० केराला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने नाहिए;

ग्रतः केन्द्रिय सरकार, उका अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपबाध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ ए 35019/464/82-पी॰एफ-2]

S.O. 4234.—Whereas it appears to the Central Govtrnment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Sankaragiii Estate, Chenkara, Peermade Taluk, Idukki District, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(464)/82-PF.III

का० आ० 4235. — केन्द्रीय संप्तार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें इंडी-पैल्डेन्टे टैस्टिंग कम्पनी (प्रईबेट) लिमिटेंड, 1, बेजियर स्ट्रीट मद्वास-1, जिसमें उसकी (1) न० 21 डा० बी० बी० गोश्री मार्ग मम्बई-23 (महापाष्ट्र), (2) "मांति" प्लाट नं० 66, रंजीत नगर, बेदी रोड, जामनगर-2 (गुजरात) धौर (3) नं० 66 थियेटर रोड, फ्लैंट नं० 2, कलफता-17, (प० बंगाल) गाख ए भी गामिल हैं, नामफ स्य पा से पम्बद्ध नियोजन और कमंजारियों की बहुगंड्या इस बात पर सहमा हो गई है कि कर्षवारी भविष्य निवि और प्रंतिण उपबाध श्रीधित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापत को लागू किए जाने चाहिए;

अत. केन्द्रिय संरक्षार, उक्त अधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्व.रा प्रदत्त शकि।यो को प्रयोग करते हुए, उक्त प्रक्षिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

सिं॰ एस-35019 / 460 / 82 -पी॰ एफ॰ -2]

S.O. 4235.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Independent Testing Company (Private) Limited, 1, Vannier Street, Madras-Including its branches at (1) No. 21, Dr. V. B. Gandhi Marg, Bombay-23 (Maharashtra), (2) "Shanthi", Plot No. 66, Ranjit Nagar, Bedi Road, Jumnagar-2 (Gujarat) and (3) No. 66, Theatre Road, Flat No. 2, Calcutta-17 (West Bengal) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Micellanous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(460) /82-PF.III

कां आ 4236. — बेन्द्रीय सरकार को यह प्रतिप्त होता है कि मैसर्स श्री मिपलाई विनयगार स्थीट ज़िल्कम जी एएम टी रोड, पैकारा मदुराई-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म जारियों की बहुसंख्या ६स बात पर गहमत हो गई है कि कर्म चारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनयम, 1952 (1952 का 19.) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

धतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की झारा 1 की जपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयागकरते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं० एस-35019 | 459 | 82 -भ० गि० 😗

S.O. 4236.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Mappillai

Vinayagar Sweet Drinks, G.S.T. Road, Pykara, Madurai-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35019(459)/82-PF.II]

का० आ० 4237. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होना है कि मैन में घोनरसीज शिपिंग ऐजेन्सीज, 50 मूर स्ट्रीट मद्राप श्रीर उसकी (1) 43-7-1 भील्ड पोस्ट आफिस रोइ, काकिनाडा 1 आन्ध्र प्रवेण (2) 34 भारन विश्वित पाजे मगभे राभो रोड, संगलौर (कर्नाटक) स्थित साखाए भी गामिल हैं तामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक घौर कर्म- चारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपवेध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवश्य उक्त स्थापना को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियन की आरं । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों क प्रयोग करने हुए, उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को सागू करती है।

[सं॰ एस-35019/450/82 पी॰ एफ-2]

S.O. 4237.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Overseas Shipping Agencies, 50, Moore Street, Madras including its branches at (1) 43-7-1-, Old Post Office Road, kakinada-1 (Andhra Pradesh), (2) 34, Bharath Building, Panje Mangesh Rao Road, Mangalore-1, (Karnataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(458)/82-PF.II]

क.० प्र.० 4238 केन्द्रीय सरकार का यह प्रशांत होता है कि मैसमं इकेन्द्रिक कस्मानेन्ट मैनुफेक्चरिंग इंडस्ट्रीयक कोड परेटिंब सोसायटी क्रिनिटेड बी-6, इनेक्ट्रिनिक इंडस्ट्रीयक स्टेट, कुतेनुडा हैक्साबाव 762, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रिविनियस, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थाप। को लागू किए जाने चाहिएं:

भतः केन्द्राय सरकार, उक्त आधानियम का द्यारा ! की उपधारा (4) द्वाराश्रदत्त प्रकित्यों ना प्रयोग करते हुये, उक्त भिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती हैं।

S.O. 4238.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Electronic Components Manufacturing Industrial Co-operative Society Limited, B-6, Electronic Industrial Estate, Kushaiguda, Hyderabad-762, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(457)/82-PF.11]

का अर्था 4239.—केन्स्रीय मरकार को यह प्रतित हांत. है कि मैसर्स हमु-माम सेवप्रिटी सरविसेज एडिमिन्ट्रेटिव आफिस, न० 4 झाश्रम स रवता पुर घरवाड करनाटक जिसमें उनका पंजीकृत कार्यालय मार्फत राजा रेड्डी उडवांकाटम, छठी मित्रज सागर कम्पलेक्स केम्पनोवडा रोड, बंगलीर-9 भी गामिल है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमँचारियों की बहुसंगा इस बात पर सहमत हो गई है कि कमँचारा भविषय निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वाहिएं;

श्रात. केन्द्राप परकार, उना प्राविनियम की धारा 1 का उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मन्तियां का प्रयाग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबध उपत स्थापन का लागू करता है।

सि॰ एस 35017/456/82 पो एफ-2]

S.O. 4239.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hanuman Security Services, Administrative Office, No. 4, Ashiam, Saiaswathipur, Dhaiwai (Karnataka), including its Registered Office Care of Raja and Reddy, Advocates, 6th Floor, Sagar Complex, Kempegowda Road, Bangalore-9, have agreed that the proviof the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(456)/82-PF.II]

का • आ • 4240.-- केन्द्रीय सरकार का यह प्रतात होता है कि मैसर्स जडांगरि परिवालिहन स्ट्रांट हैंडलूम वीवर्स सेल्स फोक्रापरेटिव सासाइटा लिमिटेड सं० ३५६१, याचीमधानन न्यू स्ट्रांट बडासेरि नागरकाइल-1 जिसके अर्न्तगत (1) स० 3461, विषय डिपा नगरपालिका बन स्टेंड के सामने दुकाले डाकघर कन्धाकुनारी जिला, भ्रीर (2) सं० 3461, द्वार सं० 7-75 धार से पार्सल कार्यालय के निकट, नपूर उत्कार करवाकुमारा जिला स्थित उसका शाखाएं भा हैं, नामक स्थापन मन्बद्धा निपालक भीर कर्मण।रियो की बहुसंख्या इस बात पर सहस्रक हा नई है कि कर्नचारी मुविष्य निधि भ्रीर प्रकार्ण उपलब्ध भीध-नियम, 1952 (1952 के 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लिग् ांक्षेट् आने पाहिए ;

मत. केन्द्रीय सरकार, जयत ग्रीधीं।धम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत प्रवितयों का प्रयाग करते हुए, उक्त अधिनियम के **७पर्वंब** उन्त स्थापन का लागू करता है।

[सं॰ एस-35019/235/82-प² एफ 2]

S.O. 4240.—Whereas it appears to the Central Government unat the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vadasery Piriarasingan Street Handloom Weavers Sales Co-operative Society Limited, No. 3461, No. 26, Vanchiathithan New Street, Vadasery, Nagercoil-1 including its branches at (1) No. 3461, Sales Depot, Opposite to Municipal Bus Stand, Thuckalay, Thuckalay Post, Kanyakumari District and (2) o. 3461, Door No. 7-75, Near A.R.C. Parcel Office, Monday Market, Ntyyoor Post, Kanyakumari District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment; to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(235)/82-PF.IJ]

भार आ॰ 4241:-- केन्द्रीय संग्रहार का यह प्रत स हाता है कि मैनसी एस० सन्धानी राव एंड कम्पनी इंजींनियर कान्द्रेक्टमें एंड मैटी रंगल सम्लायसे ताथपाश्राक्षेत्र बी० एच० पा० बी० डाकघर विशाखायटनम्, (फान्छा प्रदेश), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाशक धीर कर्मजान्यों की बहुसख्या इस बात पर सहभत हैं। नई है कि कर्मवारा अविषय निधि छोर प्रकार्ग उपबध मधिनियम, 1952 (1952 फा 19) के उपधव स्थापन को लाग किए जामे चाहिए ;

यतः केन्द्रोध सरकार , उन्न प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त समिनियम के उपबंध उनत स्थापन को सार् करतो है।

[सं० एस-35019/394/82-पा० एफ-2]

8.0 4241.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relathat the entroyer and the majority of the employees in Irlandian to the establishment known as Messrs S. Sanyasi Rad and Company, Engineers, Contractors and Materials Suppliers, Nathayyapalem, B.H.P.V. Post, Visakhapatnam. (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Ctntral Govenment hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(394)/82-PF.II]

क्ता० अरु० 4.2.4.2:--- केन्द्रीय सरकार को यह प्रसान होता है कि तालुक मीमर्स राइपारा सेवा सहकारी सथ लिभिटेड, हॉम्नावेली टिन्तुर जिनके प्रन्तर्गत कोनवहाली, दिप्तुर तालूक, दुवकुर किल. (कर्नाटक) स्थित उसको शक्षा भो है। नामक स्थापन से सम्बद्ध निबंजिक ग्रीर कर्नवारियों की बहु किंग, इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्नवारी विना है हिन और प्रकार्य अस्त्रेंग प्रतिनिम्म, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागु कि रुजाने चाहिए ;

अन्त. केन्द्रोथ सरकार, उक्त अिंतियम का धारा । की उपधारी (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रतीम करते हुए, उक्त मधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू कपर्ता है।

[सं० एस-35019/198/82-पी० एफ०-2)]

S.O. 4242.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rythara Seva Sahakari Sangha Limited, Hompavally, Tiptur Taluk, including its oranch at Konenahally, Tiptur Taluk, Tumkur District (Karnataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident 1 unds and Misscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to tht said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Cental Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(198)/82-PF, II]

का० आ० 4243:-- नेन्बीय सरकार का यह प्रतास होता है कि मैसर्स ब्रिल राक इंजोवियरिंग (प्राइवेट) लिविटेड, - 5-4/187/324**, क**वंश मैदान, ।सकल्दराबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध ।नयोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहस्त हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकोर्ण उपबध अधानयम 1952 (1952 का 19) के उपबध **एक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए ;**

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उनतं अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त समितयों का प्रयोग करते हुए उक्त काद्यनियम के उपबक्ष उक्त स्थापन का लागू कर्ताः है।

सि॰ एस-35019/152/82-पी एफ-2]

S.O. 4243.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Drill Rock Engineering (Private) Limited, 5-4, 187/324, Karbala Maidan, Secunderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment,

[No. S. 35019(152)/82-PF. II] का०आ० 4244.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स एन की जी बी घाटोमोबाइस्स सं० 104 किज स्टेशन मार्ग गृद्शई-6250002, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारो भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 व. 19) के उपबंध सक्त ंस्यापन को लागृ किए जाने चाहिए ;

भतः केन्द्रीय सञ्कार, उक्त भधिनियम की घार 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू फरती है।

[सं॰ एस-35019/151/82-पो० एफ-2]

S.O. 4244.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs N.V.G.B. Automobiles, No. 104, Bridge Station Road, Madu4364

rai-625002, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government he eby applies the provisions of the said Act to the said establishment

[No. S. 35019(151)/82-PF. II]

. का श्या 4245: — केन्द्रांय सरकार की यह प्रकास हाता है कि मैससं आसन्ता स्थिनमें , 545 सभी मार्ग गणपति, कीयम्बद्धर 641006 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक और कर्मचारिया की बहुसंख्या इस बात पर गहुनत हो गई है कि कर्मचार, भाविष्य निधि और प्रकर्ण उपबंध अधिनिमन, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अन्य के द्वीय नारकार, उप: अञ्चितियम की घारा 1 को उपधारा (4) द्वारा प्रदान गापिस्तां का प्रयान करने हिन्, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू हारती है।

[स॰ एम-35019/149/82-पी॰ एफ-2]

S.O. 4245.—Whetens it appears to the Central Government that the employer and the imagnity of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Laxnii Spinners, 545, Sathy Road, Ganapathy, Coimbatore-641606, have agreed that the provisions of the Employees' Provident runds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(149)/82-PF. II]

का आ 4246: — केन्द्रीय मानार की प्रवास होता है कि मैसर्स नार एण एउरप्राइसेस टेफेडार प्रोइकी साइत्तरन स्टैण्ड 1:4, बहु भाग, केट पागत माउन्ट, भन्नाम-16, नवसन्नकाम के निकट, भागत स्थापन के सम्बद्ध निशेषक प्रीर कर्नका त्यों की बहुगका इस बात पर सर्मत हो गई है कि कर्मकार पविष्यु गोध प्रार प्रकार उपवन्ध कांधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उस्त स्थापन को लागु किए अभि काहिए

यतः केन्द्रं व सरकार, उकः। श्रोधानयम की धारा । की उपधारा (1) हारा प्रवक्त शांकर्या का प्रयोग रते हुए, उक्त श्रीधनिदन के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करना है

[सं र एस-35019/118/82-पं **र** एफ-2]

S.O. 4246.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Narayanan Enterprises, Contractor, Audco Cycle Stand, 114, Butt Road, St. Thomas Mount, Madras-16 (Near Nandambakkam), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, ir exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

{No. S. 35019(148)/82-PF. III

बारुआर 4217 - फेन्ड्रिय सरकार को यह प्रतिक्ष होता है कि मैसर्स इन्वयाय सेवा सहकारा सध नियमित शिकारीपुर, जिला : किरोगा कारिक, नाभक स्थापन से तस्त्रात वियोजक और राजकारियों की बहुसक्या इस बात पर सहसन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निर्ध और प्रकीण उपप्रेम प्राथिनात, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उका स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

धत केर्न्द्राज सरकार, उक्त अधिनिजम की धारा । की उपधास (त) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुंग, उक्त अधिनियन के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

| गं० एस-35519/147/82-पंo एफ-2]

S.O. 4247.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vyavasaya Seva Sahakara Sangha Niyamita, Shikaripur Shimoga District (Kainataka), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Govern-

ment hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(147)/82-PF. 11]

का० आ०4248:—केन्द्राय सरकार का यह प्रतान होता है थि मैसर्स पान) सन्म, पान गुढ्न भरनेन्द्रम, 160-ण, ईस्ट भीग स्ट्राट, भद्राई-625001, इसके अन्तर्यत राजरा बिल्डिंग, टाउन हाल भागे, महुरई-625001, स्थित उसका याध्य भा है, नामक स्थापक स गम्बद्ध । त्याजक भीर कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी भाष्य निध और प्रकार के उपबंध पार्थिन्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उन्त स्थापन की लागू किए जाने नाहिए;

भतः केन्द्रीय सरकार, उनत श्रीर्थानयम की बारा 1 की अधारा (4) बारा प्रवत्त शांक्तियों का श्रयोग करने हुए, उक्त श्रीर्धानयम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं॰ एस-35019/146/82-पी॰ **एफ-**2]

S.O. 4248.—Wherets it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Batcha Sons, Piece Goods Merchants, 166-A, East Mass Street, Madurai-625001 including its Show Room at Rosary Building, Town Hall Road, Madurai 625001 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(146)/82-PF. II]

का० आ > 4249 — नेत्वीत सरकार को तह प्रतीत होता है कि मैससे श्री खिमिजी बाई मिल्म, पोस्ट बाक्स में ०, 120, पितारपेट, बेलगाज, कमिटका राज्य, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजंक धील कर कारियों की बहुनंदरा इस बात पर महभत हो गई है कि कार्मचारी श्रीवच्या त्याध भीर प्रकीण उपबंध श्रीधिनित्स, 1952 (1952 ना 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए;

श्रातः केन्द्रीय गण्कार, उत्ततः श्रांधनियम की धारः । की उपधारा (४) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रीधनियम के उपबाध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019,145/82-र्य(० एफ 2]

S.O. 4249.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Khimijibhai Mills, Post Box No. 120, Raviwarpet, Belgaum, Karnataka State, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(145)/82-PF, II]

का अा 4250'-- के लीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि भैसर्स पार्योगंदर मुख्य बीएटर, ब्रीक्स्यानासेरी, नागेरकोल-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्नकारियों की बहुसंख्या इस बात पर घहरात हो गई है कि कर्मकारी पालिप्य निधि और प्रकीर्ण उत्संध ब्रॉब्सिसम, 1952 (1952 का 19) के उनबंध उक्त स्थापन की लाग किए जाने बाहिए,

प्रत. केन्द्रीय सरकार, उस्त प्रांबनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त ग्रांक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त ग्रांधनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लाग करती है।

[सं० एम-35019/144/82-पं**० एक-21**]

S.O. 4250.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pioneer Muthu Theatre, Ozhuginaseri, Nagercoil-1, have agreed that the provisions of the Pmployees' Provident Funds and Miscellan-ous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(144)/82-PF, II]

मई दिल्ली, 26 नवस्थर, 1982

कि आं 1251—मेसर्ग हिन्दुस्तान एयरोनाविश्व लिक्षिटेड कालौर काम्पर्लेक्प-काली - 560017 (के एतन / :4) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मपार। भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध मोधिनियन 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मिधिनयम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2क) के मिधिन छूट दिए जाने के लिए शाबेदन किया है;

भीर केन्द्रें: सरकार का समाधान हो गया है कि उक्ष स्थापन के कर्मजारी, किसी पृथक धनिदाय या प्रीमियम का सवाय किए जिना ही, भारतीय जीवन कीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के शबीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मजारियों के लिये ये फायदे उन फायवों से प्रधिक धनुकूल हैं जो कर्मजारी निसीप महस्य बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्स स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें धनुकेय हैं;

भतः, केन्द्रीय सरकः,र, उन्त घ्रिक्षित्यम के घारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने तुए भीर इससे समाबद्ध भनुसूची मैं विनिदिष्ट गतीं के मधान रहने हुए, उन्त स्थापन की तान वर्ष की सर्वाण के लिए उन्त स्कीम के सभी उपजन्मों के प्रवर्तन से खुद देती है।

अनुसूर्वा

- उदल स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त कर्नाटक को ऐसी विवरणिया भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीकण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्य के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उनत अधिनियम की बारा 17 की उपचारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रामियन का संबाय, लेखाओं का घन्तरण, निरोक्षण प्रभारों का सदाय घाषि भी है, धीने बाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया आयेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यता अनुमौदित स.मृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, भीर जब कभी उनमें संशोधन किया आए, तथ उस संगोधन को प्रति तथा कर्मनारिएों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रनुदाद, स्थापन के सूचना-पद्ट पर प्रदाशत करेगा ।
- 5 यि कोई ऐसा कर्मचारों, जो कर्मचारों भविष्य निधि का या उपल अधिनियम के अधीन कूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजिन किया जाता है तो, नियोजक मामूहिक भीमा स्कीम के सबस्य के कप में उसका नाम शुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बायन आवष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन भीमा निगम को सबल करेगा।
- . 46. यदि जनत स्कीन के घर्षान कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सम्मृहिक बीमा स्कीम के घर्षान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुखित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसने कि कर्मचारियों के लिए मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे जन फायदों से अधिक अनुकृत ही जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृत ही ।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर एक स्कीम के भयीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मबारी की उस दशा में सदेय होती, जब वह उसत स्कीम मर्माम होता तो. नियोजक कर्मचारी के विधिक धारिस/नामनिवींशतों को प्रतिकर के इन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्कीत के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आसुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आसेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संमावना हो वहां, प्रावेशिक स्निष्य निधि आसुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का वृक्तिवृक्त अवसर वेगा।
- 9. यदि किसी कारणवधा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका हैं प्रभीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अक्षीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह्द की का सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में ससकल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है जो, छूद रहद की जा सकती है।
- 1). नियोजक हारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिदंशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न वी गई होती तो उनत स्कीम के प्रन्तर्गत होते, बीमा कायवों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12- जनत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने बाले किसी सबस्य को मृत्यु होने पर उसके हुकदार नाम निर्देशितियों/ धिष्ठिक बारिसों की बीमाइन रकम का संदाय तत्परता से भीर प्रत्येक बागों में मारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइन्त रक्षम प्राप्त होने के सात बिम के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[संक्या एस-35014/29/82-पी०एस-2]

New Delhi, the 26th November, 1982

S.O. 4251.—Whereas Messrs Hindustan Aeronautics Limited Bangalore Complex, Bangalore-560017 (KN/24) (herematter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide such facilities for inspection. as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of

accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Groep Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the valient features thereof, in the language of the majority of the emp-yees
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shad arrange to earange to be tests available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Nowithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

का॰ आ॰ 4252 --- मैसर्स या बाहनाश्त एण्ड कन्यता, जान्त्रा बाहनरी एण्ड हिस्टिट्नारो, मल्काजात्यरा हैदराबाद-500047 (आ॰प्र०/3103) (जिले इसमें इसके पश्चात् उकत स्थायत कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य गिलि और प्रतीर्ण उपवन्य प्रधित्यम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधित्यम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के नवी। छूड़ दिए अनि के निए पानेदर किया है;

मीर केन्द्रीय मुरतार का मनाधान हा गा है कि उन्न स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रीमदाय ना प्रीमियन का संदार किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निश्म की सामृद्धिक बीमा क्कीय के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐते हमंबारियों के लिए में फायदे उन फायदें से छितक श्रमुक्त है जा कर्मचारी निक्षेप सहब्ब बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमं इसके पश्चान् उन्त क्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें प्रमुक्त हैं;

भ्रतः केन्द्रीय सरकार, उस्त प्रशिवियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इसमे उपायत धनुसूची मे विविद्धित शर्तों के श्रवीत रहते हुए, उक्त स्थापन को सीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्थीन के सभी उपवस्थों के प्रवर्तन से सूद देती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक मधिष्य निर्धि सायुक्त, आन्ध्र प्रवेश की ऐसी विषयीण्यां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवास करेगा को केन्द्रीय सरकार, समय-प्रमय पर निर्मिष्ट करे।
- . 2. निर्माजक, ऐसे निर्राक्षण प्रमारों का प्रत्येक मास की समान्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रायिन्यम की घारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-सगय पर निर्विष्ट करें।
- 3. सामूहिक जीमा स्कीस के प्रशासा मे, जिनके प्रस्तांत लेखाओं द्या रखा जाना, विवर्शणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीसा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का मंदरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय धादि भी है, होने वाले सभी व्ययों ता वहा नियाजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. निर्माणनः, केन्द्रीय सरकार द्वारा ध्रमुमीदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और प्राय कभी उपनि संगोधन किया जाए, सब उस मंगोधन की प्रति तथा कर्गनारियों की बहुगंड्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के पूचना पट्ट पर प्रविश्वित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी मिविष्य निधि का या उनक अधिनियम के अधीन छूट प्रान्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, मामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के स्प में उसका नाम पुरन्त दर्ज करेगा और उनकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निश्म की संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बक्राए जाते हैं तो, नियोजक सामृहित बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से गृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहित बीमा स्कीम के व्यवीन उपलब्ध सायदे उन फायदों से अधिक अनुनूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अमृतुल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अमृतुल हों,

- 7. सामूहित बीमा स्थीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी वर्मेचारी की मृत्यू पर इस रूकीम के प्रधीत सदेय राम उस रक्षम में कम है जो कर्मचारी को उस प्रणा में सदेय होती अब वह उस्त रकीम के ग्राधीन होता तो, विमेश्वा नर्मचारी के विधिक वारिस/दाम निर्वेणिती को प्रतिकर के रूप में दोनो रकपो के चन्तर है यरावर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8 सामृहिक कीपा स्कीम के उपवन्धा में कोई भी सशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अन्ध्य प्रदेश के पूर्व प्रामुमीदन के विचा नहीं जिया जायेगा श्रीर जड़ा किमी संगोधन से कर्मधारियों के हिन पर प्रसिकृत प्रभाव पहने की संभावता हो यहां, प्रावेशिक भिन्य निधि श्रामुक्त, अपना समृमीदन देन से पूर्व कर्मधारियों की अपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देना।
- 9. यदि किसी जारणवरा, स्थापमा के कर्नवारी, धारतीय जीका वीमा सिशम की उस सामृहिक बीका क्वीम के, जिने स्थापन पहले अपना चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्तीम के प्रवीन कर्मवास्यों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, ता यह छूट स्वृद्ध की जा सबती हैं।
- 10 वधि किसी काणवण, नियंतिक उस नियंत तारीख के भीतर, को भारतीय कीयर बीता नियम किएन करें, पीमियम का सथाप करने में, असकत रहता है, और पानिमी ता व्यवसत हो जाने दिया जाता है, तो छट रदद की जा संवस्ती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्ति-कम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देक्तियों या विधिक वारियों को जा, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के णल्लांन होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबध में नियाजक, इस म्कीम के प्रधीस प्राने बाले किसी सबस्य की मृत्यु हाने पर उसके हकदार नामिजर्देणितियो/विधिक धारिसो को बीमाहत रकम का संदाय तत्परता से घौर प्रत्येक दणा में भारतीय श्रीवन बीमा निशम में बीमाहत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीसर मूर्निक्चल करेगा ।

[स॰ एस॰ 35014/246/82-पी॰एफ॰-H]

S.O. 4252.—Whereas Messrs Shaw Wellance and Company Ltd., Andhra Winery and Distillary, Malkajgri, Hyderabad-500047 (AP/3103) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh maintain such accounts and Provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- .7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is I kely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Cornoration of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where, for any leason, the employer fails to nay the premium etc. within the due date, as fixed by the Fife Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would, have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. \$ 35014(246) /82-PF, II]

का श्रा० 4253-- सैपर्ग इस्टर्न एयर पाडकट्स (पा०) लिसिट्डे, 1 एण्ड ? नोशिंदरारा इण्डिक्ट्सल एक्टेट भोषाल-467003 (सक्ता प्रदेश/1578) (जिसे इसमें इसके पण्डात उक्त म्यापन कज़ा एवा है) ने कमेंचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपवस्य महिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीत छूट दिए जाने के लिए धारोदन किया है;

भीर केन्द्रिय संस्थान का समाधान है। गया है कि उसन स्थापन के कर्मचारी, श्विमी पृथन अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए विशा ही, भारतीय जीवन बीमा निजम की मामृहित वीमा स्कीन के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं प्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उस फायदों से श्रीवन प्रमुक्त हैं जो कर्मचारी निक्षेप महब्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे क्ष्मों इसके पश्चीत् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्राधीन उन्हें प्रमुक्षेय हैं;

श्रतः केन्द्रीय मरकार, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपयास (2का) द्वारा प्रदक्त प्राक्तियों का प्रयोश करते हुए और इससे उपावस अनुसूची में विभिद्रिष्ट जातों के श्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रविम मिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्ती के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बर्ध में नियाजक प्रादेशिक प्रविष्य निश्चिम्न प्रायुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणिया भेजना और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेना जो केन्द्रीय संकार, समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियांजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार, उस्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के गधीन समय-समय पर निविष्ट करे।
- 3. सामृहिक वीक्षा स्कीम के प्रशासन में, जिसमें झन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत विया जाता, वीमा प्रीमियम का मदाय, सेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदोर प्रादि भी है, होने वाले सभी ब्ययों का करने नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियाजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा धनुकोदित सामूहिक श्रीमा स्कीय के नियमों का एक प्रति, धीर जब करी उनमें संशोधन किया चाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मेचारियों की बहुसख्या की माया में उसकी मुख्य बातों का चनुसाद, स्थायन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि काई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी मिनध्य निधि का या उन्त श्रिधिनियम के अर्धान छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन ने नियंक्तित किया जाता है तो, नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सदक्त दरेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम की श्रधीत यार्नचारियों की उपलब्ध कायदे बढाये आते हैं ती, तियाजत नाम्हिक बीमा स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फार्यों में समूचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से श्रधिक अनुकृत हो, जा उक्त स्कीम के प्रधीन धनुनेय हैं।
- 7. सामूहित बीजा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कमेंचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के सधीन सन्वेय रकम उस रकम से कम है, जो समेंचारी को उस दया में संदेय होती जब बहु उक्त स्कीम के भधील होता तो, नियं। उक कमेंचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में डोनों रकमों के श्रन्तर के बणवर रकम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगीधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुवन मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमीदन के बिना नहीं शिया जाएगा भीर जहां किसी संगोधन से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत

- प्रभाग पड़ने की संभागत। हो, यहां प्रादेशिक भविष्य निधि कासुकत, कारत। अनुसांदा देते से पूर्व कर्नचारियों की प्रपत्त दृष्टिकीय साब्द करने का युक्तिशुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्जनारी, भारतीय जीवन शीना निगम की उस सामूहिल वीमा स्लीम की, जिसे स्थापन पहुने ध्रपता चुका है अधीन गही एड् जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन गर्नेचारियों को प्राप्त होने बाने फायदे किसी रीति से यम हो जाने हैं, तो यह छूट रह की जा साती है।
- 10. यदि किसी कारणवा, नियंशक उस नियत सारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का सदाय बारने में असकत रहता है, श्रीर पालियी को व्यवनात हो जाने दिया जाता है तो, छुट रह की जा सकती है।
- 11 िस्मानक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गा जिसी व्यक्तिकम की दणा में उन मृत सहस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट नदी गर्द होती तो उक्त स्कीम के श्रंक्ष्यंत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उन्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्वीम के सूधीन धाने वाले किसी मदरव की मृत्यू होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाइन रकम का संदाय तत्वरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइन रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीनर सुनिक्चित करेगा।

[संस्था एस-35014/247/82-पी०एफ०-]]]

S.O. 4253.—Whereas Messrs Eastern Air Products (P) Ltd., 1&2 Govindpur, Industrial Estate, Bhopal-462023 (MP/1528) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenace of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately eurol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the bentfits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an empolyee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(247)/82-PF, III

का० आ० 4254.— मैससं मैनन एटड मैनन प्राईवेट लिमिटेड, विक्रम नगर कोलहापुर —416005(महाराष्ट्र/2191) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उसत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी मिटिया निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध मिटियम 1952 (1952 का 19), (जिसमें इसमें इमके पश्चात् उसस धिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छट विए जाने के लिए धावेदन किया है,

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रमिदाय या प्रीमियम का संदाय निग्म बना ही भारसीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए बेकायदे उन फायदों से श्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इममें इसके पण्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रनुजेय हैं;

श्रतः, केम्ब्रीय सरकार, उक्त श्रविनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करने हुए श्रोर इससे उपावद श्रनुसूर्षा में विनिध्य शर्तों के श्रवीन रहते हुए, उक्त स्कापन को सीन वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के प्रवर्तन से खूट देती है। 1042 GI/82—8

श्चनुसूखी

- 1 उक्त रधापन में राम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, सहाराष्ट्र को ऐसी विवरणिय भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निर्शाक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर सिंदिष्ट करे।
- 2 ियोजक ऐसे िरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाब्दि के 15 दिन के भीतर संबाद करेंगा जो केन्द्रीय संग्वार, उक्त प्रवित्तियम की धान 17 की उपधान (अक) के खण्ड (क) के प्रधीन ममय-समय पर लिदिण्ड शरें।
- 3 सामृहिक बीमा सीम के प्रणामः में, जिसके प्रन्तांन लेखाओं का रखा जातं. विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का नंदाय, तेखाधा का अन्तरण, निर्वक्षण प्रभारों के सदाय ध्रादि भी हैं, बूंकि करों सभी क्ययों का बहुत । योजक द्वारा जिया जायेगः।
- 4. नियं तक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रमुमोदिस सामहिक बीचा स्कीम के नियमों की एवं प्रति, भीर प्रव कभी उत्तेम संगोधन विया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा सर्मेचारियों की बहुसंख्या की प्राया में उसकी मुख्य बातो था ग्रामुवाद, न्यापन के सुचना-पट्ट पर प्रविश्वित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मभारी, जो कर्मभारी भविष्य निधि का वा उपन प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहने ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरस्त दर्ज करेगा और उसकी खाबत शायक्यक प्रीमियम भारतीय जीवन कीमा नियम को संदल्त नरेगा।
- 6. यदि उत्तत स्कीम के श्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायवे बढ़ारं, जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीन के श्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए नामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन उपलब्ध फायदे उत फायदों में श्रधिन श्रमुक्त हों, जो उन्त स्कीम के श्रधीन श्रमुक्त श्रों, जो उन्त स्कीम के श्रश्नीन श्रमुक्त श्रीम
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के भ्रधीन सन्देय रकम उस रक्तम से कम है, जी कर्मचारी की उस दथा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक वर्मचारी के विधिक वारिस्नामनिर्वेषिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमों के भ्रन्तर के बराबर रक्षम का मंदाम करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक मिंचल निधि ग्रायुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा ग्रीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, ग्रापना श्रमुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को ग्रपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का ग्राक्तियुक्त श्रवसर देता।
- 9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निशम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने जाले फागदे किसी रीति से क्षम हो जाते हैं, सो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणयंग, नियोजक उम नियत तारीख के भीतर, को भारतीय जीवन बीमा नियम नियस करे प्रीमियम का संदाय करने में अभक्त रहता है और पालिसी को अपगत हो जाने दिया जाता ह तो छट यह की जा सन की है।

- 11. नियोजक द्वारा श्रीमियम कं संताय में किए गए तिसी ० तितम की दणा में उन मृत सदस्यों के नार्मान्द्रींशितियों या विधिक वारिसी की जी श्रीद यह छूट न टी गई होती तो उन्त स्तीम के अंतर्गत होते, बीमा कायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 एकत स्थापन के सबध में नियोजक, इस स्कीम के शर्धाः श्राने बाते किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नाम निर्देशिनियों/ विश्विक वारिसों को बीमाञ्चन रकम का संदान नत्परना से भीर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निधम में बीमाञ्चन रकम प्राप्त होने के मात दिन के मीनर स्विण्डिन करेगा।

[मंख्या एम 35014/250/82-मी • एफ II]

Annual parts and the control of the

S.O. 4254.—Whereas Messrs Menon and Menon Private Limited, Vikram Nagar, Kolhopur-416005, Maharashtia India (MH/2191) (hereinatter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, is the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount ravable under this scheme be less than the amount that

- would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment scheme do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(250)/82-PF. II]

का० आ० 4255. — मैं समंग दिल्ली क्लाय एण्ड जनरल भिल्स क० लिमिटेड, बाड़ा हिन्दु राथ, दिल्ली-110006, (दिल्ली/2294) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य ृतिधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

शौर केन्द्रीय मरकार का ममाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बें.मा निगम की सामृहिक बीम्ना स्कीम के श्रधीन जीवन कीमा के रूप में फायदे उठा रहें हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध कीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुजीय है;

श्रत, केन्द्रीय मरकार, उक्त श्रिधिनियम की श्रारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

 उनत स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निश्चि ग्रायुक्त, दिल्ली को ऐसी निवरिणयां भेजेग ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा
 निरीक्षण के लिए ऐसी मुनिष्ठाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

- 2 नियाजन एमं निराज्य प्रभाग का प्रयोग मास का स्वेसिन के 15 दिन के भानर सद्देश करेंगा जो केन्द्रीय संस्थान उपने श्रीधिनियम का धारा 17 का उपजारा (४१) के खण्ड (के) के ग्रागन समयसमय पर निर्विष्ट करें।
- उ सामूहित जाना स्वाम त्रियासन में, जिसके क्षान्यत सखाझा का रखा जाना, विवरणिया के प्रस्तृत किया जना च म पानियम के सदय में लेखाओं वा अन्तरण निराक्षण प्रभाग पा गदाय प्रदिभ है हा। यातं सभी स्था ना वन्त नियाजक द्वारा किया जायगा।
- 4 नियाजन नेन्द्राय सरकार क्षारा यथा श्रनुमारित सामहित बसा स्त्रीम के नियमा का एक प्रति श्रीर जब तथा उनमें सजाएन किया जाए, तथा उस संशोधन का प्रति तथा वर्मणारियों की बहुनक्ष्य का भाषा में अनुवाद स्थापन के सूचना पह पर प्रदा्णित करेगा।
- भविष्य प्रिसा क्याच रा आ कमल रा भविष्य निधि का था उनन अधिनियम के अधिन छूट प्राप्त किनो स्थापन वा भविष्य निधि का पहल हो सदस्य है, उसके स्थापन म िथाशित थिया जाता है ता नियालक सामूहिक बामा स्कीम के सदस्य के रूप में उसता ताम सुरत्न को करना और उसकी बाबन पानण्यक श्रीमियम भारतीय जवत बामा निमा की सद्त करेगा।
- 6 यदि उसन स्काम क प्रांत वर्मशास्या क। उपलब्ध फायद बढ़ाय जात है तो, नियोजक सामृद्वि बामा स्कम के प्रधान कमचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप संयुद्धि की जान क। व्ययस्था करेंगा जिससे कि मर्मेचारियों के लिए सामृद्धि बामा स्कीम क प्रधान उपतब्ध फायदे उन पायदा से श्रीधक श्रान्त न हो। जो उक्त मां स क्षधान धन्तुसेय है।
- 7 सामूतिक बाभा स्काम में किसा बात व हात राभा प्रदि दिसी वर्ममंत्री की मृत्यू पर इस स्वीम के अधित सन्वय क्ता उस तक्म में कम है, भी वर्मचारी वाउस दशा में स्त्रा हाती अब बहु उसा स्वाम के अधीत हाता, तियाजन अस्वारा का गिधिक वारिस/तामिल्दिशिति का प्रतिकर के रूप में दाना रक्मों ते अन्तर के ब्रास्थ का महार का बरानर स्वाम करेगा।
- 8 सामृहिक यामा स्ताम के उपजन्धा में माई भा सणाक्षम प्रादेशिक भिष्ठिय निधि आयुक्त, दिल्ला के पूत्र प्रमुमादन के बिना नहीं किया जायेगा और जता विसा सणाधन से नर्मणारिया के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पत्रने की सभावता हा बहा प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुका प्रपत्न प्रमुमादन देन से पूर्व कर्मणारिया का धाना दृष्टिकाण स्पन्त करने का युक्तियुक्त अवसर देशा।
- 9 यदि निसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारा, भारताय जीवन बीमा निराम की उस सामृहित बीमा स्कीम के जिसे स्थापन परिने प्रयस चुना है प्राचीन नहीं रह जाते हैं या इस स्थीम के भव न वर्मचारिया का जापन होने वार्त फायदे किसी रांग कम हा जात है ता यह छूट रह की जासकता है।
- 10 यदि किसी कारणवा निथाजक उस नियन तारीख के भीतर जो भारतीय जावन बामा निगम नियत वर, प्रीमियभ का सदाय करने मे समकल रहता है, और पालिसी का व्यवगत हा जान दिया जाता है तो, छूट रह की जा सवती पर है।
- 11 नियोजिक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसा व्यक्तिमम की देशा में उन मृत सदस्या के नामनिर्देशिया या विधिक वाल्मा का जा यदि यह, छूट नेदी गई होती तो उक्त स्काम के धनर्शन हात कीमा फायको के सदाय का उसरदायन्त्र निकाजित प्रहोगा।
- उना स्थापत क मध्यन्ध म नियानक दश रव ग क भध्यन जान बात्री निर्मा सरस्य को मृत्यु श्रांत कर उसके हथवार नवस (दिशाणित्य)

विधिव वारिमा का वासाहत रवम ना सदाय र १२ शा से शीर प्रस्थेक दशा म भारतीय जावन वामा नियम से विमाष्ट्रा रेकस शास्त्र हुनि के सान दिन व भीतर सूनिष्चित करना।

भिक्या एस० १५०१४ २ ४ ४ १००एक- 1

SO 4255—Whereas Messis The Delhi Cloth & General Mills Co Tid., Bara Hindu Rao, Delhi-110006 (DI /2294) (here mafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1982 (19 of 1982) (heremafter referred to as the said Act).

And wherens, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making my separate contribution or paymen' of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Irise Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Depoint-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme),

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three parts

SCHI DULE

- 1 The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi, munician such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month
- 3 All expenses involved in the administration of the Gioup Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Concernment and, as and when amended alongwith a translation of the silient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5 Where is the employee who is theirdy a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced—so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 Notwithstanding my hing contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount proble indee this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme it employee shall now the difference to be legal her nominee of the employee is compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insulance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(253)/82-PF, III

का०आ० 4256 — मैससं विल्ली इसिंदिक मण्साई अण्डण्टेकिंग, शक्ति सदन, कोटला रोड, नई दिल्ली (डीएल/138) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत स्थापन कहा गया है) में कर्मकारी भविष्य निधि और प्रकीण उपजन्म भविन्यम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के भधीन खूट दिए जाने के लिए श्रावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का गमाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मश्रारी, किना पृथक मांभवाय या प्रीमियम पा सक्षाय किए जिना ही, भारतीय जीवन योमा मिगम की सामृहिक बीमा क्लीम के ध्रधीन जीवन बीमा के स्प में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मश्रारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रीधकानुकूल है जो कर्मशारी मिक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्यात् उक्त स्कीम कहा गया है) के ध्रधीन उन्हें मनुश्रेय है;

श्रम केन्द्रीय सरकार, उनत श्रिविनयम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपानक भनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के श्रिधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की श्रवधि के लिए उनत स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूढ़ देती है।

अनुसूची

- 1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रविधिक भविष्य निधि प्रायुक्त, विस्ता को ऐसी विवरणियां भेजेगा चौर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐगा मुलिधाए प्रवान करेगा जो केर्न्यत्य सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियोशक, ऐसे निरीक्षण प्रभारो का प्रत्येक मास की समाधित के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केम्ब्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिण्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्थीम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गत लेखायों का रखा। जाना निवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीप्तियम का सवाय, खाओं का धन्यरण, निराक्षण प्रभारों का सवाय आदि की हैं, होने बाले सभी व्ययों का बहुन नियोजन हारा निया जायेगा।

- कि नियोगक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमा की एक प्रति, और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मेवारियों का बहुसंख्या की भाषा में , उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुवना-पट्ट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मचारी, जी कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के अर्घीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का गष्टित ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सानूहिफ बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ग करेगा और उसकी बाबत प्राष्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की सबस्त करेगा।
- 6 यदि उन्त स्कीम के अधीन कमंचारिया को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जा हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से युद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उन्त स्कीम के अधीन अनुजेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के छड़ीन सस्देय रकम उस रकम के कम है, जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब यह उकन स्कीम के घड़ीन हाता तो, नियोजक कर्मचारी के बिधिक बारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दौनों रकमों के अस्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक शिमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्राधुक्त, दिल्लों के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहा किसी संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना प्रमुनोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति, अपना अपना अपसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन कामा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्थीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट न्ह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी क, रणवण, नियोजक उस नियत नारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियस करे, प्रीमियम का संवाय करने में असकल रहता है, भीर पालिसी का व्यापत हो जाने दिया जाता है सो, छुट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रोमियम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिम की दशा में उन मून सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उकत स्कीम के अतर्गन होते, बीमा फायदों के संवाय का उनरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 1.2 जन्त स्थापन के सबध म नियांजक, इस स्त्रीम के प्रधीन माने बाले किसी सदस्य की मृत्यु हाने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक बारिसो को बंगालल रकम का संबाध तरपरता से भीर प्रत्येक दशा में भार-तीय जीवन भीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चिम करेगा।

[सब्बा एस-35014/257/82 पी०एफ०-2]

8.0. 4256 —Wherens Messrs Delhi Electric Supply Undertaking Sakti Sadan, Kotta Road, New Delhi (DL/138) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the said Act;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance scheme of the

Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the caid Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Delhi, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the retablishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premimum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the sald Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and here any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(3257)/82-PF. 11]

का० आ० 5257.—मैसर्म मुक्त कीमकर्म ग्लाउ 10/3, जी०आई० डी०सी एस्टेट बारव अहमदाबाद (जी०टी०/5295) (जिसे इमर्ने इसके पक्ष्मत् उपन स्थापत कहा गया है) ने सर्मेचारी पविषय निधि और प्रकीर्ण उपवंध प्रधिन्यम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मान् उक्त प्रधिन्यम नहा गया है) की धारा 17 की उरधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है,

श्रीर केर्न्द्राय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मेचारी, किनी पृथक अभित्राय या श्रीमियम का संदाय किए जिला ही, भारतीय जीवन बीमा निवन को सामूहिक जीवा स्कीप के यजीन श्रीक्षन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मचारियों के लिए में फायदे उन फायदों से श्रीधक अनुकृत है जो कर्मचारी निजीप सहबाद बीमा स्कीम 1876 (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अमुसैय है;

भनः केन्द्रीय सरकार उस्त स्विनियम की धारा 17 की उपधारा, (2क) हारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में विनिद्धित्व सनी के प्रधीन रहते हुए उक्त स्थापन की तीन वर्ष की सर्वाध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधी के प्रानंत ने छूट देती है।

अमुमुची

- जन्त स्थापन के संबंध में नियाजक प्राद्रणिक भावाद निष्धि आयुक्त गुजरात को ऐसी विध्वरणिया भेजेगा और ऐने लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रोय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारी का प्रत्येश मान की समाध्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्न पश्चिमियम की धारा 17 की उपवारा (3क) के खंड (क) के धार्मित समय-समय पर निविद्ध करे।
- 3 सामूहिक बीस। स्कीस के प्रधासन में, जिसके घम्सर्गन नेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, कीम। प्रीग्नियम का संदाय, नेखाओं का घन्तरण, गिरीक्षण प्रभारों का संदाय प्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययां का बहुन नियोजक बारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा वर्मेषारियों की बहुसंख्या की भाषा में उमकी मुख्य यातों था अनुवाद, स्थापना के मूचना-पट्ट पर प्रविश्ति करेगा \
- 5. वर्दि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चिका या उक्त प्रधिनियम के अर्धान छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निश्चिका पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में निर्याजित किया जाता है तो, नियोजक सामू-हिल कीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा भीर उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन कीमा निगम को संदक्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों की उनलब्ध कायदे बदाए जाते हैं ती, नियोजक सामृहिक बीमा स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों से समृचित रूप से वृद्धिकी जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्क्रीम के ध्रवीन उपलब्ध कायदे उनकारका के श्रवित चनुकृत हो, जो उना क्ष्रीम के ध्रवीन ध्रवित सुनुक्षित हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भा , यदि किसी कामंबारी की मृत्यू पर इस स्कीम के श्रवीत सन्दय रकम उस रकम से कम है. आ कमंबारों की उस दशा में सदय होती, जब यह उका स्कीम के श्रवीत होता हो, नियोजक कमंबारी के विधिक धारिस/नामनिर्देशिति की प्रतिर में रूप में दानां रकमों की श्रवार के बराबर रकम का संदाय घरेगा:
- 8. साम्राक्त सीमा स्कीम के उपवस्तों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि धायुन्त न्यान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया आएगा भीर जहा पिभी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पढ़ने की संशोधना हो, बहा प्रादेशिक अविषय निधि भायुनर, भागा भनुमीवन देने से पूर्व कर्मचारिया को प्रधना दृष्टिकाण स्पष्ट करने का प्रधनायुनत अवसर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मकारा, गर्नाय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्वीम के, जिसे स्थापन पहेंने प्रापना धुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के प्रार्थ न कर्मनारियों को प्राप्त होंने बाले कायदे किसी रोति से कम हो जात है, तो यह छूट स्ट्य की जा सवारी है।
- 10. यदि किसी नारणंवश, नियोजक उस नियत नारीक के सीतर, ओ भारतीय जीवन सेमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करते में समफल रहता है, श्रीर पाशिसा की अपयात हो जाने दिया जाता है ती, छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियानक द्वारा प्रामिथम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तित्रम की दशा में उन मून सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों की जी यदि यह दूट न दा गई होती तो उनत स्काम के अन्तर्गत होते, कीमा कायडों के सदाय का उत्तरदायिक नियानक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन, इन स्कीम के प्रधान धान बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियाँ/ विधिक बारिसी का बीमाकृत रक्तम का सदाय तथ्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत रक्तम प्राप्त होंगे के मान दिन के भोनर मृतिकिचन करेगा।

[मंख्या गुमा-35014/256/82-पा० गुफाल-II]

S.O. 4257.—Whereas Messrs Sukan Chemicals, Plot No. 10/3, G.I.D.C. Estate, Vatva, Ahmedabad (GI/5295) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any-separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees. Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the central Government may, from time to time, direct under chaise (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately ented him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employers under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fulls to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case with 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S 35014(258)/82-PF.II]

का० आ० 4258.— मैसर्स ए० पी० स्टेट अग्री इण्डस्ट्रीज, बेनेलपमेल्ट कारपोरेणन लिमिटेड, नैक्शबाक-500004 (आ०अ०/3300) (जिसे इसमें इसके पश्चान उन्त स्थापन कहा गया है) ने सर्वेशारी मिनव्य निश्चित्रीर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चान उन्त अधिनियम कहा गया है) की द्वारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छुट विए जाने के निए धावेषन किसा है.

और केल्द्रीय गरकार नम संवाद्यात हो गरा है कि उन्हें स्वानन के कर्मचारी, किसी पृषक व्यक्तियाय या प्रीमियम का संदाय निर्ण विता ही, भारतीय बीचग बीमा निगन की मामूहिक बीमा स्कीम के धर्मन ग्रीचन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐंग कर्मचारियों के लिए में फायदे उठा रहे हैं और ऐंग कर्मचारियों के लिए में फायदे उन कारदों में अधिक अनुकृत हैं जो कर्मचारी निक्षेप महबद बीमा स्कीम, 1976 (जिमे इसमें इसके पत्थात् उका स्कीम कहा गया है) के अप्रीत उन्हें अनुकीय है,

भत., केन्द्रीय सरकार, उनन प्रधिन त्य की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदेश णिक्तथों का प्रधीय करते हुए ग्रीर इसमें उरावद्ध भनुसूर्य में विकित्विट भनी के प्रधीत रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबार्ग के प्रवर्षन में छूट देती है।

अमुसुची

- 1 उनक स्थापन के संबंध में नियोजित प्रविधिक भविष्य विधि धासुक्त आग्ध्र प्रदेश कोऐसी धिवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के सिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समास्थिसय पर निष्टिष्ट करें।
- ? नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मान की सनागि के 15 दिन के भीतर मदायं करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रीधिनियम की धारा 12 की उपधीरा (अक) के खड़ (क्) के प्रधीन समय-भमय पर निविष्ट करे।
- 3. सामुहिक बीमा स्वीत्म के प्रशासन में, जिसके मध्यांन लेखाओं का एखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का प्रस्तरण, मिरीक्षण प्रमारों का संवाय प्रादि भी है, होने वान सभी कार्यों का बहन नियोजक बाग किया जाएगा।
- 4. नियंत्रक, केन्द्रीय सरकार द्वारा थया अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उनमें संगोधन किया आए, तब उन संगोधन की प्रति तथा कमेंचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मध्य बातों का अनुवाद स्थापन के मुक्तना-गट्ट पर प्रदर्शित करिया।
- 5. यदि कांई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मचारी भविष्य निश्चि का या उक्त मधिनियम के अधीन छूट प्राप्त निर्मी स्थापन की मिवच्य निश्चि का पहले ही मबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, मियोजित साम्हिक बीमा स्कीम के मदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बायन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संबक्त करेगा।
- 6 यात्र उस्त स्थीम के ध्रवीन कर्मचारियी को उनलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक भीमा स्कीम के ध्रवीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृचित रूप से बुद्धि की जाने की ब्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के ध्रवीन उपलब्ध फायदे उस फायदों से ध्रविक ध्रमकृत हो, जो उक्त स्थीम के ध्रवीन यनुक्रेय हैं।
- 7. सामृद्धिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कमंचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के ब्राबीत संदेय रक्तम उस रक्तम से कम है, जो कमंचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के ब्राधीत होता तो, सियोजक कमंचारी के विधिक वारिसा, तासीतिर्दिशाती को प्रतिकर के रूप में बीमों रक्तमों के ब्रावर के वरायर रक्तम का संदाय करेगा।
- 8. साम् हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में काई भी संशोधन, प्रादेशिक अधिक्य निश्चि भायुक्त आन्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसी संशोधन ने कमंचारियां के हित पर प्रक्षिक्त प्रमाब पड़ने की संभावना हो, वहां प्रावेशिक भविष्य निश्चि श्रायुक्त, अपना धनुमोदन देने में पूर्व कमंचारियों को अपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवसर देवा।
- 9 याँव किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की अस सामृद्धिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रथमा चुना है

- मधी। नहीं रह जात है, या इस स्कीत न प्रजीत कर्मकारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो। जात है, तो यह छड़ यह का जा सकती है।
- 10 यदि कारी कारणवजा, नियोजन उस नियन नारीक के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियम भरे, प्रीमियम ना मदाय करने में बाफल रहना है, झौर पालियी की व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो, छट रह की, जा सकती है।
- 11. नियोजन द्वारा प्रीमियन के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिका की द्या मैं उन मून सदस्यों के नामनिर्देशिक्तियों या विधिक बरिसों को जो यदि यह छूट न वी गई होनी सो उक्त स्कीम के प्रन्तर्गत होते, बीमा फायदों के मुदाय का उत्तरवाधिस्व नियोजन पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबंब में नियंत्रग, इस स्कीम के प्रश्नीन प्राने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्तवार नाम निर्देशितियों/बिधिक वारिसों की बीमाकुल रक्तन का संदाय तरारता से ग्रीर प्रत्येक वणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकुल रक्तम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सनिक्तित वारेगा।

[संबंदा ग्म-35014] 23 q/82मी • म्फ-II]

- S.O. '4258.—Whereas Messis A.P. State Agro Industries Development Corporation Ltd., Hyderabad (AP|3300) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);
- And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insulance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme

appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the stid Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(2960)/82-PF. II]

का० आ० 4259.— मैसर्स मादर्न टैक्सटाईल्स लिभिटेड पोस्ट बाक्स न० 1117 59 बी० बेल्कटा स्वामी रोड आर एम० पुरम कोवम्बत्र-61100? (तिमलनाडु (जिसेडममें इसके पश्चाम उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी अधिक्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

भीर केन्द्रिय सरकार क. समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथव अभिदाय या प्रीमियस का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिये वे फायदे उन फायदों में मधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुशेय हैं;

श्रतः, केन्द्राय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबक अनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीम वर्ष की श्रविध के लिए उक्त स्थीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

घमुसूची

 उपत स्थापन के सम्बन्ध में नियाजक प्रविशिक भविष्य निधि ग्रामुक्त तमिलताडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केस्ट्रीय सरकार समय समय पर निदिष्ट करे।

- 2 नियोजक, ऐसे निर्शक्षण प्रभागों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समयसमय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 सामूहिक बीमा स्कोम के प्रणासन मे, जिसके ग्रन्तगैत लेखाग्री का उच्या जाना, विवरणियां का प्रस्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, खेखाग्रीं का ग्रन्थरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय ग्रादि भी है, होने काले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारों किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा धनुमोदिन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, तब उस सगोधन की प्रति तथा कर्मच.रियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बालों का धनुवाद, स्थापन के युजना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भिषय्य निधि का या उपत अधिनियम के प्रभीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भिषय निधि का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजिक किया जाता है सो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरत्त वर्ज करेगा भीर उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदत्त करेगा।
- 6. यवि उक्त स्कीम के धर्मन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के घ्रधीन कर्मच। रियों को उपलब्ध फायदों में समृजित छप से वृद्धि की जाने की ध्ययस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के घ्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक घ्रमुक्त हो, जो उक्त स्कीम के घ्रधीन घ्रमुजेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मकारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधान सन्ध्य रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी की उम दणा में संदेय होती, जब बहु उक्त स्कीम के प्रधान होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिम/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनो रकमो के प्रन्तर के बराबर रकम का संदाण करेगा।
- 8. सामूहिल भीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगीधन, प्रादेशिक भिष्य निश्चि आयुक्त, तिमलनाडु के पूर्व अनुमोदन के खिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगीधन से कर्मेचारियों के हिल पर प्रतिकृत प्रभाव पक्ते की संभायना हो, यहां प्रादेशिक भिष्य निधि आयुक्त, भपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन सीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रथमा चुका है प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो आते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवा, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का मंदाय करने में प्रसक्त रहता है, ग्रीर पालिमी को व्ययमत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिवेशितियों या विधिक धारिसों की जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के झन्तगंत होते, बीभा पायदों के संवाय का उक्तरवायित्य नियोजक पर होगा।

12. उनत स्थापन के सबंध में नियोजक, इस स्काम क प्रावेश आते है। ज किसी सदस्य का मृत्यु हुंनि पर उसके हुकदार नाम निर्वेशितियों/ विधिक वास्मि। की बीमाइक रक्ष्म का संदाय तत्वरता से प्रार प्रस्के हुआ में पारताय अजन बीमा निगम से बामाइक रक्षम प्राप्त होने के माल दिन के भीतर सुनिष्यन करेगा।

[भक्यः एस-35014/261/82-गा॰एफ॰-II]

S.O. 4259.—Whereas Messis The Southern Textiles Limited, P.B. No. 1117, 59-B, Venketasamy Road R. S. Puram, Combatore-(TN/937) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And wherers, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution on payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the sid Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premis, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be have by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary pramium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this 3cheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomine flegal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(261)/82-PF. II]

का० आ० 4260.—मैसर्स धारत हैंवे प्लेट एण्ड वेमल्य लि० विज्ञाल्यापत्तरम (आ०प्रा०/3495) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी मिवष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इममें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है) की बारा 17 की उपधारा (2क) के भ्रष्टीन छूट दिए जाने के लिए भावेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गय। है कि उसन स्थापत के कमंचारी, किनी गृथक अभिदाय या प्रीवियम का संदाय किए बिना हैं, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कमंबारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कमंबारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इनके प्रथान उपन स्कीम कहा गया है) के अर्धन उपह अमुशेय हैं;

ग्रात', केन्द्रीय सरकार, उक्त ब्रिधिनियम की धारा 17 की उपधार। (२क) द्वारा प्रदन्त शिवनयों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाझक अनुसूची मे विनिद्धित्य शर्मों के अर्थान रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अर्थान की तीन वर्ष की अर्थान के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रयर्शन से प्रूट देनी है।

अमृन्सी

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजिक श्रोशिक भविष्य निधि धायुक्त आच्छाविम को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे निखा रखेत तथा निर क्षण के लिए ऐसा मुशिधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निविष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरंक्षण प्रभागं का प्रत्येक सास की समाप्ति के 15 विन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय गरकार, उका श्रिवियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रांत समय-समय गर निर्दिष्ट करें।
- 3: सामूहिन बं.मा रुपीस के प्रणासन में, जिसके अन्तर्गत लेखायों का रखा जाना विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, वं.स. प्रं सियम का संवाय, लेखायां का अन्तरण, निरुष्ठण प्रसारों का संदाय प्रादि भ है, होने बाले सभी न्यपों का वहन नियोजक द्वारा विभा जायेना।
- 4 तियोजक, फेन्ड्रिय सरकार द्वारा यया सनुमंदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, और जब कर्ण उनमें समीक्षत किया जाए, तब उस मगोपन की प्रति नना फर्मकारियों का बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का प्रनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रयक्तित करेगा।

- 5. यदि कोई ऐसा कमंत्रारों, जो कमंत्रारों मिनिय निधि का या उकत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हा सदस्य है, उसके स्थापन में नियाजिल किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बामा न्द्रीम के सदस्य के रूप में उसका नाम हुएत वर्ज करेगा और उसका बाबस आवश्यक प्रीमियम भाग्नीय जीवन बीमा निगम की सदन करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कोम के ब्रघंता कर्मजारियों को उपलब्ध फायदे ब्रधाण जाते हैं, तो, तियोजक सामृहिक बामा स्कीम के ब्रध न कर्मजारियों को उपलब्ध फायदों से समृजित रूप से तृद्धिकी जाने की ब्यवस्था नरेगा जिससे कर्मजारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के ब्रधंत उपलब्ध फायदे उन फायदों से ब्रधिक ब्रम्कृत हो, जा उक्त स्कीम के ब्रधंत उपलब्ध फायदे उन फायदों से ब्रधिक ब्रम्कृत हो, जा उक्त स्कीम के ब्रधीन ब्रम्कृत हो.
- 7. नामृहिक बीम। स्कंभि में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारों की मृत्यू पर इस स्कीम के अर्थान सन्त्येय रकम उन रकम में कम है, जो कर्मचारी की उन दणा में संदिध होती, जब बहु उक्त स्कीम के भ्रष्टान होता तो, नियोजक का तारा के विश्विक वारिस/नामानिर्दाणिती को प्रतिकर के रूप में दीना रकमा के अन्तर के बराबर रकम का सदाय करेगा.
- श सामृद्धिय वीमा रकीम के उपबन्धों से कोई भी समोधन, प्रादेशिक भवित्य निधि भायुक्त आफिअप्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिता नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कमंत्रारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभाषना हा, यहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, प्रभाव भनुमोदन देने से पूर्व कमंत्रारियों का प्रभान दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्ति- यकन अवगर देगा ।
- 9 यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मभारी, भारतीय जीमन भीमा निशम की उस सामृहिक बीमा स्कीस के, जिसे स्थापन पहले भपना चका है भ्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रधीन समेचारियों की प्राप्त होने बाल फायदे किसी रीति में कम ही भीने हैं, तो मह भूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवया, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन करें, प्रीमियम का संदाय करने में प्रमफल रहता है, भीर पालिसी की व्यवसन हो जाने दिया जाता है तो हुट रहे की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीसियम के संदाय में किए गर किसी व्यक्तिश्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विश्विक कारियों की जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अस्तर्गत होते, कीमा फायदी के मुदाय का उन्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उबत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के बार्यन ब्रामे बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से बीर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सैनिश्चित करगा।

[संख्या: एम-3501 t/262/82-वीरव्यक्त०-11]

S.O. 4260.—Whereas Messrs Bharat Heavy Plate and Vessels Ltd., Visakhapatnam (AP/3495) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhia Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities of inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the moup Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insulance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient teatures, thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under the Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment

shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(262)/82-PF, 11]

का०आ। 4261---मैसर्स निमांचरापत्ली डिस्ट्रिक्ट को-आपरेटिव स्पिनित मिल्म लि० काकर (टी० एन०/5562) लिखी जिला (जिसे इससे इसके पश्चान् उतन स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी प्रविध्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्ध प्रक्षितियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त प्रक्षितियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधान छूट दिए जामे के लिए धावेदन किया है:

शौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हा गया है कि उनत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृषक श्रमदाय या प्रीसियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन यामा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के श्रमीन जीवन बीमा के रूप में फायद उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रमिक श्रमुकूल है जो कर्मचारी निश्रेष सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके प्रकात् उका स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हे श्रमुक्षेय है ;

भ्रत, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में यिनिदिष्ट मतौँ के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भ्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक पविष्य निधि ग्रामुक्त, तिमलनाडु को ऐसी विवरणिया भेजेगा भौर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी शुविधाएं प्रदान करेगा जा केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रधारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सद,य करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्राधिनियम की बादा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर मिविष्ट करे।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रकासन में, जिसके धन्तर्गत लेखाधी का एखा जाना, विवरणियों के, प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाधों का धन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय धादि भी है, क्षोम बाले सभी क्यायों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 नियोजफ, केरतीय सरकार द्वारा यथा अनुमादित सामृहिक योमा स्कीम के नियमो की एक अति, भौर जब कभी उनमें संशोधन किया आए, नब उस सर्वाधन की प्रति तथा कर्मखारियों की अनुमक्या की भाषा में उसकी मुख्य बाता का अनुवाद, स्थापन के सूचना पढ़ पर प्रदक्षित करेगा।
- 5 सदि काई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविषय निधि का या सकत स्विधिनियम के प्रधीन छट प्राप्त किसी स्थापन की मिविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुरस्य दर्ज करेगा भीर उसकी बाजब भावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा कियम को संदस्य करगा।
- 6. यबि उक्त स्कीम के अक्षान कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहुए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाते की स्थवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के निए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन इपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अमुकेय हैं।

7 सामूहिक कीमा स्काम में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्मचारों की मृत्यू पर इस स्काम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से अस है, जा कर्मचारी का उस दणा में सदेय हाई।, जब वह उसत स्कीम के अधीन हाता तो, नियाजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिदेशिती का प्रतिकर के रूप में दोतों रकमों के अन्तर के यरावर रकम का संदाय. करगा।

- 8 सामूहिक र्व.मा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी स्थाधन, प्रादिशक भिष्ण निधि प्रायुक्त लिमलनाडु के पूर्व अनुमादन के जिना नहीं। किया गएना और जहां किसी स्थाधन से कर्मजारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की संभावना ही, वहा प्रादेशिक भिष्णय निधि धायुक्त, अपना धनुभावन देन से पूर्व कर्मकारियों का प्रपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त धवसर देगा।
- भ यदि किर्मा कारणविश्व, स्थापन के कर्मचारी, भारताय जोवन क्षेत्र। निगम की उस सामूहिक श्रीमा स्कीम के, जिसे स्थापन परत स्थात चुका है अक्षेत्रन नहीं रह जाने है, या इस स्कीम के स्थात कमंद्रारिया को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, ता यह छूट रद् की जा सकरी है।
- 10 यदि किसी कारणवा, नियोगक उस नियन नारोख के भीतर, जो भारतीय जीवन शीमा निगम नियत करे, प्रामियम का सदाय करने में अमफल रहता है, और पालिमी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सक्ती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियम के सवाय में किए गए किसी ध्यनिषम की दशा में उन मृत मदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक बारिसों का जो यदि यह छुद न थे। गई होती तो उनत स्कीम के भ्रम्तर्गत होते, बीमा फायदों के मंदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उनन स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/ विधित वारिसी की बीमाक्कत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा म भारतीय अविन बीमा निगम से बीमाक्कत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिष्कित करेगा।

[सबया एस-35014(263)/82-पी०एफ०-11]

S.O. 4261.—Whereas Messis The Tiruen, apalli District Cooperative Spinning Mills Ltd. Karui, Trichy Distt. (TN/5562) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to us the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamilnadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the and Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heits entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(263)/82-PF. II]

का॰ आ॰ 4262 --- मैसर्से भारत हैंबी इलैक्ट्रें करूस लिमिटेड, यूनिट एव॰ पी॰ दि॰ पी॰ रामाचन्त्रापुरम हैदराबाद 500032 (आ॰ प्र/2932) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मकारी सकिय निश्चि और प्रकीर्ण उपकथा प्रक्रिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसर्ने

इसके पश्चान जनत श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (२क) के श्रधीन छट दिए जाने के लिए श्रावेदन किया है।

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उनत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक श्रमिशाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना है। भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से शिधिक श्रमुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके परचात् उनत स्कीम कहा गया है) के श्रशीन उनहें श्रमुकेय हैं,

श्रातः, केन्द्रीय सरकार, उपन प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध धनुसूची में विनिद्धिय शर्तों के भ्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को हीन वर्ष की भ्रविधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

अनुसूधो

- 1. उन्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रावेशिक भविष्य विश्वि आयुक्त आन्त्र प्रदेश को ऐसी विषयणियां भेजेना और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा को केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2 नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रस्येक मास की समाणि के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रोय सरकार, उमत ग्रांधिनयम की धारी 17 की उपधारा (3क) के धाण्ट (क) के ग्रंधीन समय-समय पर निविध्य करे।
- 3. स.मृहिक बीमा स्कीम के प्रकासन में, जिसके ग्रन्तगैत लेखाओं का रुखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमिथम का संदाय, लेखाओं का श्रन्तरण, निरीक्षण प्रमारों का संदाय श्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमाधित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा मैं उसकी मुख्य बातों का धनुवाद, स्यापन के सूचना-पट्ट पर प्रधक्तित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधिन छूट प्राप्त किसी स्थापन की अधिकथ निधि का पहुंचे ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा और उसकी नाथत भावश्यक प्रीमिगम आरतीय जीवन वीमा निगम को संदस्त करेगा।
- 6. यदि उसते स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचित कप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूत हों, जो उपल स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. सामूहिक वीमा रूकीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्कीम के धर्मान सम्बेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मवारी को उस प्रशा में संदेय होती, जब षह उक्त स्कीम के ध्रधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक वारिस/नामनिर्वेधिती को प्रतिकर के कप में बीनों रकमों के धन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।

- 8. सम्हिक सेमा स्कीम के उपनन्धा में कोई भी सक्षीधन, माखीणक भिक्षिण निविध प्रायुक्त आध्य प्रदेश के पूर्व भन्मायन के जिला नर्क जिला आहें एता और जहां किसे. संशोधन ने कर्नश्रीकों के विश्व प्रशिक्ष प्रमाय पहने का सभावना हा, नहा प्रादेशिय भविष्य निधि भागुनन, भपना भन्मोदन देने से पूर्व कर्मन, स्थिश को अपना कृष्टिकाण स्पष्ट करने का गविन्यकृत अवसर देशा।
- 9. यदि किमा कारणवर्गा, स्थापन के कर्यनार । श्रास्तेय जनके में मा तियम की उस मामृद्धिक बेमा स्थापन के क्रिये स्थापन पहुँने अपना चूका है अर्थान नहीं रह जाने हैं, या इन स्थाम के अपना किने किनी की प्राप्त होने बाले कार्या किनी की सम हो । एने हैं, तो यह हूट रहे की जा सकती है।
- 10. यांव किसी कारणवण, नियाजक उस नियत तारीक के भीतर जो भारत या जेवल कीका नियम नियम करी, प्रीधियम का केरोब करने में अनकत रहना है, और पालिसी का व्यवस्त हा अभी दिए ताल है सी, छुट रह की जा सकती है।
- 11. नियाजिक द्वारा प्रसिवन के नदाय में किए गा। सिंग व्यक्तिक की दशा में उन भूग सबस्या के नामनिर्देशितियों। या विभिन्न विभिन्नों को जा यदि यह छूट न दें गई होती सा उता स्कीम के प्रत्योंन होते, बंगा कार्यों के मक्त्य का उत्तरकाथित नियालका पर होगा।
- 12 उन। स्थापन के राजध म निश्वाक, इस स्कीम के राधन आने वास किन सदस्य की मृत्यु हाने पर उसके हकदार नाम निर्धीशितियां/ विधिक नारियों की र्धनाहान राजम का संदाय नतारा। स भीर प्रत्येक दवा में भारता व जीवन व भी नियंश ते च माहान राजम प्राप्त होने के नात विवा के भारत सुनिश्चित करेगा।

[मन्या एस - 35014/26 एऽ १ ५ एक - H]

S.O. 4262.—Whereas Messis Bharat Heavy Electricals Ltd., Ubit, HPEP, Ramchardra Puram, Hyderabad-500032 (AP/2938) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of 1 ife Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establed ment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Hyderabad, Andhra Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charge, as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Covernment and, is and when amended, alongwith a translation of the salient Latines thereof, in the language of the majority of the imployees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance ... rporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomince of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident I and Commissioner, (Hyderabad), Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insulance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium etc. the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineellegal heirs childed for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(264)/82-PF. II]

श्रीर केन्द्रीय मरकार का समाद्यान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक धांभदाय या श्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बेंगा निगम की सामहिक श्रीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे है और ऐसे कर्मवारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से भीवक भनुकूल है जो कर्मवारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्काम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उपन स्कीम कहा गया है) के भ्रष्टीन उन्हें अनुजय हैं,

क्रमा, बेग्द्रीय सरकार, उक्ष्म श्रीधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त गांकिनयों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाबद्ध प्रमुक्ती में बिनिविष्ट गार्नी के प्रधान रहते हुए, उक्ष्त स्थापन को दीन वर्ष की ग्रमिश्र के लिए उक्ष्म स्कीम के मभी उपबन्धों के प्रवर्तन से खूट देती है।

अनसची

- ज़बन स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि
 प्रत्युक्त गुजरात को ऐसी विवरणिया भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा
 निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समयसमय पर निदिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्मेक मास की समाधित के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त ध्रिविनियम की द्यारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के धर्धान समय-समय पर निरिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा रकीम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गंत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, निकाफों का भ्रत्यरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय भावि भी है, होने वाले सभी ब्ययों का बहुन नियोजक द्वारा निया जायेगा।
- 4 नियाजक, केन्द्रंय परकार द्वारा यथा धनुमादित सामृहिक सीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, छोर जब कभी उनमें संगीधन किया जाए, तब उस संगोधन का प्रति तथा कर्मचारियों का बहुसस्या की भाषा में उसकी मुख्य बाना का सनुयाद, स्थापन के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मजारी, जो कर्मजारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहिले हैं। सदस्य ही, उसके स्थापन में निमाजित किया जाता है सी, नियाजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उपन स्कीम के महीन फर्मन। रियों को उपनन्ध फायदे बढ़ाए, जाते हैं तो, नियांजक मामूहिक बीमा स्कीम के मधीन कर्मनारियों का उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से मुद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मनारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के मधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से मधिक भानुकूल हों, जो उक्त स्कोम के भधीन भानुकेय हैं।
- 7. सामृहिल बीम, स्कीम में किसी बात के हात हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इसे स्कीम के भ्रष्ठीन सन्वेय रकम उस रकम से सम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के भ्रष्ठीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिवेंकिता की प्रतिकर के एप में दोनों रकमों के भ्रत्नर के बरावर रकम का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी सशोधन, प्रादेशिक मिविच्य निधि धायुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन से कर्मेणारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने को संभावना हा, वहा प्रादेशिक भिष्य निधि प्रायुक्त, भपना धनुमोदन देने से पूर्व कर्मेचारियों को प्रपत्ता दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अथसर देगा।
- यदि किसी शारणवंश, स्थापन के कर्सकारी, भारतीय जावन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा क्कीम के, जिसे स्थापन पहुले अपना

- भुका है भर्थन नहीं रह जातें हैं, या इस स्कंम के भ्रधीन कर्मभारियों को प्राप्त होने बाल फायदे किसी राति से कम हो जात हैं, तो यह छूट रह का जा सपातों है।
- 10 यदि किसी कारणवण, नियाजक उस नियत तारीच के भीतर, जो भारतीय जावन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने मे प्रसफ्त रहता है, भीर पालिसी की क्यरगत हो जान दिया जात. है ता, छट रह की जा सकता है।
- 11 नियंजिक द्वारा प्रतियम के संदाय में किए गए कियं व्यक्तित्रम की दण। में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देखितियों या विधिक वारिसों की जो यदि यह खूट न दा गड़ होती तो उत्तर स्कीम के भ्रत्नगैत होते, बीमा फायशे के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर हागा।
- 1.2 उनत स्थापन के सबंध में निवाशक, इस स्कीम के प्रधान प्राव वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वशितियों/ विधिक वारिसों की बामकित रकम का संवाय तत्परता से और प्रस्थेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के जीवर सुनिश्चिक करेगा।

[स**ब**या एम- 35014/265/82- पी०एफ--H]

S.O. 4263.—Whereas Messis Himansu Chemicals Private Limited, Plot No. 10/3A, GIDC Estate, Vatva, Ahmedabad (GJ/6895) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide such facilities to inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insumce Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol

num is a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident, I and Commissioner. Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of defualt, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(265)/82-PF. II]

चा० आ ० 4264 — मैंसर्स आतीं पैट्रोकेमिकल इन्हर्म्हाज प्राईवेट लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात/1113) (जिसे इसमें इसके पश्चात् सकत स्वापन कहा गया है) ने कर्मचारी चिरुप्य निधि और प्रकीण उपबन्ध धिर्मियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के धिंदीन छूट दिए जाने के लिए धाचेदन किया है;

श्रीर केरदीय सरकार का समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृषक घिष्ठाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक घनुकूल हैं जो कर्मचारी सिक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें अनुशेय हैं;

भतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त भिर्मात्यम की धारा 17 की उपहारा (2क) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिद्दिष्ट णतौं के भ्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भवित्र के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट वेती हैं।

अनम्बंध

- । उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियानक प्रारंगिक भविष्य निश्चि प्रायुक्त नृजरात का ऐसी किया में ते। प्रोर ऐसे लेखा रुखेगा निया निरीक्षण के लिए ऐसी सुविष्यार्ग प्रदान गरेगा जो केन्द्र य सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निराक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्य के 15 किन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्राय सरकार, उत्तर प्रजिनियम की धारा 17 की उपधारा (५क) के खंड (क) के धारान समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 3 नामूहिक बेंग्मा स्कीम के प्रणासन में, जिसके घल्तर्गत लेखान्नों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रोमियम का मदाय, लेखान्नों का धन्तरण, निराक्षण प्रभारों का संदाय ग्रांदि मी है, हाने केले सभी व्ययों का बहन नियाजक बारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामृष्टिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशाधन किया आहा, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मनारियों की बहुसस्या की भाषा में उसकी मुख्य बानों का अनुवाद, स्थापन के सुसता पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मजारी, जो कर्मजारी भविष्य निधि का या उक्त मिन्नियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक सीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत भावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबन करेगा।
- 6. यदि उन्त स्कीम के प्रधीन कर्मवारियों को उपलब्ध फायदे बहुतर जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बंभा स्काम के प्रधीन कर्मेवारियों को उपलब्ध फायदों में समूचित रूप से बृद्धि की जाने का व्यवस्था करीया जिससे कि कर्मवारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रनुकूल हीं, जो उन्त स्कीम के प्रधीन प्रमुक्ति सेनुकूल हीं,
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मेजारी की मृथ्यू पर इस स्कीम के प्रधीन सन्देन रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में सेदेंग होती, जब वह उक्त स्कीम के मधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमां के मन्तर से बराजर रक्तम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेणिक भविष्य निश्चि धानुकत नृजरात के पूर्व भनुमोदन के किन, नहीं किया जाएगा भीर जक्षा किमी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की समावना ही, बहां प्रादेशिक भविष्य निश्चि भागुकत, भवना भनुमोधन देने से पूर्व कर्मचारियों को भवना बृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति- युक्त भवसर देगा।
- 9 सर्वि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, साम्तीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना खुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होंने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, ता यह छूट रह का जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवर्श, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का सक्षय करने में ध्रमफल रहता है, धीर प्रालिसी का व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियाजक द्वारा प्रामियम के संदाय में किए गए किसं। व्यतिक्रम की क्शा में उन मृत्र सदस्यों के नामनिर्देशिनियों या विधिक कारियों की

12.43कन स्थापन के नेवा में विश्वाहक इस स्थाप के ध्राम आन वारो किया सदस्य का मृत्यू हान पर उनके हक्कार तथा विदेशिक्षिया! विधिक यात्रिमों के बावकृत रकत का बढ़ाय तथायत से गीर प्रायोक इका में भारताय अवका बाना विकास विवेदकार प्राप्त होने के मात दिस के भारताश्वीतिका भीषा।

[भवना मन 3501 / 266/8 ' र्न व्यक्तिसी]

SO. 4264.—Whereas Messis Aarti Petro Chemical Industries Private Limited, Ahmerdabad (GH113) (hereinafter retered to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provisions Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contrabution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which we more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Depo it-Linked Jasurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers gonferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees
- 5. Who cas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corpo ation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the soid Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance S'heme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal hei-nominee of the employee as compensation.

- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the life Insurance Corporation of India as already addited by the said establishment, or the benefits to the employees under the Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the preminum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibilty for payment of assumence benefits to the nominees or the legal heirs of deceased numbers who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the S. heme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(266)/82-PF. II]

बार आरं 4265 - भीमर्स काप्पर इजीनिशी में लिमिटेड, पूना-19 जिममें उगकी (1) जिल्दलाडा, पूना-19 श्रीर (1) 654 जेरुएमर रोष्ट, पूणे-111004 पर स्थित शाखाये सम्मिलित हैं तथा जिल्दलाड, पूणे-19 में स्थित क्रम्पर्ता (महाराष्ट्र/2814) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत स्थापन कहा गरा है) ने कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध स्थिनियम, 1952 (1952 जा 19) (जिसे इपमें इसके पश्चात उकत स्थिनियम कहा गरा है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के सर्धात छुट दिए जाने के लिए सम्बेदन किया है;

भीर वेस्हीय सरकार का समाधान हो थया है कि उपन स्थापन के कर्मजारी, किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए विना ही, भारतीय जीवन बीमा निरास की सामृद्धिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के स्थान के स्थान जीवन के स्थान के स्थान प्रीमा के स्थान ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जी कर्मचारी निक्षम महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इममें इसके पश्चान उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय है;

भता, नेन्द्रिय सरकार, उनन मर्धिनिथन की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उपाध्य मनुसूची में विनिधिष्ट मनों के प्रधीन रहते हुए, उमन स्थापन को तीन वर्ष की प्रविधि के निए उनन स्कीम के सभा उपबन्धों के प्रवर्तन में छट देनी है।

अनुसृची

- 1 उका स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक प्रविष्य निश्चि भ्रायक्त, (सहाराष्ट्र) बम्बई को ऐसी विजरणियां भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा निर्देशिण के लिए ऐसी सुविद्याएं प्रदान करेगा जो केर्ध्व संस्कार, समय-समय पर निर्दिश्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारों का प्रस्थेत माम की समाध्यि के 15 दिन क भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रक्षितियम की धारा 17 के उपधारा (3क) के खंड (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिख्ट करें।
- 3 सामृहिक बीसा स्कीम के प्रणासन में, जिसके भन्तर्गण लेखाओं का रखा जाना, विभरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बांसा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का भन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि मी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा सथा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमो प्रिक्त प्रति, और जब कभी उनमें मंत्रोधन किया जाए, तब उस सवाध्या की प्रति तथा कर्मकारियों की बहुसत्या की भाषा में उसकी मुख्य बाता का अनुवाद, स्वापन के सूचना पट्ट परप्रविधत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचार', जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उनन अश्वितियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहिले ही सबस्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक नामृहिक बामा स्थीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ण करेगा और उसकी बावा श्रावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्त करेगा।
- 6. यदि उन्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए, जाते है तो, नियोजक सामृहिक बोमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समृद्धि रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बोमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रमुक्त हो, जो उन्त स्कीम के प्रधीन प्रमु-जैय है।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम मे किमी बात के होते हुए भी, यदि किसी भर्मे जारी की मृत्य पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जो वर्मा जारी को उस दणा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मे कारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में बोनों रकमों के प्रस्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक कीमा स्कीम के उपवन्त्रों में कीई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त भवागष्ट्र के पूर्व प्रनुपोदन के बिना नहीं किया जाएका और नहीं किया जाएका और नहीं किया संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना मनुमीदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना बृष्टिकोण स्पष्ट करने का युवित-युक्त प्रवत्तर देना।
- 9. यदि किसी कारणवर्ग, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपना चुना है भन्नीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अनित कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस निया हारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करे, प्रीमियम का संवाय करने में भनभार रहना है, ग्रीर पाणिनी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा मजती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीपियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की क्ष्मा में उन सृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक चारिमों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उत्तर मकीम के प्रन्तर्गत होते, बीभा कायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उका स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन धाने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उलके हकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों की बीमाकुत रकम का संदाय तत्परता से धीर प्रत्येक वर्षा। में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकुत रकम प्राप्त होने के सात विन के भीतर सुनिधिकत धरेगा।

[संज्ञा एस- 35014/301/82-पी०एफ-II]

S.O. 4265.—Whereas Messrs Cooper Engineering Limited, Poonn-19 including its branches at (1) Chinchwad, Poona-19 and (2) 654 J. M. Road, Pune-411004 and the concern at Chinchwad, Pune-19, (MH/2814) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

1042GI/82-10

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance whi h are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employees, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more-favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employer been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal hein/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharushtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable, to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to larse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of

deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 lays of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (301)[82-PF,11]

कां अगं 4 ? 6 स-- इलप्रो इटरनेशनल लिं , चिमचावाडशाँव, पूना4 1 1 0 3 3, जिम इसकी निम्न चिश्वित शाखाएं भी शामिल हैं - (1) नारीमन प्लाण्ट, बम्बई (रिजस्टर्ड आफिस (?) दुब:स चेम्बर्स, कुमटा स्ट्रीट, बम्बई (3) वेलमले हाउस कलकत्ता ग्रीर (4) अर्चना आफिस कम्पक्षेत्रम, ग्रेटर कैनाण । नई दिल्ली (जिसे इममें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कम्बारी मिवच्य निधि ग्रीर प्रकीण उपचन्न अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपचारा (2क) के ग्रधी, कूट विए जाने के लिए भावेस किया है ;

भीर केन्द्रीय संस्कार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मजारी, किसी पृष्क भिताय या प्रीमियम का संवाय किए विना ही नारतीय जीवन बोमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन वीमा के रूप में फायवे उठा शहे हैं भीर ऐसे कर्मजारियों के लिए ये फायदे उन फायवों से श्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मजारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिमे इसमें इसके पश्वात् उक्ष्म स्कीम कहा गया हैं) के श्रधीन उन्हें अनुक्रेय हैं;

भन , केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रणीग करते हुए और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में विनिधिष्ट शतों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष को ग्रामधि के लिए स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- 1 जरून स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि भ्रायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेंगा धौर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर विविध्ट करे ।
- 2. तियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के मीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उकन प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के ध्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।
- 3. पाम्हिक बीम। स्कीम के प्रणासन में, जिसके प्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का प्रस्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय धादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 निरोजक, केन्द्रीय सरकार द्वार, यथा धनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, धीर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति नथा कर्मजारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसको पृथ्य बातों का प्रतृताद, स्थापन के सुचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उपन प्रधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी र्रेषापन की भविष्य निधि का पर पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरक्त वर्ज करेगा भीर उसकी बाबत भावश्यक प्रोमियम भारतीय जीवन बीम। नियम की संदक्त करेगा।
- 9 यदि उक्त स्कीम के घ्रधीन कर्मनारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृद्धिक भीमा स्कीम के घ्रधीन कर्मनारियों

- को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने भी व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के भ्रष्टीत उपलब्ध फायदे उन फायदों से भ्रष्टिक धनुकून द्वी, जो उक्त स्कीन के धनीन भनुक्तेय हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम मे किसी बात के होते हुए थी, यदि किसी अर्म-चारी की मृत्यु पर इस स्कीम के सम्रीत गदेय रक्तम उस रक्तम से कत्त है, जो कर्मचाली को उस बजा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अश्रीत होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक यारिश/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रक्तमों के अन्तर के बर्बर रक्तम क सवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबग्धों में कोई भी संबोधन, प्रादेशिक भिविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रतुमीदन के बिता नहीं किया जाएगा भीर जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रीकृत प्रजाब पड़ने की सभावना हो, महा प्रादेशिक भिविष्य निधि आगुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मवारियों की प्रयना वृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवस्त देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवंश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन वीमा निगप की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रापता चुका है प्रधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किमी कारणवर्षा, नियोजक उस नियत तारीख के भीजर जो भाग्तीय जीवल बीसा नियम नियन करें, प्रिमियन का संदाय करी में घमकल रहना है, ग्रोर पालिसी को व्यपगत हो जाने विधा जाना है तो छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रशासनम के पंदाय में किए गए िसी क्यितिकम की दशा में उन मूल सबस्यों के नाम निर्देशितीयों या विधिक बारिसों को जो यित यह छूट न वी गई हीती ता उक्त स्कीम के सम्बर्गित होते, बीमा फायबों के संशाय के उत्तरदायित्व मिजक पर होता ।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के मधीन धाने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेणिनोयों विधिक वारिसों की बीमाफ़त रकम का संवाय तत्परता से भीर प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त हाते के सात विन के भीतर सुनिक्चित करेगा।

[सं॰ एस-35014/311/82-गेर॰ एफ-[1]

S.O. 4266.—Whereas Messr₈ Elpro International Limited, Chinchwadgaon, Poona including its registered office at Nariman Point, Bombay and branches at Dubash Chembers, Kampta Street, Bombay (ii) Wellesley House, Calcutta and (iii) Archna Office Complex, Greater Kadash-1, New Delhi (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereipafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and whon amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (311)/82-PF. II]

का०आ० 4267--मैसर्स जय हिन्द सायकी लिमिटेड, डा-1 ब्लाक प्ला न 0 18/1 चिनिचियाड, पूना-411019, (एम एवं 14766) (जिले इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीणे उपयन्त्र प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट विए जाने के लिए धावेदन किया गया है;

धीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक प्रांभवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हैं, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के ध्रधन जवन यीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं धीर ऐसे कर्मचारियां के लिए ये कायदे उन कायदों से प्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें प्रमुशेय है;

धतः, केन्द्रीय सरकार, जनन धिवित्यम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त गरितयों का प्रयोग करते हुए श्रीर इससे उपायद्ध धनुसूचों में विनिर्दिष्ट शासी के धधोन रहते हुए, जनन स्थापन की तान वर्ष कर धविधि के लिए जनत स्काम के सभा उपबाधों के प्रवर्तन से छूट देता है।

मनुसूची

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियांजक प्रावेणिक प्रविष्य निर्धि प्रायुक्त (अम्बर्ष) महाराय्ट्र को ऐसी विवर्णणमा भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रोय सरकार, समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीक्षर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त घिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रक्रेन समय-समय पर निविष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीमा त्कीम के प्रशासन में, जिसके मंत्रभंत लेखाओं का रखा जाना, शिवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का मन्त्ररण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय ग्रादि भी है, होने वाले सभी क्यों का बहुन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्सीय सरकार द्वारा यथा अनुमोबित सन्मृह्विक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कमी उनमें संशोधन किया आए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमेंट्यों की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रविश्व करेगा।
- 5. यवि कोई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मकारी भविष्य निधि का बा उक्त श्रधिनियम के प्रधीन छट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्भ का गा भीर उसकी बाबत भावस्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदत्त करेगा।
- 6. यवि उमत स्कीम के भ्राधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायवें बढ़ाए जाने हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के भ्राधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदों में समुचिन कप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मजारियों के लिए सामूहिक वोमा स्कीम के भ्राधीन उपलब्ध फायवें उन कायदों से भ्राधिक भ्रानुकृत हों, जो उनत स्कीम के भ्राधीन भ्रानुत्रेय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मकारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो फर्मबारी को उस बता में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नामिपर्वेशिती को

प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के भ्रन्तर के बराबर रक्तम का संदाय करेगा।

- 8. सामूहिक योमा स्कीम के उपबन्धों में वोई भा संशोधन, प्रावेणिय भावज्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र (वनाई) के पूर्व अनुमोदन के शिना नहीं किया जाएगा और अही किया स्वीधन से कमेनादियों के हिए पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की सभावता हो, वहा प्राप्तेणिक भविष्य निधि धायुक्त, अपना प्रानेश्वन देने से पूर्व कमेनारियों की प्रपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने की सुक्तिन्तन प्रयसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवाग, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय अविन वीमा निगम की उस ग्रमूहिक बीमा रकीम के, जिसे स्थापन पहले धपना चुका है भर्धान नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अक्षेन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदे किसा रीति से कम हो जाने हैं, तो यह छूट रह का जा सकती है।
- 10. यदि किर्मत कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जाजन वीमा नियम नियम करे, प्रीसियम का गदीय करने में असपन रहता है, श्रीर पालिभी का अपनत हा जाने विमा जाता है ती, छट रह को जा भक्षती है।
- 11. नियां जिस्सार प्रतिमयम के संदाय में किए गए किसी ध्यक्तित्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसी को जो यदि यह छूट न दो भई हानों तो उक्त रकीम के प्रतिभंत होने, बीमा फायदा के सवाय का उसरवायित्य नियोजक पर हागा।
- 12. उसत स्थापन के संबंध में नियोगक, इस स्क्रीम के अर्थान आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हुकवार नाम निर्देणितियाँ। विधिन वारिसा की बामाइत रक्तम का संदाय तत्परता से और अत्येक देणा में भारतीय जीवन वामा निगम से बीमाइन रंकम आपन होने के साज विन के भीतर मुनिविचन करेगा।

[मध्या एस० 35014/314/82-पी०एफ० II]

S.O. 4267.—Whereas Messis Jay Hind Sciaky Limited, D-1 Block, Plot No. 18/1, Chinchwad, Poona-411019 (MH/14766) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied tor exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtia (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rule₃ of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient feature₅ thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Gioup Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employers of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the empoyer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for is and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (3141/82-PF. II]

कां अगः 4268 - मैसर्म जालकत्वनगर इण्डस्ट्रिज लिमिटेड पौ० को० वालकत्वनगर (जिबा पृना) (महासाम्ट्र/9128) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमेंचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की गाग 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट विए जाने के लिए झाबेवन किया श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उसन स्थापन के कर्मेचारा, किसी पृथव अभिवास या प्रीतियम का संदाय किए जिला है, भारतीय जांगन वीमा निगम की सामूहिक वीमा स्काम के अधान जीयन थीमा के रूप में कायवे उठा रहे है श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रीधक अनुसूल है जो कर्मभारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिले इसमें भूसमें पश्चान् उस्त स्कीम कहा गा। है) के अर्धन उन्हें अनुनेग है;

धनः, केन्द्रं य सरकार, जनन श्राधिनयम ी धारा 17 की उपधारा (2क) बारा प्रदेस भाषिनयों का प्रयोग करो हुए और इससे उपाबद्ध श्रानु-सूची में बिनिर्विष्ट मर्तों के श्रादीन नहीं हुए, उपन स्थापन को तहन वर्ष को श्रावधि के लिए, उका स्कीम के सभी उनमन्धा के प्रवर्तन से छूट बेर्त, है।

अनुसूच् (

- उदम स्थापन क गम्बामा में नियोजक प्रादेशिक शिविध्य निधि प्रायुक्त महापान्द्र का ऐसा विजयिष्यों भेजेमा क्षीर ऐसे निखा रखेगा तथा निरिक्षण के निष् ऐसो मुविधाएं प्रवान करेगा जा केन्द्रोय नरकार, समय-समय पर निविध्य करें।
- 2. नियाजक, ऐसं निरोक्षण प्रकार का प्रत्येक मास की समाप्ति है। 15 दिन के भीतर संदाय करेगा भी केन्द्रीय सरकार, उक्त आधिनियम की धारा 17 की उपधारा (5क) के खण्ड (क) के प्रकान समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 3. सामूहिक चीमा स्कोम के प्रशासन में, जिसके प्रस्तांत लेखाश्रां का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा श्रीनियम का संदाय, लेखाश्रों का श्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय श्रादि भी है होने यासे सभी व्ययों का वहन निर्माणक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजन, कंग्ड्रीय सरकार द्वारा यथा अपूनाचित सांशूहिक वीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति, आर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उम संशोधन की प्रति तथा कर्मजारियों का शृहसंख्या का भाषा में उसकी मुख्यवानों का अनुवाद, स्थापन के गुलन:-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसः कर्मचारी, जो कर्मचार। शिवण्य निधि का या उक्त प्रिधितियम के प्रधीत छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा ग्रीट उसकी बाबत प्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदस्त करेगा।
- 6 यदि उन्त स्कीम के धर्मात कर्ननारियों को उपलब्ध कायवे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजन सामूकि ग्रीमा स्कीम के धर्मात कर्मनारियों को उपलब्ध फायदों में समुद्धित रूप से वृद्धि की जाने का व्यवस्था करेगा जिससे पिर कर्मनारियों के लिए सामूहिक बेमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे, उन फायदों से प्रधिक धनुकून हों, जो उन्त स्वीम के प्रधीन प्रमुक्षेय है।
- 7. सायूहिक बांना स्काम में जिना बन के होने हुए भां, यदि किसी कर्मनारी को मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन सन्वेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मनारा का उस दशा भें सदेय होती, जब वह उकत स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मनारा के विधिक यारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के क्या में दोनों रक्षों के प्रशार के वरावर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक वीमा सर्कीम के उपवन्धी में कोई भी संबोधन प्रादेशिक भिष्य निधि मामुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोक्त के बिना नहीं किया जाएगा और महा किनी मंगीबन से क्षेत्रिती के हिन पर प्रतिकृत अभाव पड़ते की संभावना हा, बहा प्रावेशिक भित्रक्त निधि प्रायुक्त, प्रपना मुमोदन देने ने पूर्व किनी स्वार्य में स्वर्त मामुमोदन देने ने पूर्व किनी स्वर्ता स्वर्ति मामुमोदन के सस्स देगा ।

- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीम । निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भ्रपना चुका है भ्राधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने याले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं शो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियत शारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संबाय करने भें ससफल रहता है, भीर पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो, छूट रह की जा सकती हैं।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की वशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उकत स्कीम के घंतर्गत होते, बीमा कायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उपल स्थापन के संस्थान में नियोजक, इस स्कीम के घ्रधीन धाने बाखे किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हुकदार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों की भीमा कत रकम का संवाय तत्परता से घीर प्रत्येक थवा में भारतीय जीवन भीमा निगम से बीमा कृत रकम घान्त होने के सात दिन के भीतर मुनिक्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/320/82-पी॰एफ॰ II]

S.O. 4268.—Whereas Messrs Walchandnagar Industries Limited, P.O. Walchandnagar (District Pune) (MH/9128) (herenafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Acta 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Mahareshtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc, shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the calient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the aid Act, is employed in

his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, it the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Schere shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits—to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the empoyer fails to pay the promium etc. within the due date, as fixed by the Life insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomines or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled full it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India

[No. S-35014 (320)/82-PF. II]

कार गा॰ 4269. — मैसमें वालकादनगर इण्डस्ट्रीज लिनिटेड (मुद्रणालय) डाकधर यालकादनगर, जिला पूर्ण (महा/9139) जिसे इसमें इसके पश्चात् एकत स्थापन कहा गया है। ने कर्मचारी प्रतिव्य निधि और प्रश्ची उपवन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए श्राविद्य किया है;

भीर केन्द्रिय सरवार का समाधान हो गया है कि उक्न स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथ्व अभिदाय या प्रीसियम का संदाय किए जिला हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदें उन फायदों से अधिय अनुकूल है जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्वान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभेय है;

श्रमः केन्द्रीय संग्कार, उसन अधिनियम श्री घारा 17 शी उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त प्रान्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर इसने उगावद्व श्रमूलूची में विनिष्ट प्रतों के श्रधीन रहते हुए, उसत स्वानन को तीन वर्ष की प्रावधि के सिए उश्त स्वीन के सनी उपबन्धों के प्रवति से छूट देती है।

अनुसूची

- 1. उनत स्थापन के सब्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि मायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय मरकार, समयसमय पर निर्विष्ट वरें।
- 2. नियागक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रोय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधान समयसमय पर निर्दिष्ट करे।
- 3 नामूहिक बीना स्कीम के प्रधाना में, जिनके अन्तर्गत लेखामों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय धादि भी है, होने बाले सभी क्ष्यों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोगक, केन्द्राय सरहार द्वारा यथा घनुमोद्दा सायृहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति, प्रौर जब कभी अनमें नंशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसक्या की भाषा में उसकी मुख्य बासों का धनुवाद, स्थापन के सुनता-यह पर प्रदिशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मनारी, जा कर्मनारी भित्य शिधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भित्रप्त निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक सामृहिक भीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम तुरना दर्ज करेगा और उसकी गावत आयश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबक्त करेगा।
- 6. यदि उन्न स्क्रीम के भ्रायीन का निर्मात को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाने हैं तो, नियाजक सामृहिक बीमा स्क्रीम के भ्रधीन कर्मेजारियों को उपलब्ध फायदों में समृश्वित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मजारियों के निए सामृहिक बीमा स्क्रीम के भ्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक भनुकून हों, जो उनन स्क्रीम के भ्रधीन भन्नेय हैं।
- 7. सामूहिक बीना स्कान में किसी बात के हाते हुए भी, यदि किसी कर्में जारी की मस्यू पर इस स्कीम के प्रजीत सन्येय रोग्न उम रक्षम से कम है, जो कर्मचारी की उस दशा में सवेय हाती जब वह उक्त स्कीन के प्रधीत हाता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारित/नामनिर्वेथितों को प्रक्रिक के उप में दोनों रक्षमों के प्रक्रार के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीभ के उपप्रक्षों में कोई भी संबोधन, प्रादेशिक भिविष्य निधिन्न, प्रदेशिक भिविष्य निधिन्न, पुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुनीवन के बिना नहीं किया आएगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृष प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, भगना अनुमीवन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिने स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को अपन होने याने फाउने कियो रीति से कन हा जाने हैं, या यह खूट रह की जा सकनी है।
- 10. यदि किसी कारणवय, नियंजक उन नियंत तारीख के भीतर आ भारतीय जीनन बीमा नियम विश्व करें, प्रीक्षित्रन का नंदाय करने में असकत रहता है, और पालिमी को व्यपनन को जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जासकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दया में उन भून सबस्यों के नाम निवैधितियो या विधिक कारिसों की जो यदि यह छूट न की गई हानी हो उका स्काम के अंगीत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरवाधित्व नियोजक पर होगा।

12. जनत स्थापन के मबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने वाले किसी मदस्य की पृत्यु होने पर उमके हकदार नाम निर्वेणितियों/ विधिक वार्तियों की बीमाकुन रकम का संदाय सत्परन, में और प्रत्वेक दशा में भारतीय जीवन बोमा नियम में बोमाकुन रकम प्राप्त होने के साम दिन के मीतर सनिधिवत करेगा।

[संख्या एस-35014/321/82-पी**०एफ**०-II]

S.O. 4269.—Whereas Messrs Walchandnagar Industries Limited (Mudianalaya), P.O. Walchandnagar, District Pune (MH/9129) (hercin: fter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hercinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Enployees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his stablishment, the employer shall immediately carol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employers under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the repsonsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt nayment of the sum assured to the nominees/legal heirs envited for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (321)]82-PF.II]

फा॰ आ॰ 4270. -- मैसेंस पीको इसैंपट्रोनिका एण्ड इलैबिट्रमाल्स लिसिटेस, लींनी फेक्ट्रीज, लोंनी कालफोई, पृणे-412701 (महा/ 2608), (जिसे इसमें इसके पश्चाम् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमेंबारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चाम उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने ने लिए प्रावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मनारी, किसी पृषक श्रमिदाय या प्रीमियम का संदाध फिए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदो से श्रधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निश्चेप महबद बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्नात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुश्चेय है;

ष्रतः, केन्द्रीय सरकार, उत्ततं अपितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) ब्राग प्रदत्त णिकत्यां का प्रयोग करते हुए धौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में विनिधिट क्षानों के अधीन रहने हुए, उका स्थापन को सीन वर्ष की अवधि के लिए उका स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवंतन से छूट देती है।

अनुमुक्ती

उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि
प्रायुक्त, महाराष्ट्र बम्बई की ऐसी वियरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा
निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार,
समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

- 2. िरोमक, ऐसे निरीक्षण अभारों का पत्येक साम की समाध्य के 15 दिन के भीवर गंदाय करेगा जो केलीय गंदकार, उक्त अधिन्यम की सारा 17 की उपधारा (3क) के प्राप्त (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 3. साम्हिक वीमा स्हीम के प्रशासन में, जिसके धन्तंगत लेखाओं का रखा जाना, धिवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का धन्तरण, विभीक्षण प्रभारों का सदाय धादि भी हैं, होने वाले सभी कारों का बहुन निर्धानक हारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीप के नियमों की एक प्रति प्रौर जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उपकी मुख्य याती का अनुवाद, स्थापन के सुवना-पष्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मधारी भविष्य निधि का या जकत मिधिनियम के भवीन छूट प्राध्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्थ है, उसके स्थापन में नियोजिक किया जाता है तो, नियोजिक सामूहिक बीमा स्तीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरुष्य वर्ष करेगा भीर उसकी बाधन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को लंबन करेगा।
- 6. यवि जन स्कीत के श्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायबे बढ़ाये जाते हैं सां, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायबों में समृचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायबे उन फायबों से प्रधिक प्रामृक्ष हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रमृक्षेय हैं।
- 7. सामूहिन बीका स्लीम में किसी बात के हीते हुए भी, येदि किसी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्लीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जी कर्मवारी को उस दणा में संदेय होती, जब यह उसर स्लीम के प्रधीन होता तो, नियोग क कर्मवारी के विधिक वारिम/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर एकम का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबच्धों में कोई सी संबोधम, प्रादेशिक प्रविष्य निधि मायुक्त, महाराष्ट्र सम्बर्ध के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जायेंगी घौर जहां किमी संबोधन से कर्मचारियों के हिंग पर प्रतिकृष प्रधान पड़ने की संभावना हो वहा, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त मपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को मपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति पुत्रत स्वसर देगा।
- 9. यदि किरी कारणनया, स्थापन के कर्मनारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उन सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाले फायरे किमी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. यदि किमी कारणवण, वियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम के संदाय करने में असफल रहता है, भीर प. जिसी की व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की आ सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी ध्यतिकम की दया में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विश्विक बारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के ऋत्सर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12- उन्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्रामे वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेखिलियों/

विधि कं वारिसों की बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से भीर प्रस्पेक क्या में भारतीय जिल्ला बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होंने के सात दिन के भीतर सनिक्चित करेगा।

[संख्या एम 35014/329/82-पी॰एफ॰-11]

S.O. 4270.—Whereas Messrs Pelco Electronics and Electricals Limited, Loni Factories, Loni Kalbhoe, Pune-412201, (MH/2608) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A') of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government herbey exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) maintain, such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses invoved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount nayable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect

ndversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commi ioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain under their point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption thall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the empoyer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the repsonsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal hears of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt navinged of the sum assured to the nomine /legal heirs entitled for it and in any case within 7 lars of the receipt of the sum assured from the life logical time. Corporation of India.

[No. S-35014 (329)/82-PF, II]

का० आ० 4271--- मैसमें पीकी इलीड़ निक्य एक इलेकिन्नरा क्रिक्टिट, मिसरी फैट्टीज, ए.स्ट. 90, जीनारी इल्डिस्ट्रिएन एस्टेट पणे-411026 (सहा 9509) (जिसे इसमें ग्रमके पश्चाम् उपन स्थापन पहा गण है) ने तर्मिन्सी पश्चिम मिद्रि प्रीप प्रकीर्ण उपबंध प्रशितियम, 1972 (1952 वर्ष 19) जिसे इसमें द्वारी पश्चाम उक्षा अधिनियम कहा गया है) वी द्वारा 17 की उपधारा (2वा) के प्राधीन छूट दिए जाने के लिए शायेवत हिला है?

श्रीर केट्यीय राजार का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथत शिमदात या प्रीतियम का मदाय किए विता ही, भारतीय जीवन बीमा जिसम की सामहिश बीमा म्हीम के प्राप्तीत जीवन विभा के राप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे वर्जनारियों के दिए में फायदे उप फायदा में अधिक अनुकृत हैं, जो वर्मचारी निक्षेप समबद्ध बीमा महीस, 1976 (जिसे दसमें इसके पश्चात् उक्त क्कीम बहा गया है) के मधान उन्हों अनुजेप हैं;

%न, मेर्न्डिय संस्थाण, उन्नत लांधित्यम की धारा 17की उपधारण (६फ) हाण प्रदेस महिनयों का प्रयोग करने हुए श्रीर इतने उपाधद्व पत्यू में से बिर्तिडिय गर्नों के पर्धान पहने हुए, उन्ना स्वारत का नीम धर्म की सर्वधि के निए उमारिक्त में सभी उपनामें के प्रधनेन में छट देनों है।

अनम्को

- 1 उक्त स्थापन के सबस में निर्धातक प्रावितिक भविष्य निर्धि शायुक्त महाराष्ट्र, बावर्ष का ऐसी विवर्णयां भेतिन प्रीट ऐसे निथा रखेशा सथा निरीक्षण के निर्मेनी गुविताणं प्रदार एटेशा जा केन्द्रीय सरकार, समय-सस्य पर निष्धित करे।
- 3 नियाना, ऐसे निर्मालय प्रधारों का प्रत्येक साम की मनापित के 15 किन के भीतर मंद्राय करेगा जो कन्द्रीय परचार, उका राजिनियम की बारा 17 की उपमाण (का) के खंड (क) के शरीन समय-सगय पर निर्मिट करे।
- र सामृद्धिय कीमा स्थीम के प्रणाप। में, जिस्के घरतांत देखाओं हा ज्या जाता, विवरणियों का प्रमान किया जाता, ये मा में मि।म ना संकार, विवासी हा प्रस्तरण, विदीसण प्रमानं का संदाय प्रादि भी है, होते घोत्ति मके देश्यों का बहुत निवासक बारा विदा जायेगा।
 1042 (ताप्टे--!!

- 4 नियोजन, केन्द्रीय भगागण क्रांग क्या मनु गरित सामृहित बीमा र तीम के नियमों की एक प्रति, श्रीय अन कभी उनमें नंशाधन किया आए, सभ उस संगोधन की प्रति नाम कभीवादियों की बहुतंत्रका की भाषा में उसती मुख्य कार्यों का शनुवाद स्थापन के नुक्ता-गर्द पर प्रदिशित करेगा।
- 5 यदि काँड गिया नार्मेघारी, जो सर्माचारी कविष्य िश्वि का या उज्ले श्रीधिनिश्म के घंधीन छट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य रिधि का पहले ही सम्य्य है, उसके स्थापन में रिखीजिन निया जाता है तो, नियाज स्थापिक बीमा भीम कि सहस्य के रूप में उसका नाम तुरका वर्ष करेगी श्रीर उसकी यायन नायण्यक प्रीमियम भाग्नीय जीवन बीमा नियम की सदत्त करेगा।
- 6. यदि उपन महीम के पश्चीत कर्मनारियों हो। उपनवा फायदे बहाए जाते हैं तो, नियान मानुद्विक बीमा महीम के श्रयीन कर्मनारियों की उपन मानुद्विक बीमा महीम के श्रयीन कर्मनारियों की जिससे कि यर्मनारियों के निए मानुद्विक बीमा महीम के श्रयीत उन्तब्ध फायदे उनकात्वों के प्राप्तिक प्रतास्त्र हों, जो उन्त महीम के श्रयीत उन्तब्ध फायदे उनकात्वों के प्राप्तिक प्रतास्त्र हों, जो उन्त महीम के श्रयीत प्राप्तिक प्रतास्त्र हों, जो उन्त महीम के श्रयीत प्राप्तिक प्रतास हों.
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम से किनी नात ने हींते हुए थी, यदि िसी कर्मबोरी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देय उक्तम उस राम से सम है, यो कर्पचारी गी उस दला में गंदेल होती, जब वह उका न्याम के अधीन होता तो, विजिल्ल कर्पचारी के दिखा वाल्यि/।सिविधित को अधिक के एप में बीवी कर्मों के दूरार के प्राथम पत मंदाय करेगा।
- १ मान्द्विक बीमा स्तीम के उपनी में सोई भी मंगीया, माहेशिक भरिता विधि प्रामका महावाद, यव्यई के पूर्व अनुमोदन के दिना नहीं दिना जायेगा और पहीं किया समाधाः से दर्भवाधियों के द्वित पर परितृत्व प्रथान पढ़ते की संगायना है। यदा, पार्दिणा स्थिता निधि पायुक्त, प्रपत्त धनमोदन वैने से पूर्व कर्मधारियों की सपना दृष्टिकीण स्यप्ट करने का युक्तिमुक्त प्रथमर देना।
- 9. यदि विभी वारणवान, स्तापन के कर्मवारी, भारतीय जीवर नीमा निनम की उन मामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पत्नी अपना चुका है अधीन नहीं यह जाते हैं, या इस स्तीम के अधीन कर्मवाशियों की प्राप्त होने क्षति कायवे िसी रीति से नम हो। जाते हैं, तीयह छूट रह की जा सकती है।
- 10 यदि किसी फारणवन, नियानक उप नियन तारीख के फीतर, को फारतोव जीवन वीमा नियम नियन पर प्रीमियम का पदाय करने में फैशफान रहता है, खौर पासिनी को व्यवसान की जाने दिए जाएत है ता, छुट रह की जा मक्सी है।
- 11. नियोजिक द्वारा प्रीमिशम के संदाय में किए गए किनी व्यक्तिम की दशा में उन मून सदस्यों के नामनिर्वेशितियों या निभिन्न वारिमा का जो यदि यह, छूट न ती नई होती हो उक्त मनीम के अंतर्गत होती. मीमा फाएवी के भंदाव का उत्तरवाधित विभागत पर ही गए।
- 12 जन्म रायान के संबंध में वियाजक, इस रहीत के प्रीति आने याने किसी सदस्य की महण् होने गए उसके हक्कदार नाम विदेशिकियों/ विधित वारिसों की बोसाहा राम का गराद तथाता में और प्रतिक वणा में भागनील कोबन बीमा निवम से बोसाहा रक्तम प्राप्त होने से गाप दिन के नीयर सुरिक्षित करेंगा।

[नक्या एम-३५०१4/३३०/६ -नी० एक-[१]

S.O. 4271.—Whreas Messrs Pelco Electronics and Electricals Limited, Pimpri Factories, Plot 80, Bhosari Industrial 1: the Pune-411026 (MH/9599) (hercinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

- --- - --

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Milharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, is the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the I mployees' Providerat Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the henefits available to the employees under the sand Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life

Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominces of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee'legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (330)/82-PF, 11]

कार आर 4272 -- भैममं पंका इलेक्ट्रअसिया एएड इलेक्ट्रियन विभिन्नेड. कालवा कैक्ट्रिय एमर आईर होर मीर इण्डिन्ट्रियन ऐरिया. थाने बालापुर राड थाने 1000001 एमरएएडर प्रतिप्त निर्ध इसमें इसके परचात उसा स्थापन कहा गया है) ने धर्मआरी धरित्य निर्ध मीर प्रतिपी उपनध अधिनियम 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके परचान उसन प्रधिनियम कहा गया है) कि धारा 17 की उपधारा (१क) के अर्थान छट दिए काने के लिए बार्नेसन जिया है :

श्रीण केन्द्रीय गरकार का समागत हो गया है कि उक्त स्थापन के वर्मचारी, विसी पृथक ग्रीभदाय या प्रीमियम का गदाय दिए, बिद्धा ही, भारतीय जीवन वीमा निशम की सामृद्धित टीमा रशीम के ग्रीभीत जीवन वीमा के प्रश्नीत की सामृद्धित टीमा रशीम के ग्रीभीत जीवन वीमा के किए ये फायदे उन फायदें में प्राधित श्रम्कल है जा कर्मचारी निश्चेष महत्यद्व बीमा स्कीम 1976 (जिसे अपने कारि पण्यान् उक्त कीम कहा गया है) के श्रीभीन उन्हें श्रमुशीय है.

धन, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रक्षितियम की धारा 17 की उपधाना (एक) द्वारा प्रदक्त प्रक्रियों का प्रयाग करने हुए और इनमें उपाबद्ध भन्-सूची में विनिधिष्ट पानों के प्रधीन रहते हुए, उचन स्थाक का तीन वर्षे की सुबधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उनवधा के प्रवर्गन में छुट देती है।

अ∤स्चिं≀

- उक्त स्थान के नवंश में तियाजक प्रादेशिय भिवरण निधि धायुक्त महाराष्ट्र (वस्वर्ष) को ऐसी विषयणिया भोजेगा भीर ऐसे लेखा अखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुजियाए प्रदान करेगा जा केन्द्रीय सरकार, समय-समन पर निदिष्ट करे।
- 2 निपाजन, ऐसे निरोक्षण प्रमारा का प्रत्येक साम की समान्ति के 15 दिन के भीक्षण संदाय करेगा जा गेल्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की छारा 17 की उपधारा (३क) के खंड (क) के प्रधीन समय-समार पर विदिष्ट करें।
- 3. सामृहित भीमा स्कीम के प्रणापत में, त्रियक अन्तर्गत लेखाओं का रक्षा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमिशम का मंदाय, लेखाओं का अन्तरण, निशीक्षण प्रजारों का मंदाय आदि भी है, होने वाने सभी व्ययों का यहन नियोजक द्वारा किया जायेहा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमंदित सामृहिक भीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, श्रीर जब कभी उत्तमें मंगीयत किया जाए, तब उस मंगीयत की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमक्या की भाषा में उसकी सुख्य बाली का अनुवाद स्थापन के भूचना-पट्ट पर प्रविधत करेगा।
- 5. यदि कॉर्ड मेरा हमेनारी, जाकमेनारी भनिष्य निधि का या उत्तत प्रधिनियम के प्रधील छूट प्रतिन किसी स्थानन की भिष्य निधि का या जे ही गदस्य है, उनके स्थानन से दियों जिन किया जाना है नो नियों जक सामृद्धित सीमा स्कीम के सदस्य में स्था से उसका नाम तुरन्न वर्ज करेगा और उसकी बाबन श्रायश्यक श्रीमियम भारतीय जीवन सीमा निभय को सदल करेगा।

- 6 यदि उनल स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढाए, जाने हैं ता, नियोजक सामृहित बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उप-लब्ध फायदों में समृचिन रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा किसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहित बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उस फायदों से अधिक धनुकल हो जो उक्त स्कीम के प्रधीन धनुकेंब हैं।
- 7 सामृहिक बीमा स्कीम से किसी बात के होंने हुए भी, यदि किसी कर्म बारी की मृत्यु पर इस स्कीम के श्रद्धीन सदेय रूक्स उस रक्स से कम है. जा कर्म शारी का उस दशा में सदेय हाती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीत हाता ती, नियाजक कर्म बारी के जिल्हा जारिस। नाम निर्देशिती की प्रतिकार के क्या में दोना रक्त में के जातर के बराबर रक्स का संदाय बरिसा।
- ९ सामृत्यि बीमा स्काम के उपबंधों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भावत्य निधि आयुक्त भहाराष्ट्र बस्बई के पूर्व अनुमंदिन के बिना नहीं लिया आयेगा भीर जहां कि ही। साधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की समावता हो बहा, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, श्रपना अनुमोदन देते से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तिसुक्त अवसर देगा।
- 9 घोद निसी बारणवण, स्थापन के कर्मचा , भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बीले फायटे किसी रीति से कम हो जाते हैं, सा यह छूट रह की जा सकती है।
- 10 सबि किसी कारणवंश, नियोजक उस नियह हारी ख के भी क्षर जो भारतीय जीवन कीमा नियम नियम करे, श्रीमियम का सवाय करने में असफल रहता है, और पालिमी को व्यपगन हा जान दिया जाना है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियंत्रक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की द्वारा में उस मून सवस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों की जी यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भन्गेत होते, बीमा फायदों के नदाद का उत्तरदायिख नियोजक पर होगा।
- 12 उन्न स्थापन भे सबध में नियाजक, इस स्काम के अधीन आने बाने किसी सबस्य की मृत्यू हुनि पर उसके हकदार नाम निर्देशितियाँ/ विधिक वारिसों की बीसाइत रकम का संबाय तत्परता से और प्रत्येक इशा में भारतीय जीवन बीमा निर्मास से बीमाइत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीवर मृतिण्यित करेगा।

[सक्या एस-35014/331/82-पी० एफ-[]]

S.O. 4272.—Whereas Messis Pelco Electronics and Electricals Limited, Kalwa Factory, 3 MIDC Industrial Area, Thane-Balapur Road, Thane-400601, (MH/9349) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied to exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto.

the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULL

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section $(3\,\text{A})$ of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the tules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately entol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Issurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Muharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment

shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineo/legal heirs entitled for it and in in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (331)/82-PF. II]

भाव आर 4273 - पैनर्स महाराष्ट्र स्टेट हैं प्डल्मन कारपेर शन लिमिटेड 50, सेव्ह्रन एकेन्यू रोह, नाजपुर -18 (महा/ ३४०३) (जिसे इसमें इसके पक्षा उनत स्थापन कहा गरा है) ने कर्नचारी भाषण्य निधि घीर प्रकीर्ण उपवैध कांब्रिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियस • कहा गना है, की धारा 17 की जनभारा (2क) के प्रजीन खूट बिए जानि के सिए प्रावेशन फिया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का सन्तिधान हो गुना है कि उक्त स्थापा के कर्मचारी, किसी पुरक क्रामेदाय या प्रीतियम का सदार किए जिना ही भारतीय जीवन बीभा निगः। की मामृहिष्ट बीमा महीम के घरीत जी त बीमा के रूप में फाददे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे, एन फायबों से आध्यक अनुकूष हैं जो कर्नाचारी निक्षेप सहबद्ध बीना स्कीत 1976 (जिसे इसमें इसके पक्वात् उकत स्कीम कहा गया है) के अधीन उनहे अनुज्ञेय है ;

श्रतः, केम्ब्रीय सरकार, उक्त ग्रीधांनधसकी घारा 17 की उरवारा (2क) द्वारा प्रदत्त गत्तिसयों का प्रयोग करते हुए भीर इसने उसबद्ध प्रन सुची में विनिदिष्ट गती के फक्षीन रहते हुए, उक्त स्थापन को सीन वर्ने की प्रविध के लिए उसन स्कीम के समी उत्तर्थों के प्रवर्तन से खूट देनी है।

अनुसूर्षाः

- 1 उक्त स्थापन के संबंध में नि गेजह प्रावेशिक पविषय निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र बम्बई को ऐसी । यवर्राणयां भेजेगा घौर ऐसे लेखा रखेगा तया निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 2. नियोशक, ऐसे निरीक्षण जवारी का प्रत्येक मार्थ की पन िन के 15 दिल के भीतर संबाय करेगा जो केन्द्रीय मराहर, उन्त ऋधिनिधम की बारा 17 की उपवास (अक) के खंड (क) के भवीन सनय-समार पर निविष्ट करें।
- 3. सामृष्टिक बीभा स्कीभ के प्रशासन में, जिसके शंनर्गत लेखानों का रखा जा हा विवर्णियों का प्रत्युत हिना जाता, बीना प्रोत्सवन का संयाय, लेखाओं का अन्तरण, निरोक्षण प्रमारों का संदाय मादि मी है, होने याने सभी व्ययों का बहुत (नयोगत द्वारा किया अधिया।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुनोदिन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमी भी एक प्रति, भीर अब कभी उन्में संगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्में वारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य कालों का अनुवाद; स्थापत के भूचना-सद्द पर प्रदर्शित करेगा।
- 5, यदि कोई ऐमा फर्नेचारी, जो फर्मचारी भदिष्य निधि का या उन्हर इश्विनियम के अवीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की मिष्य निधि का पहीं ही संबद्ध है, उसके स्थापन में नियोजिय किया जाता है ती नियोजक सामू हेक बीमा स्कीम के सद्दर्भ के रूप में बाहा तथ्य तुरन्त दर्ग-हरे। बोर बाकी बाबत भावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीना निशम को भदत करेगा ।
- याद उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उगलब्स फायदे बढ़ाए जाते, हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में समृचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे 'कि कर्मचारियों के जिए साम्हिक बीमा स्कीम के घर्धीन उपलब्ध फायदे उन कामदों से प्रक्रिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के प्रदीन अनुक्रेय हैं।

 मामुहिक वीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किपी कर्मधारी की मृत्यू पर इस स्कीन के अधी। तदेन रहन 📺 एतन है कन है, जो कर्मवारी को उस दशा में मंदेर होगी,पत्र पर उस्त सकल के धरोद होला, सो नियोज ह उर्जवारी के जिल्लाह व रिमानामनिर्देशित को प्रिक्तर के क्ष्य में योनी रहती के संपर के बराबर रहन है, पंदार हरता।

- 8. सामृहिक बीमा स्काम के उपबंधी में कोई भी मंगीधन, प्रादेशिक मीलप्य निधि मासुमत म परान्द्र बम्बई के पूर्व भनुगीवन के बिना नहीं निया आसेगा श्रीर जड़ी किसी संगोधा से कर्मवारियों के हि। पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की सभावता हो वहा प्रादेशिक भविषा जि.ध प्रायुक्त, अवता प्रमुशीदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भएता दृष्टिकोण सप्ट फल्ने का युक्तिसुका अवसर
- 9. यदि किमों कारणप्रम, स्वापंत क कर्मजारी, भारतीय जीवत बीमा निगम की उन सामृद्धिः बीमा स्कीम के जिस स्थापन पहुँग धारा। चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्क्रीन के अबीन क्षर्यकारियों की प्राप्त होने वाले फायदे मिने रीति से कथ हो जाते है, तो यह छूट रह फी आ मक्ती है।
- 10 याँद किसी कारणांग नियोजक उस निजन नाराख का भावन, जो मार्थ्यात्र जीवन बीना निगम निनंत करें, ब्रीमिस्न का संदान करने में भसफन रहता है, भीर पासिसी को बनात हो जन्मेदना जना है, तो, छूट रहकी जासकती है।
- नियोगक द्वारा प्रोधिनन के तक्षय म छिए गए छिन्छ करतकन की दशा में उर मून सरस्यों के तानानरीशिक्षियों या विधिष्ठ वर्गयना को को यदि यह , छूट न की गई होती .तो उनत स्क्रीम के अंतर्गत होने, बीभा फायबों के सदाय का उत्तरदाबित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में निवानक, इस स्क्रीम के प्रवीत ग्राम वाने किसी सदस्य की मृत्यू होते पर उत्तरे हुए राज नाम निर्देशिया दिया बिविक वारिसो की कीमाइटा रहम का मंदाप तर रहा से घीर प्रस्वेक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइन रहन प्राप्त होने के सान दिन के भीतर सुनिष्णित करेगा।

[सक्य एम-35014/31:/83-मी०एफ०1I]

S.O. 4273.—Whereas Messrs Maharashtra State Handlooms Corporation Limited, 50, Central Avenue Road, Nagpur-18 (MH/2893) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-vection (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter reteired to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hercinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premua, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient tentares thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund, of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as-compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (332)/82-PF II]

कां बार 4274 — मैंसर्स हिन्दुस्तान ऐरोनाटिक्स लिमिटेब, नामिक जिन्निक, जानक जिन्निक निर्मात प्राप्तक प्राप्तक प्रोतार टाजनिमा नाइसक जिन्ना-महाराष्ट्र/8260 (जिसे इसर्वे इसके पत्त्वात उक्त स्वाधन कहा गया है) ने कर्मचारी चिक्रम निधि धौर प्रकीण उपबंध कविनियम, 1952 (1952 तो 19) (जिसे इसर्वे

इसके पश्चात् जन्त प्राधिनियम कहा गया है) की घारा 17 की उरधारा (2क) के अर्धान छुट दिए जाने के लिए सर्विदन किस है,

स्रीर फेन्द्रीय सप्तार का समाधान हा गरा है कि उस्त स्वारत के कर्मकारी, किसी पृथक श्रीनवाय या भीनेमाम जा पैरा किए विता हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहित बीमा रहीन के प्राप्तीन जीवन बीमा के रूप में कापने उठा रहे हैं भीर ऐसे तार्मकारियों वे लिए ये कामब उन कायनों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मकारी निजेप सहुबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चाम् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रयीन उन्हें अनुकोष है;

प्रतः केन्द्रीय गरकार, उक्त प्राधितन्यम की घारा 17 की उभ्यास (2क) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और इनसे उभयद्व प्रतु-सूची में विनिद्धिय पानों के भवीन रहते हुए, उसा स्थापन की नीत वर्ष की भवांच के लिए उक्त स्कीम के सभी अन्वंधों के प्रान्तेन से छुट देना है।

अनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के सर्वंत्र में नियानक प्रादेशिक भविष्यानिध प्रायुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवर्णाण्यां भेजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निराक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवास करेगा जो केन्द्रीय संरक्षण सन्ध-समक पर निविद्य करेगा
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येष्ठ मान की सभाष्य है। 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उस्त अधिनयम की सारा 17 की जायाग (3%) के खड़ (क) के यर्जेन गागर-समय पर निरिष्ट करे।
- 3. सामूहिक कीमा स्कीन के प्रतासन में, िभमक प्रतीप लिखाओं का रखा जाना, विषरणियों का प्रस्तुन किया जाता, बीमा प्रीमियम का मंदाय, नेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का सप्ताय प्रादि भी है, होने वाले सभी क्यमों का बहन नियोजक द्वारा किया जीवेगा।
- 4 नियोणक कंन्द्रीय सरहार द्वारा यथा प्रमुगीत्त सामूहिह बीस स्काम के नियमों की एक प्रांत प्रीर जब कमी उनमें सणीवन किया जाए तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मकारियों को बहुनंद्रया को माथा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मूचना-पट्ट पर प्रदिशत करेगा।
- 5. यदि कोई ऐना कर्मचारी, जो कर्मचारी प्रविच्य निधि का या उन्स् प्रधिमयम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामू-. हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त वर्ज करेगा प्रीर उमकी बाबत प्रावस्थक प्रीमियम मार्रातीय जीधन बीमा निगम को सदस्त करेगा।
- 6 यदि उन्त स्कीम के प्रधीन कर्मवर्गरों को उपलब्ध फायदे नक्षण आते हैं तो, नियोज क सामृहित बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मवास्थि को उपलब्ध फायदों में सर्वाचा क्या में बूद्ध की आते की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मभारियों के लिए नामृष्टिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से ब्रांचक ब्रम्कूल हो, जो उनन स्कीम के प्रधीन सनुतेय हैं।
- 7. सामृहिक बोमा स्तान म जिनी जार के होते हुए भी, यदि किस कर्मभारी की मृत्यु पर इस स्कान के प्रधीत सदय रक्तम उस रक्तम से कम है, जो कर्मजारी की उन दशा में संदेय होती, तो वह उस्त स्कोम के प्रधीत होता तो, तियोगिक कर्मजारी के जिल्हा का प्रतिकार के रूप में दोना रक्तमी के प्रतिकार
- श. सामूहिक दीमा स्कीम के उपबद्यामें कोई भी समोद्यन, प्रादशिक प्राविषय निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र, के पूर्व प्रतुमीरन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाष पढ़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक मिबच्य निधि घायुक्त, प्रपना प्रमुमीदन

येते से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्रख्ट करने का पृथ्वित्रुका अभागर दे॥।

- 9. यदि किमी कारणवर्ग, स्थान के कर्नचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस स.म.हक बीमा स्कीन क जिस स्थानन पहुँन अपना चुना है, ब्रिडीन नहीं यह जीते हैं, या इस स्काम के प्रश्रीन कर्नचारियों को प्राप्त होने बाल फायद किमी री।त से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जी। सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवर्ग, नियान हिन्द नियत नार व के भी तर, जा भारतीय जीवन बीमा नियन नियन करें प्रेमेशन का सदाय करने में अनकत रहत, है भीर पालिसी का ज्यान हो जाने दिन जाना है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजिक द्वारा प्रीमित्रम के सदाय में फिए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामानेदीशातयों या विश्वक वर्तरयों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भ्रतात होत, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियाजिक पर हागा।
- 12. उत्तर स्थापन के मजध में नियाजक इप स्कोन के प्रवात प्रात बाले किसी सदस्य का मृत्यू होने पर उत्तर हरदार नाम निर्देशणांत्रया। विश्विक वारियों का बीमाकृत रक्तम का मध्य तत्ररता से प्रीर प्रत्येक दण। में भारतीय जावन बीमा नियम में बीमाकृत रक्तम प्राप्त होत के मान दिन के भीतर मुनिय्वत करेगा।

[सक्या एस-35014/333/82-वी०एफ०-II]

S.O. 4274.—Whereas Messis Hindustan Aeronautics Limited, Nasik Division, P.O. Ojha Township, Nasik (MH/8266) (hereinafter referred to as the said estublishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 or the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said(Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the sailent features threof, in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the gaid Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are necessary premium in Espect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Guoup Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reasofi, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased member, who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (333)/82-PF, III

का० आ० 4275:— मैंसर्स हिन्दुस्तान एण्टिबायाटिक्स, विस्तरी, (पूता-411018) (महाराष्ट्र राज्य) (भहाराष्ट्र/1459) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम नहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के धधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है:

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उकत स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक धिश्वाय या प्रीमियम का सदाय किए जिसा ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृद्रिक बीमा स्कीम के ध्रधीन जीवन बीमा कि रूप में फायदे उठा रहे है धीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से ध्रधिक धनुकृत है जो कर्मचार्ग निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें ध्रमके पश्चाम उक्त स्कीम कहा ग्रा है) के ध्रधीन उन्हें ध्रमुकेय है,

पन केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधितियम की धारा 17 की उपधारा (२क) द्वारा प्रदन्त णोक्त्यों का प्रयोग करने हुए भीर इसमें उपायद्ध अनुसूत्री में बिनिदिस्ट शर्ती के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन ना तीन वर्ष की सर्वाध के लिए उन्दर्भनीम के सभी उपसन्धी के प्रतर्भन से छट देती है।

असम ची

- । उनने स्थापन के स्थान्य में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि द्वायक्त महाराष्ट्र की ऐसी विवर्णाया भेजेगा श्रीर ऐसे लेखा क्योगा तथा निर्शक्षण के लिए ऐसी सृतिकाएँ प्रदान करेगा जो केळीय सरकार समय-समय पर गिविष्ट करे।
- १ नियोजिक, ऐसे निरीक्षण प्रशास का प्रत्येक मास का समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उदस प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के ध्रंपान समय-समय पर निर्दिग्ट करें।
- 3 सामृहिक कीमा स्फंभ के प्रणासन में, जिसके प्रत्यशैन लेखाओं का रखा जाना, विवर्णपर्यों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रश्नियम का संदाय, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रशासी का संदाय आदि भी है, होने साले सभी व्यया का बहन नियोजक द्वारा किया प्रायेगा।
- 4 नियाजक, केन्द्रीय सप्तार हारा यथा प्रतुमीवित सामृहिक बीमा स्काम के नियमों का एक प्रति, और जब कभी उनमें संबोधन किया आए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बानों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रवृत्तिन करेगा।
- 5 यदि कोई ऐसा कर्मजारी, जो कर्मजारी अविषय निधि का या उपन प्रधिनियम के क्षत्रीम छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक सीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन कीमा निगम की संदन्त करेगा।
- 6 सिंद उनन स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए, जाने है तो, नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायना में समृजित कप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक अनुकृत हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुकृत है।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किर्मा बात के द्वांत हुए भी, यदि किसी यमंत्रारी की मृत्यू पर इस स्कीम के प्रधीन सन्देय रवम उस रकम से कम है, जो कमंत्रारी का उस बजा में सदेय होती, जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, तियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/तामनिर्देशिकों को प्रतिकर के रूप में दोशो रकमों के प्रत्तर के खराबर रकम का सदाय करेगा।
- 8. सामृद्धिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रादेशिक भविष्य निध्य प्राप्तुक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रतुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा प्रीर जहां किया संगोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पहने की सभावना हो, यहां प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, प्रपत्ता प्रनुमोदन देने से पूर्व कर्मणारियों को प्रपत्ता दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मजारी, भारतीय जीवन बीमा निगग की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहेले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मजारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सफती है।
- 10 यदि किसी कारणवश, नियाजक उस नियन तारीन्त्र के भीतर, जा भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का संदाय करने में प्रसंक्षत्र

- रहता है, और पातिमां को कापमत हो जान दिया जाता है तो, छूट रहद की जा गलती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रमियम के सदाय में किए गए किया व्याप्तित में की दला में उन मन सदाया के नाम निर्देशिता। या विशिक बारिसों का जो यदि यह छह गई गई होती ता उक्त मारिस से पत्रांगी होते, वीमा फासदों के सदाय का उत्तरदायित्य नियोजिय पर होगा।
- 13 उन्त स्थापन के सबर्ग में नियाजक, इस रच के कार्यान क्राने काले किसी सदरण की मत्य हात पर असके हकदार नाम निर्देशितिया/विधिक वारिसा की बीमाक्रत रकम का सदाय तत्परका से और प्रत्येक दण। में जारतेय जीवन बीमा निगम से बीमाक्रत रकम प्राप्त हान के सात दिस के भारर ग्रानिश्या करेंगा।

[गुरु गम्बर- ४५०। 1 / ३३०/ ९८-पी रु एफ०- II]

S.O. 4275.—Whereas Messis Hindustan Antibiotics, Pimpri, theremafter referred to us the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Depositinked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Maharashara, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3, All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the emyloyers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme,

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Remond Provident Lind Commissioner Maharishtta and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assuance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (339)/82-PF, III

का० आ० 4276 — मैगर्स महाराष्ट्र स्टेट है-इत्म कारपारणन निमिटेड, 50-मैं दूस एवंट्यू, नागपुण-18 (सहाराष्ट्र 14704) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनत स्थापन कहा गया है) से धर्मधारी ध्विष्य निधि धौर प्रकीण उपबन्ध संधिनियम 1952 (1952का 19) जिसे इसमें इसके पश्चत् उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 17की उपवारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए बावेबन किया है,

धौर केब्बीय सरक,र का समाधात हो गया है कि छक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक आनिदाय या प्रीमियम का मदाय फिए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समृष्ठिक बीमा रकीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में कावदे उठा रहे हैं धौर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कावदे उन कावदों से प्रधिक प्रमुक्त हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहयुद्ध बीमा स्वीम, 1976 (जिसे क्यमें इसके पण्यात् उक्त स्कीम कह गया है) के ध्रयील उक्हें भमुकेय हैं;

श्रातः केन्द्रीय सरकार, उकत प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इससे उप-बद्ध अनुसूची में यिनिदिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षे की अविधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन ने छूट देती है।

अनुमूची

- ा. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक अविष्य तिधि प्रायुक्त महाराष्ट्र बारवर्ष को ऐसी विवरणियो भेजेगा ग्रीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निराक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समयसमय पर तिर्दिष्ट करेगा
- 2 सियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारी का प्रस्थेक साम की समापित के 15 दिन के भारत संदाय करेगा जी केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रश्ननियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (या) वो भ्रष्टीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे

- र साम्हिक बोमा स्कीम के प्रणासन थे, जिसके घन्तरीत लेखाओं का रखा जाना, प्रिवरणिया का प्रस्तृत किया जाना, कोमा प्रामिशम का संदय, लेखाओं का अपरण, निराक्षण प्रभारी का संदेश प्रतिवर्ध है, होंगे काले सभी क्यायों का बहन नियोजिया द्वारा किया जायेथा।
- 4 निरागक, केन्द्रीय सरकार इतरा यमा अनुभोदित सामूहिक बामा सर्कम के नियमों है एक प्रति, श्रीर जब कमा उनमें संजीधन किया आहे, तब उस संशोधन को प्रति तथा क्रमंचारियों की बहुतक्या को भाषा में उसरी मुख्य बातों को सनुष्य, स्थापन के सूचन'नाट पर प्रविश्ति करेगा।
- 5 यदि बाई ऐसा कर्मकारी, जो कर्मकारी अविषय निधि का या उक्त अधिनियम के अधान छूट प्राप्त किया स्थापन का अविषय निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियाजित किया जाता है तो, नियोजक सामृद्रिक वीमा स्वीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बावन धावनाक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निर्मेग का संदन्त करेगा।
- 6 तदि उन्त सकीम के प्रजीन कमेवारियों की जनाक्ष्य कायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बामा स्कीम के प्रजीन कमेवारियों की उपलब्ध कायदों में मदिवन रूप में बृद्धि को जाते की व्यवस्था करेंगा जिसमें कि कमेव रियों के लिए सामृहिक बासा सकीम के प्रजीन उपलब्ध कायदे उन कायदों ने प्रयिक प्रतृकृत हों, जो उक्त स्काम के क्षरीन प्रमृक्षेय हैं।
- 7 सामृहिक श्रीमा स्कीम में किसी यात के होते हुए थी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के श्राधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है, जी कर्मचारा की उस दशा में संदेय होती, जब वह उदन स्कीम के श्राधीन होता, ता, तियाजक कर्मचारी के विधिक चारिय/नामनिर्देशियी का प्रतिचार के रूप में दाना रकमों के श्राप्तर के बराबर रकम का सदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी सकोधन, प्रावेशिक भितिष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के जिला नहीं किया जायेगा सीर जहां किया संबोधन से कर्मकारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की सभाजना हो बहां, प्रावेशिक भित्रण निधि श्रीयुक्त, अपना सनुमोदन देने से पूर्व कर्मकारियों को अपना विष्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवसर देना।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मवारी, जारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा रकीम के, जिसे स्थापन पहले भ्रपना चुका है भ्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के भ्रधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने बाले कायदे किसी गीति में कम हो जाने हैं तो यह छुट रव्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणजश, नियोजक उस नियन भारी है के धीतर,जा भारतीय जीवन कीमा नियम नियत करे, प्रीमियम की संदाय करने में इसकल रहता है, और पालिसी की व्यवस्त ही जाने दिया जाता है तो, खूट रहद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गर किसी व्यक्तिशम की वशा में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों था विधिक वारिमों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के चन्त्रगृत होते, बीमा फायदों के संदाय का उक्तरदायिन्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनन स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस नकीम के अधीन आने बहुने किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हुकदार नाम निर्वेणितियों/ विधिक वारिसो की बीमाकुन रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जिल्हा वीमा नियम से बीमाकुन वार्ष प्रतिया जीवन वीमा नियम से बीमाकुन वार्ष प्रतिया जीवन वीमा नियम से बीमाकुन वार्ष प्रतिया जीवन करेगा।

[मदमः एम०-35014/340/82-शिव एफ्ड-2]

S.O. 4276.—Whereas Messrs Maharashtra State Handlooms Corpo ation Limited, 50. Central Averue Road, Nagpur-18 (MH/14704) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Emiloyees Provident Funds and Miscellaneous Provident Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schrudle annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtia (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employers.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas the employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme apporpriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enh need, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Maharashtia (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversaly the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adonted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc, within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

 1042 GI/82-12

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased men bers who would have been covered under the said behave but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014(340)/82-PF. IJ]

का० आ० 4277:--मैसर्म नाभनी द्युयम निभिन्दे, लाल बड्रावर णास्त्री सार्ग, कुरला, बम्बर्ड-400070 (सदाराष्ट्र-5:91) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी पविषय निधि और प्रकीण उपवन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चान उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए बाबेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक भी दाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीस के अर्धन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं भीर ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायटों से श्रधिक अनुकूल है जो कर्मचारी निशेष सहबाद बीमा की मा 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चास् उक्त स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें अनुषेत्र है;

घतः, केम्द्रीय सरकार, उसत प्राधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) हारा प्रदत्त प्रास्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट गतीं के अधीन रहते हुए, उनत स्थारन को तीन वर्ष की घवधि के लिए उपत स्कीम के सभी उपावधी के प्रवर्तन से छूट देती है।

अमुसस्रो

- उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक शविष्य निधि प्रापुत्रत महाराष्ट्र (बम्बई) को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रवान करेगा जो केस्ब्रंग सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेग की केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के श्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में , जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारो का संवाय थादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक , केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा प्रनुभोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संगोधन किया जाए तब उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाग में उसकी मुख्य बार्सों का प्रनुषाद, स्थापन के सुचना-पन्ट पर प्रविधित करेगा।
- 5 यदि बोर्ड ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त यधिनियम के प्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हैं सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक साम्हिक धीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बावन था यश्यक भीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदश्त करेगा।
- त यदि उक्त स्कीम के बर्धान कर्मजारियों को उपलब्ध फायदे बहाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के ब्राधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदों में समृजित कप से वृद्धि की जाने की ब्यायस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायडों में अधिक बनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के ब्राधीन प्रमृक्षिय है।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीय के प्रधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जी कर्मचारी की उस बचा में संदेय होती जब बहु उक्त स्कीम के प्रधीन होता हो, नियोजक कर्मचारा के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती की प्रिनिश्द के रूप में दीना रक्षों के अन्तर के बणबर रक्षम का सदाय करेगा।
- 8 सामूहिक वीमा एकाम के उपबन्धों में कोई भी सशीवन ; प्रादेशिक भिवष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदम के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी सशीधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संशावना हो वहा, प्रादेशिक भिवष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व पर्यचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अपना अनुमादन देने से पूर्व पर्यचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।
- 9 प्रवि किसं: कारणथ्या, स्थापना ने कर्मचारी, प्रार्ताय जीवन बीमा निगम की उस मामूहिक विधा स्कीम के, जिससे स्थापन पहले प्रपना चुका है अर्धन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधिन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किस्प रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छट रह की, जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवन्ना, नियोजक उस नियत नारीख के भीतर, जा भारतंथ जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में मसकल रहता है, भीर पालिसी की व्यवस्त हो जाने विमा जाता है हो. छट रह की आ समती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियभ के संदाय में किए गए किसी क्यांतित्रम की दणा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्वेणितियों या विधिक वारिसों को को, यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के भन्तगैन होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के मधीन प्राने बाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हुकदार नामनिर्वेशितियों/विधिक वारिसों को बीचाकुत रकम का संवाय तत्परता से बौर प्रत्येक देशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बीमाकुत रकम प्राप्त होने के सान दिन के भीतर मृतिधिवत करेंगा ।

[सं० एस०-35014/341/82-की०एक०2]

8.0. 4277.—Whereas Messrs Kamanl Tubes Limited, Lal Bahadur Shastri Marg, Kurla, Bombay-70 (MH/5291) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employers' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Link Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in energise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULF

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay), maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employers.

- 4. The employer display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas the employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premimum in respect of him to the Life Insurance Corpotation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra (Bombay) and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employers under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premimum within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure mompt nayment of the sum assured to the nomineel legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the interest of the employees, the Regional Provident Fund Corporation of India.

[No. S-35014 (341)/82-PF. II]

कां आ 4278 -- ममर्स सलेम टेक्सटाइल्स हिसिटैंड, सिल्लिपालायाम, नारासिगाएरम, डाफ्यर अथूर, सलेम, जिला (निमलनाडू/6517) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जब्म स्थापन कहा गया है) ने कर्मेचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपवक्त मधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपत कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन कूट विए जाने के लिए माधिवन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक धर्भिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से प्रधिक प्रनृकृत हैं जो कर्मचारी निकीप सहबक्क बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चान उक्त स्कीम कहा गथा है) के प्रधीन उन्हें भन्नुये हैं ;

धत केन्द्रीय सरकार, जक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपन्नाश (2क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाश्वद प्रनुसूची में वितिर्विष्ट शर्तों के प्रवीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की प्रविन्न के लिए जक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छट देती है।

अनुसु**च**ै

- ा. उम्पत स्थापन के सबध में मिकोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, तिमिलनाडु को ऐसी विवर्णाधा भेजेगा और ऐसे लेखा स्थापा तथा निरक्षण के लिए ऐसी मृजिध ए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निरिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निराक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाध्यि के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उनन अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (कि) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निद्धिष्ट करें।
- 3. सामूहिक बीम. स्क्रीम के प्रणासन में, शिसके भन्तर्गत लेखाओं का रखा ज.ना विवरणिया का प्रस्तुत किया जाना, बामा प्रीमियम का संदाव, लेखाओं का श्रनरण, निरोक्षण प्रभारों का संदाय भादि भी है, होने वाले सभी व्यामी का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रमुमीवित सामूहिक शीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, धीर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, सब उस संगोधन की प्रति तथा कमेचारियां की बहु संख्या की भाषा से उसकी मुख्य बातों का प्रमुखाद, स्थापन के सूचना-पटट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी शविष्य निधि का या जबत प्रिक्षितियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा भीर उसकी बाबत प्रावश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संबत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाएं जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अर्धान कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के क्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक धनुकुल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन धनुकोय है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हीते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के मधीन संवेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्वेणिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमो के प्रंतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भिष्य निश्चि मायुक्त, तिमलनाडु के पूर्व मनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मजारियों के हित पर प्रतिकृत मनाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निश्चि मायुक्त, धपना मनुमोधन देने से पूर्व कर्मजारियों को धपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवनर देगा।
- 9 यदि किसी कारणवा, स्थापन के कर्मेषारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रपत्त जुड़ा है पक्षीन मही रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रजीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रोति से कम हो जाते हैं, ता यह छूट खुद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवंश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी की व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम, की बना में उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों की भी यदि यह छूट न दी गई होती तो उत्तर स्कीम के धन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उसत स्थापन के सबंघ में नियोजक, इस स्कीम के मधीन माने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होंने पर उसके हकवार नामनिर्वेशितियों/ विधिक कारिसो को बीमाकृत रकम के मंदाय तत्परता से मौर प्रत्येक

भारताय जावन अभा निगम से बामाकृत रकम प्राप्त होने के सान दिस के भातर सुनिश्चित करेगां।

[सं॰ एस-35014/342/82-पो एफ-2]

S.O. 4278.—Whereas Messrs Salem Textiles Limited, Sallipalayam, Natisingapuram Post Office, Attur Salem District (1N/6517) (herematter referred to as the said establishment) have applied 101 exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (herematter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contributions or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life insurance which are more tavourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including Maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insutance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, to that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nomlnee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Groun Insurance Suheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to

the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.

4404

- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the promum etc. within the due date, as fixed by the Life Insuance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would, have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014 (342)/82-PF. II]

का० भा० 4279----मैसर्स होषस्ट डाइआ एण्ड केमिकरुस लिमिटेड, होइजन्ट होऊग, नारोभन प्यइन्ट बम्बई-१1, (महाराष्ट्र/4527), जिसे इसमें इसके प्रश्व त उपन स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध घिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त छोधनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के मधान छूट दिए जाने के लिए धावेदन किया है;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उन्त स्थापन के कर्मकारी, किस पृथा प्रिमिशाय या प्रीमिशाय का संदाय किए बिना ही, भारतीय जिल्ला बीमा विगय की सामूहिक बीमा स्क्रीम के अभीन जीवन शीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं भीर ऐसे कर्मवारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुहूल हैं जा कर्मवारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चास् उन्त स्कीम कहा गया है) के अर्धन उन्हें प्रमुजेय हैं;

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रीधनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए भौर इससे उपावद्य प्रनुसूची में विभिद्धिष्ट गतौं के अधीन रहने हुए, उक्त स्थापन की तान वर्ष की प्रवधि के मिए उक्त स्थीम के सभी उपवस्थों के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

अनुसूची

- उत्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक श्विष्य निधि प्रायुक्त महत्याष्ट्र (ब बई) को ऐसा विवर्णायां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा सथा निरी-क्षण के लिए ऐसंत गुविकाए प्रदान करेगा जो केन्द्र य सरकार, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरेक्षण प्रभारों का पत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के मीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निदिष्ट करें।
- 3. सत्पूर्तिक वीमा स्कीम के प्रकासन में, जिसके धन्तर्गंक लेखांधां का रखा जाना, जियरीणयों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखांघो का धंतरण, जिरिक्षण प्रकारों ती सदाय भावि भी है, होने, वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीवित सामृहिक बीझा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

- 5 यदि कोई ऐंगा नर्मेचारी, जो कमंचारी ध्रिष्य निधि का या उत्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को अधिक्य निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिय सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के छप मे उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत प्रावश्यक प्रामियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संबत्त करेगा !
- 6. यदि उत्तन स्कोम के प्रधान कार्य नारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्काम के प्रधीन कर्म वारियों को उपलब्ध फायदों में समृदित रूप से कृष्टि को जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि वार्य नारियों के लिए सामृहिक बीमा स्काम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक प्रमुक्त हो, जो उत्तन स्कीम के प्रधीन मनु-क्षेत्र है।
- 7. सामृहिक थीमा स्तोम में दिसी बात के होते हुए भी, यदि किसी भर्मचारी को मृत्यू पर इस स्कीम के अर्धान सदेय रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दणा में सदेय होती जब बह उक्त स्कीम के अर्धीन होता तो, निमोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती की प्रतिकर के हम में दोनों एकमों के क्षतर के बराबर रकम का संदाय करेगा:
- 8. सामूहिन बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक धिवण निधि भायुक्त, महाराष्ट्र (बग्यई) के पूर्व प्रानुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भीर जहां किसो मंशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की मधायना हो बहां, प्रादेशिक धिनब्द निधि भ्रायुक्त, धपना धनुभोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भ्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त भवनर देशा।
- 9. यदि किसी कारणवधा, स्थापन कि कमेंचारी, भारतीय जीवन बौना निगम की उम सामूहिंग बोमा स्कांभ के, जिसे स्थापन पहले अपना खुका है अधान नहीं रह जाते हैं, या इस स्काम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायरे किसी रीति से अस हो जाते हैं, तो यह छूट रव्द भी जा सफती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियस सारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने मे असफल रहता है, भीर पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रदद का जा सकती है।
- 11 नियोजिक द्वारा प्रांतियम के सवाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की वशा में, उन मृत नदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक बारिसों को जो, यदि यह छूट न दी गई होता तो उक्त स्कीम के धन्तगँत होते, बीगा फायदों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के संबंध में नियोजन, इस स्कीम के धर्मान भाने नाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकनार नामनिर्देशितियों, विधिक वारिसों की श्रीमाक्तत रकम का संदाय सत्परता से भीर प्रत्येक दशा में भारतीय जावन बोमा नियम से भीनाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिम्बत करगा।

[सं॰एम-35014/343/82-भी॰एफ-2]

S.O. 4279.—Whereas Messis Hoechst Dyes' and Chemicals Limited, Hoechst House, Nariman Point, Bombay-21, (MH/4527) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereus, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than

the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked insurance Scheme, 1976, (heternafter reterred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions apecified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provision, of the said Scheme for a period of three years

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Bangalore, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Incurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted ender the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheine, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any uncudment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life In urance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled
- 10. Where for any tenson, the empoyer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for nayment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would, have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer

12 Upon the death of the member covered under the Scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. 5-35014 (343)/82-PF. II]

नर्षे दिन्तं, 1 दिनःबर, 1981

कार आर०4280 - में पर्स हाट्य कायरा र टाबस, नारासन प्याइण्ट प्रस्थित हो, (महाराष्ट्र/15446), (जिसे इस्से इसके प्रश्वात् हता स्थापना कटा रशा है) न का खारी जिन्छा निष्धि और प्रकीण प्रवत्य का अनियम 1952 (1952का 19) जिसे इससे इसके प्रचार् का जाधानक कहा गया है की थारा 17 की उपधारा (2क) के अर्थन छट हो। जाने ने गिए अर्थिदन कारा है ,

ग्रीर बंद्धिय सरकार का समाधान हा भग है। का उक्त स्थापन किसी पृष्क भा दाय या प्रीतंत्रयम का सदाय किए जिला है।, नार्काय जीवन वंतम निगम की सामूहित खीना स्कीम के भाशन जावन वीता के भाग में फायदे उठा रहें है ग्रीर ऐसे वर्षकारयों के लिए या फायदे उन फायदे से ग्रीव प्रमुक्त है ना कर्मचारी निक्षेप महबद्ध वीता स्वीत, 1976 (जिसे समने स्वयंद्ध पत्रवाम इंग्रीत, 1976 (जिसे समने स्वयंद्ध पत्रवाम व्यवंत, 1976 (जिसे समने स्वयंद्ध पत्रवाम व्यवंत, 1976 (जिसे समने स्वयंद्ध पत्रवाम व्यवंत, 1976)

भा, केली संस्थान, उसन आधानियम की धाटा 17 की उपधारा (2क) द्वारा पदल पास्तयों का प्रयोग करने हुए भीर इपने उपाबध अनुसूधी में जिनति हार्यों के अधीन रहते हुए, उसन न्यापन को तीन वर्ष की काल के विकास के परी उपबन्धा ने पार्वन । हुट देशी है।

अन् सूची

- १ अस्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रार्थाणक अवस्य निध्य आयक्त महाराष्ट्र को ऐसी विश्वरणिया भेजेगा ग्रीह ऐसे लेखा खेला हुना निर्धाक्षण के लिए एसा सुविधाण प्रदा करेगा जो केन्द्रीय सरकार्य, समय-समय पर निविध्य करें।
- े नियोगा, ऐसं नर्रक्षण प्रभागे भा प्रायेक सास की समाप्ति के 15 दि। के भागर महाभ करेगा जो केन्द्रोधसारकार, उसा आंधिनियम की भाग 17 में उपधाण (अक) के व्यथ्ड (क) के सर्वेत राष्ट्र-समय पर निर्दिष्टकर।
- 3 साक्ष्य विधा रक्तिस के प्रणामन में, जिसके क्षतांत्र त्याचा वा जाना विदर्शणयों का प्रस्तुत किया जाना, र्व नार्धामक्ति का सम्पुत किया जाना, र्व नार्धामक्ति का सवार स्वाप्त की हैं, होने वाले स्वी व्यक्षों का वहन निर्योजक द्वारा किया जावेगा।
- त नियाजक, केर्न्वाय गरकार द्वारा यथा अनुनोदित तामृहिक यं.भा रकीन के नियरों का एक प्रति, और अब नामी उनमें सणोधन किया जार, नब उम सशोधर का प्रति तथा का विश्वियों की बहुसख्या की भाषा में उसकी भुष्य याता का अनुवाद, स्वापन के सूचना-भट्ट पर प्रवर्णिक करेगा।
- 5 प्रिंद कर्ड ऐसा कर्मनारी, जो सर्मचारी भिष्ठप्य निश्च का या उवन श्रांधनियम क श्रधीन छूट प्राप्त किमी स्थापन की भिष्ठप्य निश्च का पटने हैं। सदस्य है उसके स्थापन में नियोजिय किया जाना है तो, निश्चिक पासूहिक विभा स्कास के सदस्य के ख्या में उसका नाम नुस्त दर्भ करें राष्ट्रीय अभिन्न बोमा नियम को सदस्य करें।।
- 6 यदि एका स्कीम के अधीन कर्नकारियों को अपन्य फाउने प्रश्नेय का जाते हैं सी, निर्माणन सामृहिक कीमा स्कीम के ध्रधीन कर्मकारियों का उपनब्ध फायदों में समृचित रूप में मृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा

जियसे कि कर्न्चारियों के लिए मामूहिक बीमा स्कीम के प्रवीत उपलब्ध फायदे उन फायरी से प्रविक्ष प्रतुकृष हो, जी उक्त स्कीम के प्रप्रीत प्रकीय है।

- 7. माधूदित बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी, याद किसी कर्मवारी की मृत्य पर इस स्कीम के प्रकीत सन्देय रकम उस रकम में कम है, जो कर्मवारी को उस दबा में सदेय होती, जब यह उसत स्कीम के प्रक्षीत होता ती, नियोजन कर्मवारी के शिक्षेक वर्षिम/नामानदीमानीय की प्रतिकर के रूप में दोनों रक्षा के प्रकर्म के बराबर रक्षम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिल बीमा प्रकीत के उपबन्धों में कोई में। संशोधन, । विशेषक श्रिविष्य निश्च आयुक्त नहीं रिक्ष पूर्व अनुसीदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां कियी सशाधन में कर्नवारियों के हित पर प्रतिभृत प्रभाव परने की सनावता हो, वहा प्रावेशक भावण्य निश्च आयुक्त, अपना अनुसीदन देने से पूर्व कर्मवारियों का आपना डास्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देंगा।
- ग यदि (कर्ना कार्यव्या, स्थापन के कर्मकारी, भारतीय जीवन वामा निगम की उस सामृहिक वीना स्कीम के, जिसे स्थापन पहले प्रवता चुका है प्रश्नीन नहीं यह जाते है, या इस स्कीम के प्रश्नीन कर्मधारियों की प्राप्त होने बाल फाबदे किसी रोतन से कम हा जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।
- 10. याँ । काना कानणवा, नियोक्त उस नियन तारीख के भीनर, जो भारतीय जोजन बीमा (निगन नियन करे, प्रीमायम का सदाय करने में श्रमफल रहना है, श्रीर पालिसी को व्ययगत हो आने दिया जाता है तो, छुट रह की जा नकती है।
- 11. नियोजक बारा प्रीमियम के सदाय में किए, गए किसी व्यानकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नामानर्देशातिया या विधिक वारियों को जो यदि यह छट न दी गई होती ना उक्त स्कीम के प्रत्नर्गत होते, बीमा कायधी के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होगा।
- 12 उनन स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के श्रधीन आने वाल किसी सदस्य की भृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्शालियों/ विधिक बारिसो की बीमाकृत रकम का संवाय तस्परना से श्रीर प्रत्येक दण। में भारतीय जीवन बीमा निगन में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर मुनिक्चित करेगा।

[मङ्या एम-३५७14/३४५/४२-५० एफ-2]

S.O. 4280.—Whereas Messrs Hotel Oberoi Towers, Nariman Point, Bombay-2, (MH/15448) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are move favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under

- clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month,
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the the said Scheme are enhanced, so that the benefits available scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the saliet features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where an employee, who is already a member of the Lmployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominees of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a ceasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased the exemption to liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

INo. S-35014(389)/82-PF.JII

ाक आ 4281.—कर्मचारी राज्य बीमा भ्राधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 5 दिसम्बर, 1982 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 4 (धारा 41 श्रोर 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुर्क है) भीर अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) श्रौर धारा 77,78, 79 श्रीर 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, ध्रथांत :—

"कशानीर जिले के सेह्लिचेरी नात्मुक में पाझासी राजस्व ग्राम के श्रमर्गंत श्राने वाले क्षेत्र ।"

[सक्या एस-38013/38/82-एच० ग्राई०]

S.O. 4281.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Ctntral Government hereby appoints the 5th December, 1982 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely:—

"The areas within the Revenue village of Pazhassi in Tellicherry Taluk of Cannanore District."

[No. S-38013/39/82-H11

नर्ड फिल्ली, १ दिसम्बर, 198१

का० आ० 4282. - केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठिन धारा 88 द्वारा प्रदत्त किसी का प्रयोग करने हुए अखिल भारतीय प्रायुविज्ञान संन्धान नई दिल्ली के पुनर्वास और कुन्निम ग्रंग विभाग, केन्द्रीय कर्मणाला और लांडरी के नियमिन कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 10 मार्च, 1977 से 30 सिनम्बर, 1982 तक की अवधि के लिए जिसमें यह नारीख भी सम्मिलन है, छुट देशी है।

- े प्रवीक छूट की मर्ते निम्नलिखित हैं, प्रर्थात् ---
- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिनमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम ग्रीर पदाभिधान दिखाएँ जाएँगे :
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुविधाएँ प्राप्त करने रहेगें, क्विनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना ढारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की नारीख में पूर्व मन्दन अधिदायों के आधार पर हकदार हो जाते ;
- (3) छट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिवाय पहले ही किए जा चुके हो तो वे बापम नहीं किए जाएंगे :
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस प्रविध भी बाबन जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त प्रधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पण्चान् "उक्त ग्रविध" कहा गया है), ऐसी विधर-णिया ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मेचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के ग्रवीन उसे उक्त ग्रविध की बाबन वेती थो :
- (5) निगम होरा उक्त प्रिक्षिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अर्ध-न नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित प्राधिकृत कोई श्रम्य पदधारी ——
- (1) धारा 14 की उप-धारा (1) के प्रधीन, उक्त प्रवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों की सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ
- (2) यह प्रभितिष्वित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा प्रपेक्षित रिजस्टर प्रीर प्रभिलेख उपत श्रवधि के लिए रखे गर्य थे या नहीं ; या
- (3) यह प्रिमिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गए उन फायदों की, जिसके प्रतिफल स्वत्र्य इस प्रशिसूचना के अर्धन छट दी जा रही है, नकद से और बस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है वा नहीं , या
- (4) यह अि:िनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अविधि के दौरान जब उक्त कारखाने के सबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृक्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था गा नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सणक्य होगा .--

- (क) प्रधान या अञ्यवहित निरोधक में अनेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे, उपरोक्त निरोधक या अन्य पदधारी स्रायण्यक समझन। है .
- (ख) ऐसे प्रधान या अञ्यवित निर्माणक के अधिभोगाधीन किसी कारकाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेण करना और उसके प्रभागी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पवधारी के गमक्ष प्रस्तुत करे और उसकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे. जिसे ये आवश्यक समझते है;
- (ग) प्रधान या अध्यविहस नियोजक की, उनके थ्रा कर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या प्रत्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या श्रत्य पत्रधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना , या
- (घ) ऐसे कारकाने, स्थापन, कार्यालय या प्रत्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या घन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेता।

व्याख्यात्मकः ज्ञापन

इस मामले में पूर्विपिक्षी प्रभाव से छूट देनी प्रावण्यक हो गई है, क्योंकि इट के लिए प्राप्त ब्रावेदन-पत्न विलस्थ में प्राप्त हुग्रा, तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्विपिक्षी प्रभाव में छूट देन से किसो के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पडेगा।

> [स॰ ए-38014/26/80-एच॰आई०] ए**०के० भ**ट्टाराई, अवर समिथ

New Delhi, the 2nd December, 1982

S.O. 4282.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the Central Workshop, Laundry and the Department of Rehabilitation and Artificial Limbs of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi from the operation of the said Act for a period with effect from 10th March, 1977 upto and inclusive of the 30th September, 1982.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or

- (1) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to

- furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/26/80-HU]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was recrived late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 2nd December, 1982

S.O. 4283.—In the notification of the Government of India in the Ministry of I about No. S.O. 2599 dated the 21st Julie, 1982 published at page 2672 of the Gazette of India Part II, Section 3 Sub-section (ii) dated the 17th July, 1982, in line 3, for "loyti" read "Jveti"

[No. S-35019(98)/82-PF.II] A K. BHATTARAI, Under Secv.